मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	32.1	27.1
जमशेदपुर	34.1	25.0
डालटनगंज	32.8	24.9

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* *

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in रांची, सोमवार 12 अगस्त 2024 ● श्रावण शुक्ल पक्ष 08 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~8~~ ● वर्ष : 2, अंक : 125 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

एक बार फिर सेबी-अडानी पर हिंडनबर्ग का अटैक -क्या आज फिर आएगा शेयरों में भूचाल?

सेबी चीफ के फर्म की है बंपर कमाई!

लगातार न्यूज नेटवर्क। दिल्ली

हिंडनबर्ग रिसर्च की ताजा रिपोर्ट ने भारत में एक बार फिर हंगामा खड़ा कर दिया है. इस बार उसका निशाना सिक्योरिटी एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) की प्रमुख माधबी पुरी बुच और उनके पति धवल बुच हैं. हिंडनबर्ग ने रिपोर्ट में दावा किया कि सेबी प्रमुख व उनके पति ने मॉरीशस की उसी ऑफशोर कंपनी में निवेश किया है, जिससे ग्रुप की कंपनियों में निवेश करवा कर अडानी ने लाभ उठाया था. हिंडनबर्ग का आरोप है कि उसने जनवरी 2023 में अडानी ग्रुप पर जो खुलासा किया, उस पर सेबी ने अभी तक कार्रवाई नहीं की. आरोप है कि यह जांच केवल इसलिए नहीं की गई क्योंकि सेबी प्रमुख और अडानी ग्रुप के हित एक-दूसरे से जुड़े हुए थे.

रिपोर्ट के मुताबिक, बुच और उनके पति ने बरमूडा और मॉरीशस में अस्पष्ट विदेशी कोषों में अघोषित निवेश किया था. ये वही कोष हैं जिनका विनोद अडानी ने पैसों की हेराफेरी करने व अपनी कंपनियों के शेयरों की कीमतें बढ़ाने के लिए इस्तेमाल किया. विनोद अडानी, अडानी समूह के चेयरमैन गौतम अडानी के बड़े भाई हैं. आरोप है कि सेबी प्रमुख ने अपने शेयर पति को ट्रांसफर किए. अप्रैल 2017 से मार्च 2022 के दौरान वो सेबी की सदस्य व प्रमुख थीं. उनका सिंगापुर में अगोरा पार्टनर्स नाम से कंसलटिंग फर्म में 100% स्टेक था. 16 मार्च 2022 को सेबी चीफ नियुक्ति किए जाने से दो हफ्ते पहले उन्होंने अपने शेयर्स पति के नाम पर ट्रांसफर कर दिए. सेबी चीफ की सैलरी से कई गुना ज्यादा उनकी फर्म की कमाई है. इसमें उनकी 99% हिस्सेदारी है. अब नजरें सोमवार को शेयर बाजार पर लगी हैं कि क्या फिर भूचाल आएगा. हालांकि बाजार के विशेषज्ञों ने इससे इन्कार किया है. कहा है बाजार पर असर नहीं होगा.

हिंडनबर्ग का आरोप-सेबी धोखेबाजों को बचा रहा

2015 में बुच दंपती ने किया था निवेश

हिंडनबर्ग ने एक ब्लॉगपोस्ट में कहा कि माधवी और उनके पति ने ऑफशोर इकाइयों में निवेश किया, जो कथित तौर पर इंडिया इन्फोलाइन (आईआईएफएल) द्वारा प्रबंधित फंड का हिस्सा थे और उसमें विनोद अडानी ने भी निवेश किया था. हिंडनबर्ग के मुताबिक, कथित तौर पर ये निवेश 2015 में किए गए थे. वर्ष 2017 में सेबी के पूर्णकालिक सदस्य के रूप में माधवी पुरी बुच की नियुक्ति और मार्च 2022 में इसका चेयरपर्सन बनने से काफी पहले ये निवेश किए गए थे. इसके मुताबिक, बरमूडा स्थित ग्लोबल ऑपर्च्युनिटीज फंड भी इस फंड में निवेश करने वालों में शामिल था. अडानी समूह से जुड़ी इकाइयों द्वारा समूह की कंपनियों के शेयरों में कारोबार के लिए कथित तौर पर ग्लोबल ऑपर्च्युनिटीज फंड का ही इस्तेमाल किया गया था.

ऑफशोर फंड में हिस्सेदारी थी

निवेश कंपनी ने 'व्हिसलब्लोअर दस्तावेजों' का हवाला देते हुए कहा, "सेबी की वर्तमान प्रमुख बुच और उनके पति के पास अडानी समूह में धन के हेराफेरी घोटाले में इस्तेमाल किए गए दोनों अस्पष्ट ऑफशोर फंड में हिस्सेदारी थी. विदेशी बाजारों में निवेश करने वाले फंड को ऑफशोर फंड या विदेशी कोष कहते हैं. रिपोर्ट में दावा किया गया है कि विनोद अडानी अस्पष्ट विदेशी कोष बरमूडा और मॉरीशस कोषों को नियंत्रित करते थे. हिंडनबर्ग का आरोप है कि इन कोषों का इस्तेमाल धन की हेराफेरी करने और समूह के शेयरों की कीमतें बढ़ाने के लिए किया गया था. हिंडनबर्ग ने कहा कि सेबी प्रमुख माधबी पुरी बुच और उनके पति ने विदेश में स्थित उन इकाइयों में निवेश किया, जो कथित तौर पर इंडिया इन्फोलाइन द्वारा प्रबंधित एक फंड का हिस्सा थे और उसमें अडानी समूह के चेयरमैन गौतम अडानी के बड़े भाई विनोद अडानी ने भी निवेश किया था. - शेष पेज 07 पर

राहुल गांधी ने सरकार से पूछे तीन बड़े सवाल

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने एक्स पर वीडियो मैसेज जारी कर इस मामले में तीन बड़े सवाल पूछे हैं. उन्होंने कहा, छोटे खुदरा निवेशकों की संपत्ति की सुरक्षा का जिम्मा संभालने वाले सेबी ने चीफ के खिलाफ लगे गंभीर आरोपों से समझौता किया है. देशभर के ईमानदार निवेशकों के पास सरकार से महत्वपूर्ण प्रश्न हैं. राहुल गांधी ने जो तीन सवाल दागे, वे इस प्रकार हैं... सेबी अध्यक्ष माधबी पुरी बुच ने अभी तक इस्तीफा क्यों नहीं दिया? अगर

निवेशक गाढ़ी कमाई खो देते हैं, तो किसे जवाबदेह ठहराया जाएगा...पीएम मोदी, सेबी अध्यक्ष, या गौतम अडानी? बेहद गंभीर आरोपों के सामने आने के बाद क्या अब सुप्रीम कोर्ट एक बार फिर इस मामले में स्वतः संज्ञान लेगा? कांग्रेस सांसद के मुताबिक, अब बिल्कुल साफ हो गया है कि पीएम नरेंद्र मोदी जेपीसी जांच से इतने डरे हुए क्यों हैं और इससे क्या खुलासा हो सकता है. राहुल ने जो वीडियो शेयर किया, उसमें शुरुआत में उन्होंने उस क्रिकेट मैच के अंपायर का जिक्र भी किया जो कम्प्रोमाइज होता है. उन्होंने सवाल उठाया और उदाहरण देते हुए कहा कि जब इंडिया और ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाले बड़े इंटरनेशनल मैच का अंपायर ही कंप्रोमाइज होगा तब उस मैच का क्या होगा!

रिपोर्ट पर सियासत शुरू, अडानी ग्रुप और सेबी प्रमुख ने दी सफाई, कहा

ये बदनाम करने की शरारतपूर्ण साजिश

नयी दिल्ली। अमेरिकी शोध एवं निवेश फर्म हिंडनबर्ग रिसर्च ने संदेह जताया है कि अडानी समूह के खिलाफ कार्रवाई करने में पूंजी बाजार नियामक सेबी की अनिच्छा का कारण सेबी की चेयरपर्सन माधवी पुरी बुच और उनके पति की अडानी समूह से जुड़े विदेशी कोष में हिस्सेदारी हो सकती है. हालांकि सेबी प्रमुख ने इस आरोप को आधारहीन और चरित्र हनन का प्रयास बताया है. उन्होंने कहा, समय आने पर मैं इसका जवाब दूंगी. सेबी प्रमुख और उनके पति ने एक संयुक्त बयान जारी कर हिंडनबर्ग के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे पूरी तरह से बेबुनियाद बताया है. बुच दंपती ने कहा, रिपोर्ट में लगाए गए आरोप पूरी तरह से आधारहीन और बेबुनियाद हैं. इनमें तनिक भी सच्चाई नहीं है. हमारा जीवन और वित्तीय स्थिति एक खुली किताब की तरह है. सभी जरूरी खुलासे पहले ही वर्षों से सेबी को दिये जा चुके हैं. हमें किसी भी वित्तीय दस्तावेज का खुलासा करने में कोई हिचकिचाहट नहीं है. बुच ने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जिस हिंडनबर्ग रिसर्च के खिलाफ सेबी ने प्रवर्तन कार्रवाई की है और कारण बताओ नोटिस जारी किया है, उसी के जवाब में हमें ही घेरने और चरित्र हनन करने का प्रयास किया गया है. हालांकि बुच दंपती ने अडानी समूह के खिलाफ सेबी की जांच को लेकर हिंडनबर्ग की तरफ से लगाए गए आरोपों पर कुछ नहीं कहा है. लेकिन उन्होंने कहा कि नियत समय में एक विस्तृत बयान जारी किया जाएगा.

अडानी समूह ने भी किया सभी आरोपों को खारिज

इस बीच, अडानी समूह ने भी अमेरिकी शोध एवं निवेश फर्म हिंडनबर्ग रिसर्च के नवीनतम आरोपों को दुर्भावनापूर्ण और चुनिंदा सार्वजनिक सूचनाओं से छेड़छाड़ करने वाला बताते हुए रविवार को कहा कि उसका बाजार नियामक सेबी की चेयरपर्सन या उनके पति के साथ कोई वाणिज्यिक संबंध नहीं है. अडानी समूह ने शेयर बाजार को दी एक सूचना में कहा, हिंडनबर्ग के नए आरोप सार्वजनिक रूप से उपलब्ध सूचनाओं का दुर्भावनापूर्ण, शरारती और छेड़छाड़ करने वाला चयन है. ऐसा तथ्यों और कानून की अवहेलना करते हुए निजी मुनाफाखोरी के लिए पूर्व-निर्धारित निष्कर्षों पर पहुंचने के इरादे से किया गया है. समूह ने कहा, हम अडानी समूह के खिलाफ इन आरोपों को पूरी तरह से खारिज करते हैं. ये उन अस्वीकार किए जा चुके दावों का दोहराव हैं जिनकी गहन जांच की गई है, जो निराधार साबित हुए हैं और जनवरी, 2024 में सुप्रीम कोर्ट द्वारा पहले ही खारिज कर दिए गए हैं.

विपक्ष बोला- खुली सांठ-गांठ की पोल, जेपीसी से जांच हो

हिंडनबर्ग की नई रिपोर्ट आने के बाद सियासी गलियारे में हलचल तेज हो गई है. पक्ष-विपक्ष आमने सामने आ गया है. कांग्रेस, टीएमसी, द्रमुक, सपा, राजद और आम आदमी पार्टी ने सेबी प्रमुख माधबी पुरी बुच और केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा है. कांग्रेस समेत संपूर्ण विपक्ष ने केंद्र से अडानी समूह की नियामकीय जांच में हितों के सभी टकरावों को खत्म करने के लिए तुरंत कार्रवाई करने की मांग की है. मुख्य विपक्षी दल ने देश के शीर्ष अधिकारियों की कथित मिलीभगत का पता लगाने और घोटाले की पूरी जांच के लिए एक संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) गठित करने की भी मांग की है. हिंडनबर्ग की नई रिपोर्ट आने के बाद कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने केंद्र पर निशाना साधते हुए कहा, सेबी ने सुप्रीम कोर्ट के समक्ष मोदी जी के परम मित्र अडानी को हिंडनबर्ग के जनवरी 2023 के खुलासों में क्लीन चिट दी थी. अब उसी सेबी की मुखिया के तथाकथित वित्तीय रिश्ते उजागर हुए हैं. मध्यम वर्ग से संबंधित छोटे और मध्यम निवेशकों, जो अपनी मेहनत की कमाई शेयर बाजार में निवेश करते हैं, उनको संरक्षित करने की आवश्यकता है, क्योंकि वे सेबी में विश्वास करते हैं. जब तक इस महा-घोटाले में जेपीसी जांच नहीं होगी, तब तक मोदी जी अपने ए1 मित्र की मदद करते रहेंगे और देश की संवैधानिक संस्थाएं तार-तार होती रहेंगी.

भाजपा बोली: कांग्रेस का विदेशी संस्थानों से याराना

इसपर अब भाजपा ने पलटवार किया है. उसका कहना है कि कांग्रेस ने पिछले 10 वर्षों में झूठ की राजनीति की रणनीति अपनाई है. साथ ही कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और विदेशी संस्थाओं के बीच के याराना के बारे में भी सवाल खड़ा किया. भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, पिछले कुछ सालों से जब भी संसद सत्र शुरू होता है, तब विदेश में कोई न कोई रिपोर्ट जारी हो जाती है. पीएम मोदी पर डॉक्यूमेंट्री संसद सत्र से ठीक पहले जारी की गई थी. हिंडनबर्ग की रिपोर्ट संसद सत्र से ठीक पहले जनवरी में आई थी. ये सभी घटनाक्रम संसद सत्र के दौरान होते हैं. विपक्ष के विदेशों के साथ ऐसे तार जुड़े हैं जो भारत के हर संसद सत्र के दौरान अस्थिरता और अराजकता पैदा करते हैं. उन्होंने कहा,''वे भ्रम के माध्यम से भारत में आर्थिक अराजकता पैदा करना चाहते हैं. अब वे सेबी पर हमला कर रहे हैं. कांग्रेस पिछले 30-40 सालों से विदेशी कंपनियों के साथ क्यों खड़ी है? वह यूनियन कार्बाइड के साथ क्यों खड़ी हुई? मैं पूछना चाहता हूं कि विदेशी संस्थानों से यह कौन सा याराना है कि भारत की आर्थिक संस्था के हर विषय के ऊपर आपका निशाना है.

हमें अब पता चला कि आखिर हमारी चिट्ठियों पर कोई जवाब क्यों नहीं दिया गया. वो संज्ञान में क्यों नहीं ली गईं, हम्माम में सब नंगे हैं.- **प्रियंका चतुर्वेदी**, शिवसेना (यूबीटी)

ये कुछ अटलकें और अनुमान हैं. जिन्हें सच्चाई के कुछ अंशों के साथ जोड़ा जा रहा है. इसके पीछे एक खास योजना है. रिपोर्ट निराधार है.- **राजीव चंद्रशेखर**, भाजपा

देखिए, कैसे हमारे सिस्टम में धांधली की गई है. बड़े पैमाने पर हुए भ्रष्टाचार को छिपाने की कोशिश की गई है. सेबी खुद साफ नहीं है.- **मनोज झा**, राजद

रिपोर्ट की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए. इस मामले की जेपीसी से जांच कराई जाए. अगर सेबी पाक-साफ है, तो उसे किस बात का डर है.- **मनीष तिवारी**, कांग्रेस

सेबी की कुर्सी पर चोर बैठे हैं. पीएम मोदी तुरंत सेबी चीफ से इस्तीफा लें. जांच एजेंसियां इस मामले की गहराई से जांच-पड़ताल करें.- **अखिलेश यादव**, सपा

यह एक तरह से सेबी का टकराव और कब्जा दोनों है. सेबी चीफ अडानी ग्रुप में निवेशक हैं. इस मामले की एजेंसियां जांच करें.- **महुआ मोइत्रा**, टीएमसी

सर्राफा

सोना (बिक्री)	65,900
चांदी (किलो)	84,000

ब्रीफ खबरें

बिहार के वैशाली में फिर ढहा छोटा पुल

हाजीपुर (बिहार)। बिहार के वैशाली जिले के राघोपुर प्रखंड में एक और छोटा पुल ढह गया है. वैशाली जिला प्रशासन ने रविवार को जारी एक बयान में कहा कि यह पुल राघोपुर प्रखंड के पहाड़पुर गांव में ढहा है. बयान में बताया गया है, ढहा पुल 20 साल पुराना था और इसे 2021 में जनता के लिए बंद कर दिया गया था.

25 आईएएस अफसर किए गए इधर से उधर

रांची। सरकार ने नौकरशाही में बड़ा फेरबदल करते हुए भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के कई अफसरों का तबादला कर दिया है. इनमें राज्यपाल के प्रधान सचिव नितिन मदन कुलकर्णी भी शामिल हैं. शनिवार देर रात जारी अधिसूचना के अनुसार, सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई-गवर्नेंस विभाग के सचिव विप्र भाल को राज्यपाल का प्रधान सचिव नियुक्त किया गया है. - पूरी खबर पेज 2 पर

मालगाड़ी फिर बेपटरी कोई हताहत नहीं

सोनभद्र। यूपी के सोनभद्र के शक्तिनगर में एक मालगाड़ी का इंजन और दो डब्बे पटरी से उतर गये. जिससे उस रूट पर आवागमन बाधित हो गया. कोयला खदान से अनपरा पावर हाउस में कोयला आपूर्ति के लिए अलग से रेलवे लाइन बिछाई गई है, जो केवल कोयला आपूर्ति के लिए विशेष मालगाड़ियों के संचालन के उपयोग में आती है.

हेमंत सोरेन सरकार की कृषि ऋण माफी योजना

राज्य के 4.73 लाख किसानों का माफ हो चुका है ऋण

त्रुटियों के कारण 21,086 किसानों का भुगतान विफल रहा, 4464 किसानों के भुगतान की प्रक्रिया जारी

रवि भारती। रांची

झारखंड कृषि ऋण माफी योजना के तहत राज्य के चार लाख 73 हजार 334 किसानों का ऋण माफ हो चुका है. ऋण माफी योजना के तहत चार लाख 98 हजार 884 किसानों का ई-केवाईसी हो चुका है. वहीं त्रुटियों के कारण 21,086 किसानों का भुगतान विफल रहा है. 4464 किसानों के भुगतान की प्रक्रिया की जा रही है. इस योजना का उद्देश्य फसल ऋण धारक की ऋण पात्रता में सुधार लाना, नये फसल ऋण प्राप्ति सुनिश्चित करना, कृषक समुदाय के पलायन को रोकना और कृषि अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करना है. - शेष पेज 07 पर

- चार लाख 98 हजार 884 किसानों का ई-केवाइसी हो चुका है
- योजना का उद्देश्य फसल ऋण धारक की पात्रता में सुधार लाना

किस जिले में कितने किसानों का हुआ केवाईसी

जिला	किसानों की संख्या	जिला	किसानों की संख्या
बोकारो	18,152	खूंटी	8,374
चतरा	20,776	कोडरमा	10,024
देवघर	36,341	लातेहार	12,483
धनबाद	11,547	लोहरदगा	10,014
दुमका	28,010	पाकुड़	7,955
पूर्वी सिंहभूम	26,388	पलामू	28,637
गढ़वा	24,346	रामगढ़	9,009
गिरिडीह	25,308	रांची	28,674
गोड्डा	20,233	साहिबगंज	13,115
गुमला	12,801	सरायकेला खरसांवा	21,259
हजारीबाग	26,819	सिमडेगा	7,008
जामताड़ा	20,232	पश्चिमी सिंहभूम	25,645

पीएम मोदी ने उच्च उपज वाली फसलों की 109 किस्में जारी कीं, कहा

सभी किसानों को मिलेगा लाभ

एजेंसी। नयी दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान में फसलों की 109 उच्च उपज वाली, जलवायु अनुकूल एवं जैव-सुदृढ़ किस्में जारी कीं। पीएम मोदी ने इस कार्यक्रम के दौरान किसानों और वैज्ञानिकों से भी बातचीत की.

इस पहल का उद्देश्य कृषि उत्पादकता और किसानों की आय को बढ़ाना है. इन किस्मों को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) ने विकसित किया है और ये कुल 61 फसलों से संबंधित हैं. इनमें 34 खेतों में लगाई जाने वाली और 27 बागवानी की फसलें हैं. मोदी ने दिल्ली के पूसा परिसर में तीन प्रायोगिक कृषि भूखंडों पर बीजों को पेश किया. इस मौके पर प्रधानमंत्री ने किसानों और वैज्ञानिकों के साथ बातचीत भी की.

रविवार को किसानों और वैज्ञानिकों से खेत में बात करते पीएम नरेंद्र मोदी.

जारी की जाने वाली 61 फसलों की 109 किस्मों में 34 खेत की फसलें और 27 बागवानी फसलें शामिल हैं. खेत की फसलों में बाजरा, चारा फसलें, तिलहन, दलहन, गन्ना, कपास, फाइबर और अन्य संभावित फसलों सहित विभिन्न अनाज के बीज जारी किए गए. वहीं, बागवानी फसलों में फलों, सब्जियों, बागानों, कंद फसलों, मसालों, फूलों और औषधीय फसलों की विभिन्न किस्में भी शामिल हैं. -शेष पेज 07 पर

दिया जवाब बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना का आखिरी संदेश, जो जारी न हो सका था

मैंने सत्ता छोड़ी, ताकि शवों का जुलूस न देखना पड़े

एजेंसी। ढाका

बांग्लादेश में तख्तापलट हुए एक हफ्ता हो चुका है. शेख हसीना जो हफ्ते भर पहले पीएम थीं, वह अब पूर्व हो चुकी हैं, साथ ही देश से निर्वासित भी. लेकिन इस बीच उनका वो आखिरी भाषण सामने आया है, जो अभी तक सार्वजनिक नहीं हो सका था.

पीएम पद से इस्तीफा देने और अपने ढाका स्थित आवास से निकलने से पहले शेख हसीना राष्ट्र को संबोधित करना चाहती थीं. खासकर उन प्रदर्शनकारियों को, जिनके आंदोलन के कारण उन्हें शीर्ष पद छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा. प्रदर्शनकारी उनके दरवाजे तक पहुंच गए और देश के शीर्ष सुरक्षा अधिकारियों ने उन्हें जल्द से जल्द वहां से चले जाने की सलाह दी. शेख हसीना ने संदेश में कहा, मैंने इस्तीफा दे दिया, ताकि मुझे शवों का जुलूस न देखना पड़े. वे छात्रों के शवों पर सत्ता में आना चाहते थे, लेकिन मैंने इसकी अनुमति नहीं दी. मैंने प्रधान मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया.

मैं सत्ता में बनी रह सकती थी, अगर मैं सेंट मार्टिन द्वीप (आईलैंड) की संप्रभुता अमेरिका के सामने समर्पित कर दी होती और उसे बंगाल की खाड़ी में अपना प्रभुत्व स्थापित करने की अनुमति दे दी होती. मैं अपने देश के लोगों से विनती करती हूं, कि आप कट्टरपंथियों के बहकावे में न आएं. उन्होंने अपने करीबी सहयोगियों को ये संदेश अब भेजा है और इसे इकोनॉमिक टाइम्स (ईटी) को भी उपलब्ध कराया है.

तख्तापलट के लिए अमेरिका पर लगाया बड़ा आरोप, कहा

अगर मैं सेंट मार्टिन द्वीप की संप्रभुता अमेरिका को सौंप देती, तो आज सत्ता में होती

कट्टरपंथियों के बहकावे में न आने की अपील की

हसीना ने आगे कहा है, मैं सत्ता में बनी रह सकती थी, अगर मैंने सेंट मार्टिन द्वीप की संप्रभुता को त्याग दिया होता और अमेरिका को बंगाल की खाड़ी पर प्रभाव रखने दिया होता. मैं अपने देश के लोगों से विनती करती हूं, कृपया कट्टरपंथियों के बहकावे में न आएं.

लोगों से कहा- मैं जल्द ही वापस आऊंगी

शेख हसीना आगे कहती हैं, अगर मैं देश में रहती तो और अधिक लोगों की जान चली जाती, और अधिक संसाधन नष्ट हो जाते. मैंने बाहर निकलने का बेहद कठिन निर्णय लिया. मैं आपकी नेता बनी, क्योंकि आपने मुझे चुना, आप मेरी ताकत थे. मेरे दिल में यह खबर सुन कर रोना आ गया है कि कई नेताओं की हत्या कर दी गई है, कार्यकर्ताओं को परेशान किया जा रहा है और उनके घरों में तोड़फोड़ और आगजनी की गई है. -शेष पेज 07 पर

यूपीए सरकार में विदेश मंत्री रहे नटवर सिंह का निधन

एजेंसी। नयी दिल्ली

- पीएम मोदी-खरगे समेत कई नेताओं ने जताया शोक

लंबे समय से बीमार चल रहे पूर्व विदेश मंत्री के नटवर सिंह का शनिवार देर रात निधन हो गया. वह 93 वर्ष के थे. परिजनों ने बताया कि नटवर सिंह ने गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में अंतिम सांस ली, जहां वह पिछले कुछ हफ्तों से भर्ती थे. उनके पुत्र अस्पताल में थे. रविवार को नटवर सिंह का अंतिम संस्कार किया गया. उनके बेटे ने मुखाग्नि दी.

कांग्रेस के पूर्व सांसद नटवर सिंह का जन्म 1931 में राजस्थान के भरतपुर जिले में हुआ. वह 2004-05 में तत्कालीन मनमोहन की यूपीए सरकार में विदेश मंत्री थे. उन्होंने पाकिस्तान में भारत के राजदूत के रूप में भी सेवाएं दी थीं और 1966-1971 तक तत्कालीन पीएम इंदिरा गांधी के कार्यालय से जुड़े हुए थे. नटवर सिंह को 1984 में पद्म भूषण से सम्मानित किया गया. उन्होंने विदेश मामलों व अन्य विषयों पर कई किताबें भी लिखीं, जिनमें द लिगेसी ऑफ नेहरू : अ मेमोरियल ट्रिब्यूट और माई चाइना डायरी 1956-88 शामिल हैं. उनकी आत्मकथा वन लाइफ इज नॉट इनफ सुर्खियों में रही थी. उनके निधन पर पीएम नरेंद्र मोदी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे समेत कई नेताओं ने गहरा शोक व्यक्त किया है. मोदी ने एक्स पर कहा, नटवर सिंह का निधन दुखद है. ईश्वर उनके परिजनों को यह क्षति सहने की शक्ति दे और दिवंगत आत्मा को सदगति प्रदान करे.

मनीष रंजन को एटीआई का निदेशक बनाया गया है, डॉ नितीन मदन कुलकर्णी को कृषि विभाग की जिम्मेवारी मिली

राज्य के 25 आईएएस इधर से उधर, विप्रा भाल बनीं राज्यपाल की प्रधान सचिव

प्रमुख संवाददाता। रांची

राज्य सरकार ने 25 अफसरों को इधर से उधर कर दिया है. इसमें 14 आईएएस का तबादला किया गया है. छह अफसरों को अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है. पांच अफसरों की पोस्टिंग की गई है. विप्रा भाल को राज्यपाल का प्रधान सचिव बनाया गया है. वहीं राज्यपाल के प्रधान सचिव रहे डॉ नितीन मदन कुलकर्णी को कृषि विभाग की जिम्मेवारी सौंपी गई है. मनीष रंजन को एटीआई का निदेशक बनाया गया है. सुनील कुमार को प्रधान सचिव, पथ निर्माण के साथ-साथ प्रधान सचिव, नगर विकास एवं आवास विभाग, प्रबंध निदेशक, जुडको तथा प्रबंध निदेशक, ग्रेटर रांची विकास एजेंसी का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है.

विप्रा भाल प्रधान सचिव

खास बातें

- सुनील कुमार पथ विभाग के प्रधान सचिव बनाए गए
- डॉ अमिताभ कौशल को खाद्य आपूर्ति सचिव बनाया गया

14 आईएएस बदले गए

अफसर का नाम	कहां थे	कहां गए
डॉ नितीन मदन कुलकर्णी	राज्यपाल के प्रधान सचिव	प्रधान सचिव, कृषि, पशुपालन व सहकारिता विभाग
डॉ अमिताभ कौशल	खाद्य आपूर्ति	सचिव, सूचना प्रौद्योगिकी, अप्र- वाणिज्य कर
मनीष रंजन	सचिव, भवन निर्माण	निदेशक, एटीआई
राजेश कुमार शर्मा	सचिव, पेय जल	सचिव, आपदा प्रबंधन
अबु बकर सिद्दीकी	सचिव, कृषि	सचिव वन पर्यावरण
विप्रा भाल	सचिव सूचना प्रौद्योगिकी	राज्यपाल की प्रधान सचिव
अरवा राजकमल	सीएम के सचिव	सचिव, भवन निर्माण, अप्र- एमडी, भवन निर्माण निगम, स्थानिक आयुक्त
अमित कुमार	नगर आयुक्त, रांची नगर निगम	वाणिज्य कर आयुक्त, अप्र- विशेष सचिव, वित्त विभाग
मंजूनाथ भजंत्री	प्रशासक, सुवर्णरेखा परियोजना	मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, जेएसएलपीएस, अप्र- मनरेगा आयुक्त
अमित प्रकाश	विशेष सचिव, श्रम विभाग	उत्पाद आयुक्त, अप्र- एमडी, झारखंड राज्य विवरेजेज कॉरपोरेशन लिमिटेड
संदीप सिंह	सीइओ, जेएसएलपीएस	नगर आयुक्त, रांची नगर निगम, अप्र- उपाध्यक्ष, आरआरडीए
शैलेंद्र कुमार लाल	नगर आयुक्त, हजारीबाग	मिशन निदेशक, झारखंड कौशल विकास मिशन सोसायटी
सुनील कुमार सिंह	उत्पाद आयुक्त	अपर सचिव, श्रम, नियोजन
दीपक कुमार दुबे	डीडीसी गिरिडीह	संयुक्त सचिव, नगर विकास एवं आवास विभाग

छह अफसरों को अतिरिक्त प्रभार

अफसर	वर्तमान पद	अतिरिक्त प्रभार
मस्त राम मीणा	प्रधान सचिव, योजना एवं विकास विभाग	पेयजल, प्रभारी सदस्य, राजस्व पर्षद
सुनील कुमार	प्रधान सचिव, पथ निर्माण	प्रधान सचिव, नगर विकास एवं आवास विभाग, प्रबंध निदेशक, जुडको तथा प्रबंध निदेशक, ग्रेटर रांची विकास एजेंसी
मनोज कुमार	सचिव, महिला बाल विकास	सचिव, उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग
जीतेंद्र कुमार सिंह	सचिव, खान एवं भूतत्व विभाग	जेएसएमडीसी और सचिव उद्योग
उमा शंकर सिंह	प्रभारी सचिव, स्कूली शिक्षा	प्रभारी सचिव, खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले विभाग
अनन्य मित्तल	उपायुक्त, जमशेदपुर	प्रशासक, सुवर्णरेखा परियोजना, जमशेदपुर

पांच अफसरों का पदस्थापन

अफसर	किस विभाग में पदस्थापन
समीरा एस	निदेशक सह सदस्य सचिव, झारखंड राज्य बाल संरक्षण संस्था, अप्र- महानिदेशक, राज्य पोषण मिशन, झारखंड, मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, झारखंड राज्य जलछाजन मिशन तथा निदेशक, सामाजिक सुरक्षा
रवि आनंद	संयुक्त सचिव, कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग
सौरभ कुमार	भुवानिया- संयुक्त सचिव, वित्त विभाग
आलोक कुमार	संयुक्त सचिव, गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग
शताब्दी मजूमदार	अवर सचिव, वित्त विभाग

मोहभंग : केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर जा रहे झारखंड कैडर के आईपीएस अधिकारी

झारखंड में हैं 144 आईपीएस 25 गए केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर

सौरभ सिंह। रांची

झारखंड कैडर के आईपीएस अधिकारियों का राज्य से मोहभंग हो रहा है. इसकी वजह से राज्य के आईपीएस अधिकारी केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर जा रहे हैं. बीते ढाई साल में झारखंड कैडर के नौ से अधिक आईपीएस केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर चले गये. इनमें 2012 से लेकर 2019 बैच के आईपीएस शामिल हैं. हाल तो यह है कि झारखंड के कई आईपीएस, जो अभी किसी जिले में एसपी नहीं बने, वह भी केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर जा रहे हैं. इनमें के विजय शंकर, विनित कुमार, शुभांशु जैन जैसे आईपीएस अधिकारी शामिल है. झारखंड में वर्तमान में आईपीएस की संख्या बढ़कर 144 हो गयी है. इनमें से 17 आईपीएस अधिकारी अंडर ट्रेनिंग हैं, जबकि 25 आईपीएस केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर चले गये हैं.

आईपीएस अधिकारियों की केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर जाने की प्रमुख वजहः

- एक ही अधिकारी के पास एक से ज्यादा विभाग की जिम्मेदारी.
- नियमित तौर पर नियम के तहत ट्रांसफर- पोस्टिंग नहीं होना.
- लंबे समय से शंटिंग में पड़े रहना
- करियर के लिए सेंट्रल डेपुटेशन पर जाना हर आईपीएस अधिकारी के लिए जरूरी
- झारखंड में काम करने का बेहतर माहौल नहीं मिलना.

जानिए...झारखंड कैडर के कौन-कौन आईपीएस अधिकारी केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर चले गए हैं

एसएन प्रधान, अजय भटनागर, एमएस भाटिया, संपत मीणा, नवीन कुमार सिंह, बलजीत सिंह, आशीष बत्रा, साकेत कुमार सिंह, कुलदीप द्विवेदी, अभिषेक, अनूप टी मैथ्यू, राकेश बंसल, अनीश गुप्ता, पी मुरुगन, जया रॉय, शिवानी तिवारी, अखिलेश वॉरियर, अंशुमन कुमार, प्रशांत आनंद, हरिलाल चौहान, प्रियंका मीणा, आर रामकुमार, विनीत कुमार, के विजय शंकर, शुभांशु जैन.

सिटी या रूरल एसपी का नहीं दिया जा रहा कमान

रेगुलर आईपीएस अधिकारी का करियर ग्राफ फिक्स रहता है. लगभग एक डेढ़ साल एएसपी-एसडीपीओ रहने के बाद वो सिटी या रूरल एसपी का प्रभार संभालते हैं और फिर उनको जिला की जिम्मेवारी सौंपी जाती है. लेकिन वर्तमान में झारखंड में यह क्रम टूट गया है. आईपीएस को एसडीपीओ के बाद सिटी या रूरल एसपी का कमान नहीं दिया जा रहा है. उनको जिला का कमान भी नहीं मिल रहा है. इसके अलावा रांची में बेसिक फैसिलिटी का भी अभाव है. नये आईपीएस को घर मिलने से लेकर गाड़ी तक की असुविधा है. इस सब से एक नेगेटिव माहौल है. प्रमोटेड पदाधिकारी लगातार छोटे बड़े हर पोस्ट पर पदस्थापित हैं. एसपीएस के पदाधिकारी बाकी राज्य में पहले एडिशनल एसपी बनते हैं, फिर उन्हें आईपीएस में प्रोन्नति मिलती है. झारखंड में भी कई जिलों में एडिशनल एसपी अभियान का पोस्ट है, लेकिन वो खाली है.

बंगाली समुदाय के हजारों लोगों ने राजधानी रांची में निकाला जुलूस, जताया विरोध

'हिंदुओं को बचाएं...पीएम मोदी करें हस्तक्षेप'

संवाददाता। रांची

बांग्लादेश में रहने वाले एक करोड़ 40 लाख हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में रविवार को बंगाली समुदाय के हजारों लोगों ने अलबर्ट एक्का चौक के सामने विरोध किया. कहा कि बांग्लादेश में रहने वाले हिंदुओं को राजनीति कर वहां से भगाने का साजिश रची जा रही है. हिंदुओं को टारगेट किया जा रहा है, ताकि बांग्लादेश को छोड़कर भारत चले जाएं. बंगाली समुदाय के डॉ शिवालिक मित्रा ने कहा कि बांग्लादेश के अल्प संख्यक हिंदू महिलाओं के साथ गलत कार्य किया जा रहा है. देश के पीएम मोदी बांग्लादेश में रहने वाले हिंदुओं पर हो रहे हमला पर हस्तक्षेप करें ताकि उन्हें सुरक्षा मुहैया करायी जा सके. चंदन रॉय ने कहा कि बांग्लादेश के हिंदुओं का जमीन को लूटा जा रहा है. उनकी दुकानों को ध्वस्त किया जा रहा है. करोड़ों हिंदुओं को जानबूझकर देश छोड़ने के लिए मजबूर किया जा रहा है. आराजा घोष ने कहा, आज शांति तरीके से विरोध कर रहे हैं. जरूरत पड़ी तो विरोध तेज होगा. बांग्लादेश में रहने वाले हिंदुओं को मारा जा रहा है. उनके साथ जानबूझकर अत्याचार किया जा रहा है. विशेष धर्म के लोग हिंदू महिलाओं के साथ रेप कर रहे हैं. उन्हें वहां से देश को छोड़ने के लिए मजबूर किये गया है. अत्याचार को रोकने के लिए बांग्लादेश में हो रहे नियांत होने वाले सभी सामग्री को बंद किया जाए. हिंदू धर्म के लोगों पर हमला हो रहा है. इस हमले पर अंकुश लगाया जाए.

गाजा से प्यार व बांग्लादेश के हिंदुओं से तकरार : अमर

रांची। नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने झामुमो-कांग्रेस और राजद पर निशाना साधा है. ट्वीट कर कहा है कि आखिर कब तक दोहरी नीति चलेगी. उन्होंने सवाल उठाते हुए पूछा है कि बांग्लादेशियों के सबसे बड़े हितैषी झामुमो-कांग्रेस-राजद व उनके नेताओं द्वारा बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार पर किसी ने क्या एक भी पोस्ट देखा है. गाजा से प्यार और बांग्लादेश के अल्पसंख्यक हिंदुओं से तकरार, यही है झामुमो-कांग्रेस-राजद की नीति

मेरे रहते किसी के साथ नहीं हो सकता अन्यायः डॉ इरफान अंसारी

ग्रामीण विकास मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने एक बार फिर भाजपा पर निशाना साधा है. कहा है कि मेरे रहते किसी के साथ अन्याय नहीं हो सकता. जिन लोगों पर बीजेपी बांग्लादेशी घुसपैठिए होने का कलंक लगा रही है, वे हमारे भाई हैं. उन्होंने कहा कि एक समाज पहले से ही गरीबी की मार झेल रहा है, वहीं बीजेपी की गलत नीतियों के कारण वे दोहरी मार झेल रहे हैं. अब सबके साथ न्याय होगा. उनको हक मिलेगा. बीजेपी ने 18 साल तक इनका हक छीनने का काम किया.

सूबे के डॉक्टर 20 अगस्त से करेंगे बायोमीट्रिक अटेंडेंस का बहिष्कार

प्रमुख संवाददाता। रांची

आईएमए (इंडियन मेडिकल एसोसिएशन, झारखंड चैप्टर) और झासा ने 20 अगस्त से बायोमीट्रिक अटेंडेंस के बहिष्कार का निर्णय लिया है. कहा है कि वे बायोमेट्रिक अटेंडेंस के बहिष्कार के बावजूद अपनी ड्यूटी ईमानदारी और निष्ठापूर्वक करेंगे. इस दौरान वे अपना अटेंडेंस रजिस्टर में अंकित करेंगे. लेकिन बायोमेट्रिक अटेंडेंस नहीं बनाएंगे. जब तक सरकार सकारात्मक रुख नहीं दिखाती, हम सबों का विरोध जारी रहेगा. इस मसले को लेकर रविवार को आइएमए झारखंड चैप्टर और झासा की संयुक्त बैठक आइएमए भवन में हुई. बैठक के बाद आईएमए के सचिव डॉ प्रदीप सिंह ने बताया कि चिकित्सकों का संगठन बायोमेट्रिक अटेंडेंस का विरोध नहीं करता. लेकिन वर्तमान में तीन जिलों पलामू, साहिबगंज व गढ़वा में इसे वेतन से जोड़ा गया है. इसी आधार पर वेतनमान में कटौती भी हुई है. विभाग द्वारा इससे संबंधित एक ऑनलाइन पोर्टल लागू किया गया है, जिससे ड्यूटी करने के बाद भी चिकित्सक और पाराकर्मियों को बार-बार स्पष्टीकरण एवं अनुशासनात्मक कार्रवाई का सामना करना पड़ता है. इससे चिकित्सकों में रोष है. विभाग को इससे पहले संगठन के पदाधिकारी के साथ एक बैठक करनी चाहिए थी. बैठक में डॉ ठाकुर मृत्युंजय सिंह, डॉ भारती कश्यप, डॉ प्रभा रानी प्रसाद व अन्य मौजूद रहे.

आईएमए का फैसला : क्या हैं डॉक्टरों की मांगें

- राज्य सरकार समान रूप से राज्य के सभी विभागों के सभी सरकारी कर्मियों के लिए बायोमीट्रिक अटेंडेंस लागू करें.
- ग्रामीण इलाकों में बिजली की वैकल्पिक व्यवस्था, नेटवर्क एवं सर्वर उपलब्ध कराए बिना बायोमीट्रिक अटेंडेंस अनिवार्य ना हो.
- डॉक्टर एवं पारामेडिकल स्टाफ के ड्यूटी आवर व ड्यूटी प्लेस तय नहीं होते. सभी विभिन्न स्तर के स्वास्थ्य संस्थानों में आईपीएस नॉर्म्स के अनुसार, वेकेंट पोस्ट के विरुद्ध बहाली किए बिना बायोमीट्रिक अटेंडेंस से राहत मिले.
- आकस्मिक सेवा देने वाले विभाग में ये सिस्टम लागू नहीं करना चाहिए.

पुलिसकर्मियों को आवंटित हथियारों की जांच की जाए

रांची। झारखंड पुलिस आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुट गयी है. इसी क्रम में झारखंड पुलिस मुख्यालय ने सभी जिलों के एसपी और सभी वाहिनी के कमांडेंट को आवंटित हथियार के रखरखाव और जांच को लेकर आदेश जारी किया है. जारी आदेश में कहा गया है कि आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी को देखते हुए चुनाव ड्यूटी में प्रतिनियुक्त किये जाने वाले पुलिस पदाधिकारी और कर्मियों को आवंटित किये जाने वाले हथियार के रखरखाव और जांच अति आवश्यक है. इसलिए अपने-अपने जिला और इकाई से चुनाव ड्यूटी में प्रतिनियुक्त किये जाने वाले पुलिस पदाधिकारी और बलों को आवंटित हथियार की जांच करना सुनिश्चित करें. साथ ही यह प्रमाण पत्र भी दें कि सभी हथियार कारगर हैं और अच्छे हालात में हैं. सभी जवानों और पदाधिकारी को लक्ष्य का अभ्यास कराना सुनिश्चित करने का आदेश जारी किया गया है.

सीएम हेमंत से मिले कांग्रेस प्रभारी मीर व राजेश ठाकुर

संवाददाता। रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से रविवार कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में झारखंड प्रदेश कांग्रेस प्रभारी गुलाम अहमद मीर एवं झारखंड कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने मुलाकात की. इस अवसर पर मुख्यमंत्री एवं उनके बीच राज्य में संचालित कई विकासात्मक मुद्दों व झारखंड की वर्तमान राजनीतिक स्थिति पर विस्तृत चर्चा हुई.

भाजपा का हर घर तिरंगा कार्यक्रम महज ढोंग : कैलाश यादव

रांची। झारखंड प्रदेश राजद महासचिव सह मीडिया प्रभारी कैलाश यादव ने भाजपा का हर घर तिरंगा झंडा लगाने का कार्यक्रम पर सवाल उठाया है और प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि राष्ट्रीय तिरंगा जैसे पवित्र प्रतीक को भाजपा ने कई बार अपमान करने का काम किया है. विदित हो कि मध्यप्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री रहीं उमा भारती ने तिरंगे पर पैर रखने का काम किया था जिसके बाद मामला न्यायिक हुआ और काफी फजीहत होने के बाद उन्हें सीएम पद से इस्तीफा देना पड़ा था. समय जरूर आगे बढ़ जाता है कि लेकिन पहले के किए आपके कृत्य सबको याद रहते हैं.

आरोप लगाए भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने राज्य सरकार पर निशाना साधा

परीक्षाओं के नाम पर भंडारे का आयोजन : मरांडी

प्रमुख संवाददाता। रांची

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने एक बार फिर हेमंत सरकार पर निशाना साधा है. ट्वीट कर कहा है कि हेमंत सरकार में साप्ताहिक परीक्षा के नाम पर मजाक चल रहा है. ऐसा लगता है कि परीक्षाओं के नाम पर भंडारे का आयोजन किया जा रहा है. कहीं एक ही बेंच पर छह-छह विद्यार्थी बैठकर परीक्षा दे रहे हैं, तो कहीं बरामदे में बिछाई गई दरी में छात्र-छात्राओं का एक झुंड परीक्षा दे रहा है. मूल्यांकन के उद्देश्य से ली जाने वाली इन साप्ताहिक परीक्षाओं से मूल्यांकन छात्रों का तो नहीं, परंतु हेमंत सरकार का जरूर किया जा सकता है कि कैसे हेमंत सरकार छात्रों के भविष्य के साथ खेल रही है.

जेएमएम-कांग्रेस ने राज्य की शिक्षा व्यवस्था को अपना राजनीतिक प्रयोगशाला बनाकर रख दिया : स्कूलों में न तो बैठने की व्यवस्था है, न तो कक्षाओं को संचालित करने के लिए भवन हैं, न तो पठन-पाठन का वातावरण है, और न ही छात्रों के उज्ज्वल भविष्य के लिए सरकार के पास कोई प्लान, ऐसे में झारखंड का भविष्य किधर जाएगा, आप खुद ही अंदाजा लगा सकते हैं. जेएमएम-कांग्रेस ने राज्य की शिक्षा व्यवस्था को अपना राजनीतिक प्रयोगशाला बनाकर रख दिया है. सरकारी स्कूलों में ना तो पर्याप्त शिक्षक हैं, ना ही बच्चों के बैठने के लिए पर्याप्त बेंच डेस्क... परीक्षा के दौरान एक ही बेंच पर 6-6 बच्चों को साथ बिठाकर सरकार छात्रों के भविष्य के साथ मजाक कर रही है. हेमंत सोरेन जी सरकारी स्कूल के बच्चों की पढ़ाई-लिखाई के प्रति थोड़ा गंभीर बनिए और राज्य के सभी विद्यालयों को पर्याप्त संसाधन उपलब्ध कराइए.

खास बातें

- स्कूलों में साप्ताहिक परीक्षा को लेकर भी उठाए सवाल
- सूबे के छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ करने का आरोप

क्लासिफाइड

तापमान
29.0° अधिकतम | 23.4° न्यूनतम

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in रांची, सोमवार 12 अगस्त 2024 ● श्रावण शुक्ल पक्ष 08 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~5~~ ● वर्ष : 2, अंक : 125 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

मनोहरपुर के गोपीपुर बांध टोला गांव में दिल को झकझोर देने वाली घटना सामने आई, मां के सामने बच्ची ने तोड़ा दम

घर में सो रही थी छह माह की बच्ची, कुत्ते ने नोच-नोच कर मार डाला

संवाददाता। रांची/चक्रधरपुर

- बच्ची को घर के एक कमरे में जमीन पर लेटा कर पीछे बरामदे में काम कर रही थी मां

मनोहरपुर थाना क्षेत्र के गोपीपुर बांध टोला से रविवार को दिल को झकझोर देने वाली घटना सामने आई है. यहां एक आवारा कुत्ते ने घर में घुस कर छह माह की बच्ची पर हमला कर दिया और नोच-नोच कर उसे मार डाला. जानकारी के मुताबिक, गोपीपुर बांध टोला निवासी अजय हो की पत्नी बिनीता अपनी छह माह की बेटी रीतिका को कमरे में जमीन पर लेटा कर घर के पीछे स्थित बरामदे में काम कर रही थी.

इसी दौरान एक आवारा कुत्ता घर में घुस गया और कमरे में सो रही बच्ची पर बुरी तरह से नोच डाला. इससे बच्ची गंभीर रूप से जख्मी हो गई और थोड़ी ही देर में ही उसकी मौत हो गई. इस घटना के बाद परिजनों का का रो-रो कर बुरा हाल था. बच्ची की मां रोते-रोते बार-बार बेहोश हो जा रही थी. अपनी आंखों के सामने जिगर के टुकड़े की इतनी दर्दनाक मौत, आखिर एक मां सहन भी कैसे सकती है? वहीं, इस घटना की आसपास के कई गांवों में चर्चा है.

बच्ची को काटते हुए कमरे से बाहर लेकर गया कुत्ता

मृत बच्ची की मां बिनीता ने बताया की घटना के वक्त वह घर के पीछे कुछ काम कर रही थी, तभी एक कुत्ता घर के भीतर घुस गया और सो रही उसकी बच्ची पर हमला कर दिया. कुत्ता इतना हिंसक और आक्रामक था कि वह बच्ची को काटता हुआ घर से बाहर खींच कर ले गया. जब बिनीता की नजर पड़ी, तो वह शोर मचाने लगी. इसके बाद ग्रामीण पहुंचे और कुत्ते को मारने के लिए दौड़ाया, तो कुत्ता भाग गया.

घटना के बाद से आसपास के गांव भर में चर्चा, लोगों में दहशत व्याप्त

इस घटना से गांव के लोगों में कुत्ते के आतंक से फिर से दहशत मच गया है. क्योंकि कुछ दिन पहले मनोहरपुर में कुछ कुत्ते पागल हो गए थे और लगातार लोगों को काट रहे थे. अब एक बार फिर से मनोहरपुर में खूंखार कुत्ते ने एक मासूम बच्ची को मौत के घाट उतार दिया है. इस घटना के बाद गांव के लोग दहशत में हैं. अपने-अपने बच्चों को अपनी आंखों से ओझल नहीं होने दे रहे हैं.

आंकड़ा : झारखंड में हर माह 2300 लोग होते हैं 'डॉग बाइट' के शिकार

राज्य भर में कुत्ते के काटने के आंकड़े में वृद्धि हुई है. स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार, राज्य में हर माह औसतन 2300 से ज्यादा लोग कुत्ता काटने के शिकार हो रहे हैं. वहीं जमशेदपुर जिले की बात करें, तो इस साल कुत्ते के काटने के मामलों में पिछले साल की तुलना में काफी वृद्धि देखी गई है. जनवरी से जून 2024 तक 6,892 लोगों को कुत्तों ने काटा. जिला निगरानी विभाग के अनुसार, इस साल कुत्तों के काटने के मामले में वृद्धि हुई है. वर्ष 2023 में अप्रैल से दिसंबर महीने तक, कुत्ते के काटने के 8,846 मामले सामने आए थे. इसके विपरीत वर्ष 2024 में जनवरी से जून माह के दौरान 6,892 मामले सामने आए.

झारखंड में आवारा कुत्तों के काटने के मामले बढ़े

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने पिछले साल दिसंबर में बताया था कि भारत में कुत्ते के काटने की घटनाओं में साल-दर-साल 26.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है. राज्यसभा में प्रस्तुत एक रिपोर्ट में मंत्रालय की ओर से बताया गया था कि झारखंड, केरल, दिल्ली, असम और चंडीगढ़ में आवारा कुत्तों के काटने के मामलों में साल-दर-साल सबसे अधिक वृद्धि देखी गई है.

ब्रीफ खबरें

रांची में हॉकी झारखंड का ट्रायल 21 अगस्त को

रांची। पंजाब के जालंधर में नौ से 19 सितंबर तक 14वीं हॉकी इंडिया जूनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2024 का आयोजन होना है. इस आयोजन में शामिल होने वाली झारखंड टीम के गठन के लिए हॉकी खिलाड़ियों का चयन ट्रायल 21अगस्त को रांची के मोरहाबादी स्थित मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में होगा. यह ट्रायल सुबह नौ बजे से होना है.

बालूमाथ में दो महिला समेत तीन नदी में बहे

रांची/लातेहार। बालूमाथ थाना क्षेत्र के बिशुनपुर गांव में रविवार की देर शाम बलबल नदी में दो महिला समेत तीन लोगों की बहने की सूचना है. महिलाएं बकरी चरा कर लौट रही थी. नदी में लापता हुए लोगों में किशन देव उरांव का 13 वर्षीय पुत्र विवेक उरांव, मनीजर उरांव की पत्नी बसंती मसोमात और माडो उरांव की पत्नी फूलो मसोमात शामिल हैं. बताया जाता है कि आधा दर्जन से अधिक लोग बलबल गांव से सटे जंगल में बकरी चरा कर देर शाम घर लौट रहे थे. नदी पार करने के क्रम में अचानक बाढ़ आ गयी और सभी लोग फंस गये. इसमें तीन लोग बह गये, जबकि तीन अन्य तैर कर बाहर निकलने में सफल रहे.

किशोरी ने फांसी लगा कर आत्महत्या की

रांची/मांडर। थाना क्षेत्र के कंजिया गांव में रविवार शाम किशोरी ने घर में ही फांसी लगा कर जान दे दी. मृतका की पहचान रानी उरांव के रूप में हुई है. वह अन्ना इंटर कॉलेज में 11वीं की छात्रा थी.बताया जा रहा है कि रानी के परिजन पुराने घर में खाना बना रहे थे, और रानी नये घर में पढ़ाई कर रही थी. खाना बनने के बाद जब मां ने परिवार के सदस्य को रानी को बुलाने के लिए भेजा, तो उसने दरवाजा नहीं खोला. शोर मचाने पर आस पास के लोग भी जमा हो गए. इसके बाद छत का एस्बेस्टस तोड़ कर लोगों ने देखा कि रानी दुपट्टे के सहारे फांसी के फंदे पर झूल रही है.

विधानसभा चुनाव से पहले झारखंड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बदले जाएंगे!

अध्यक्ष पद की दौड़ में एक-दो तीन नहीं...चार-चार दलबदलू

संजय सिंह। रांची

झारखंड में विधानसभा चुनाव सिर पर हैं. भाजपा जोरशोर से चुनावी तैयारी में जुटी है. सत्ता पक्ष में झामुमो भी चुनावी तैयारी में जुटा है. राजद-वाम दल भी सीटों को लेकर दावे पर दावे ठोक रहे हैं. लेकिन इंडिया गठबंधन की प्रमुख घटक कांग्रेस की चुनावी तैयारी का कुछ पता नहीं चल रहा है. कांग्रेस में बयानवीरों को संख्या ज्यादा हो गयी. उधर, सरकार में शामिल कांग्रेस कोटे के मंत्री अपनी डफली अपना राग आलाप रहे हैं. जो मंत्री बने हैं, वे अपनी गोटी फिट करने में जुटे हैं. न संगठन से मतलब, न पार्टी के नेता-कार्यकर्ता से.

राजेश ठाकुर.

हाल ही में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष खरगे ने विधानसभा चुनाव की तैयारी को लेकर दिल्ली में झारखंड कांग्रेस के नेताओं के साथ बैठक की थी. नेताओं की क्लास ली, उन्हें बताया गया था कि झामुमो के गंठबंधन के सहारे कांग्रेस ने दो सीटें खूंटी-लोहरदगा तो जरूर जीत ली, लेकिन समान्य सीटों पर पार्टी हांफ गयी. खरगे ने सामान्य सीटों पर पार्टी का जनाधार बढ़ाने पर फोकस करने को कहा है. चेताया भी है कि काम नहीं करनेवाले नेता नपेंगे. खरगे प्रदेश के नेताओं से वन टू वन मिले. अधिकांश नेताओं ने प्रदेश अध्यक्ष को हटाने की मांग रखी. प्रदेश अध्यक्ष के साथ भी जो नेता गये थे, उन्होंने अध्यक्ष पद के लिए खुद भी दावेदारी ठोक दी. कांग्रेस के अंदरखाने में चुनाव से पहले प्रदेश अध्यक्ष को बदले जाने की चर्चा है. चर्चा है कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष को हटा कर किसी आदिवासी को कमान सौंपी जा सकती है या फिर सामान्य वर्ग से ही किसी को अध्यक्ष बनाया जा सकता है. दोनों पहलू पर मंथन चल रहा है. हालांकि प्रदेश अध्यक्ष के लिए जिन नामों की चर्चा है, उनमें से ज्यादा दलबदलू ही हैं.

डोमिसाइल आंदोलन के लिए चर्चित हैं बंधु तिर्की

झारखंड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए जिन नेताओं के नाम की चर्चा है, उनमें पूर्व मंत्री बंधु तिर्की, सांसद सुखदेव भगत, प्रदीप बलमुचू, विधायक प्रदीप यादव और पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय के नाम शामिल हैं. लेकिन इनमें से चार हाल-फिलहाल (चार-पांच साल) के दलबदलू हैं, जबकि पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय ने भी दलबदल कर ही कांग्रेस का दामन थामा था, लेकिन लंबी अवधि तक कांग्रेस में रह कर पार्टी को सींचा भी है. वहीं तिर्की का हाल के कुछ चार-पांच सालों से ही कांग्रेस से नाता रहा है. कभी अपनी पार्टी बनाई थी, फिर बाबूलाल मरांडी के साथ झाविमो में शामिल हुए. मांडर से जीते भी. बाद में मरांडी ने राह बदली, कमल खिलाने गये, झाविमो का अस्तित्व समाप्त हुआ, तो बंधु ने मोर्चा के अपने साथी प्रदीप यादव संग कांग्रेस का दामन थाम लिया. 2003 में बाहरी-भितरी का नारा बुलंद करनेवाले डोमिसाइल आंदोलन के कारण ज्यादा चर्चा में आये बंधु तिर्की को आय से अधिक संपत्ति मामले में सजा हुई. विधायकी भी चली गई. हाल ही में उनकी बिटिया शिल्पी नेहा तिर्की ने भी बाहरी व बिहारी को लेकर कुछ ऐसा बयान दे दिया, जिससे विवाद बढ़ गया. बंधु अध्यक्ष पद पर काबिज होने के लिए रांची से दिल्ली तक एड़ी-चोटी एक किए हैं. बंधु भले ही आदिवासी नेता होने का दंभ भर लें, लेकिन उनके नेतृत्व में गैर आदिवासी कांग्रेस से जुड़ पाएंगे, इसके आसार कम ही हैं.

बंधु तिर्की.

सहाय को पार्टी के नेता ही असहाय बनाने में लगे हैं

कांग्रेस में एक दिग्गज नेता सुबोधकांत सहाय के नाम की भी अध्यक्ष पद के लिए चर्चा है. जनता पार्टी से 1977 में राजनीतिक करियर शुरू कर हटिया से विधायक बने. 1989 तक लगातार विधायक रहे. 1989 में जनता दल से चुनाव जीते, केंद्र में मंत्री बने.फिर सजपा, झामुमो का सफर तय करते हुए कांग्रेस में शामिल हुए थे. लंबी अवधि तक कांग्रेस में सेवा की. 14 साल के राजनीतिक वनवास के बाद कांग्रेस के टिकट पर 2004 के लोकसभा चुनाव में रांची से विजयी हुए. जीते तो केंद्र में मंत्री भी बनाये गये. दोबारा 2009 का लोकसभा चुनाव भी जीते, फिर से मंत्री बनाये गये. मंत्री बने तो संगठन को मजबूत बनाने के लिए भी लगे रहे. 2014 और 2019 का चुनाव हार गये. 2024 के चुनाव में बिटिया को टिकट दिलाया, लेकिन कामयाबी नहीं मिली. अब संगठन के लिए काम करने को तैयार हैं. प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बनना तो चाहते हैं, लेकिन कांग्रेस के नेता-कार्यकर्ता ही सहाय को असहाय बनाने में जुटे हुए हैं. सुबोधकांत सहाय पार्टी के सीनियर लीडर हैं, उनके सामने दूसरे नेताओं की चलेगी नहीं, तो सब मिलजुल कर उन्हें असहाय बनाने में जुटे हैं.

सुबोधकांत सहाय.

भाजपा, झाविमो से होते हुए कांग्रेस में आये प्रदीप यादव

प्रदीप यादव.

पोड़ैयाहाट से विधायक प्रदीप यादव की कभी भाजपा में खूब चलती थी. भाजपा में बाबूलाल की सरकार में मंत्री भी रहे. बाबूलाल ने भाजपा को बाई-बाई किया, तो यादव जी भी उनके साथ हो लिए. झाविमो बना, तो प्रदीप जी पदाधिकारी बने. झाविमो के टिकट पर विधायक भी बने. लेकिन जब बाबूलाल ने झाविमो को समाप्त कर भाजपा का दामन थामा, तो प्रदीप यादव कांग्रेस में शामिल हो गये. प्रदीप यादव कांग्रेस के टिकट पर लोकसभा चुनाव लड़े, लेकिन हार गये. उनपर एक गंभीर आरोप भी लगा है. केस भी चल रहा है. अब प्रदीप यादव भी ओबीसी कोटा से अध्यक्ष पद हासिल करने के फिराक में लगे हैं.

ठेंगा दिखा टिकट के लिए आजसू में भागे थे बलमुचू

कांग्रेस अध्यक्ष पद की दौड़ में एक और नेता प्रदीप बलमुचू भी हैं. बलमुचू को कांग्रेस पार्टी ने काफी मान-सम्मान दिया था. घाटशिला से विधायक बने, तो प्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष पद सौंपा गया. लंबी अवधि तक युवा कांग्रेस अध्यक्ष, फिर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष रहे. कांग्रेस में खूब चलती थी, मान-सम्मान भी मिलता था. घाटशिला सीट से मोह था. जब कांग्रेस में चलती थी, खुद राज्यसभा सांसद और प्रदेश अध्यक्ष भी थे. बिटिया को घाटशिला से टिकट दिलाया, तो जनता ने धूल चटा दिया. जब राज्यसभा का कार्यकाल समाप्त हुआ, तो फिर से घाटशिला सीट से चुनाव लड़ने के लिए लकलकाईल थे. जिस कांग्रेस ने मान-सम्मान दिया, उसने गंठबंधन के कारण बलमुचू को टिकट नहीं दिया, तो उन्होंने कांग्रेस को ठेंगा दिखा कर आजसू का दामन थामा. चुनाव लड़े, चारो खाने चित्त हुए, काफी भटके, फिर धीरू भाई के सहारे चुप्पे से पार्टी में उपरे-उपरे घुसिया गये. अब फिर से अध्यक्ष पद के लिए लार टपकाइले हैं.

प्रदीप बलमुचू.

कांग्रेस को छोड़ कमल खिलाने गये, लौट कर बु... घर आये

पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को ठेंगा दिखा कर भाजपा में शामिल होनेवाले सुखदेव भगत भी अध्यक्ष पद की दौड़ में शामिल हैं. ब्यूरोक्रेट से राजनीतिज्ञ बने भगत को कांग्रेस ने काफी सुख दिया है. कांग्रेस के टिकट पर विधायक बने, प्रदेश अध्यक्ष भी रहे. लेकिन रघुवर दास जब सीएम थे, तो भाजपा से प्रभावित हो गए. जिस कांग्रेस ने उन्हें मान-सम्मान दिया था, इज्जत बख्शी थी, उसे लात मार कर ठीक 2019 के विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा में शामिल हो गये. भाजपा से टिकट हथियाने में कामयाब तो रहे, लेकिन लोहरदगा की जनता ने उन्हें बेनकाब कर दिया. कांग्रेस के डॉ रामेश्वर उरांव ने उन्हें पराजित कर दिया. भाजपा में दम घुटने लगा, तो कांग्रेस में शामिल होने के लिए छटपटाए लगे. गोड्डपरिया कर कांग्रेस में आ गए, कांग्रेस ने फिर उन्हें सुख दिया. टिकट देकर लोहरदगा से सांसद बनवा दिया, लेकिन अब भगत प्रदेश अध्यक्ष की कुर्सी भी चाहते हैं.

सुखदेव भगत.

हॉस्टल से भाग कर घूमने निकला छात्र नदी में डूबा

संवाददाता। रांची

- एनडीआरएफ ने सुबह से ही चलाया तालाशी अभियान
- नहीं लगा सुराग, दोस्तों के साथ निकला था पीयूष सिंह

स्कूल के हॉस्टल से भाग कर दोस्तों साथ घूमने जा रहा छात्र जुमार नदी में डूब गया. घटना शनिवार देर रात की है. जानकारी के मुताबिक, मनन विद्या स्कूल के चार-पांच छात्र बीती रात हॉस्टल की दीवार फांद कर बाहर घूमने निकले थे. लेकिन स्कूल के पीछे वाले रास्ते से सड़क तक पहुंचने के लिए जुमार नदी पार करनी होती है. नदी पार करने के क्रम में एक छात्र नदी में डूब गया.

पीयूष (फाइल फोटो).

नदी में डूबे छात्र की पहचान बिहार के गया जिले के रहनेवाले पीयूष कुमार सिंह के रूप में हुई है. वह 10वीं कक्षा में पढ़ता था. इधर, घटना की सूचना पर रविवार सुबह एनडीआरएफ की टीम पहुंची और जुमार नदी में तालाशी अभियान चलाया गया. लेकिन, देर शाम तक छात्र का पता नहीं चल सका था. अब सोमवार सुबह को फिर से जुमार नदी में तालाशी अभियान चलाया जाएगा.

हॉस्टल में रहकर पढ़ाई करता था छात्र : सदर डीएसपी संजीव बेसरा ने बताया कि मनन विद्या स्कूल के 10वीं कक्षा के छात्र पीयूष कुमार सिंह हॉस्टल में रह कर पढ़ाई कर रहा था. स्कूल प्रबंधन से बेटे के नदी में डूबने की सूचना पर पिता मंटू सिंह समेत अन्य परिजन भी रांची पहुंच गये थे.

टीपीसी उग्रवादी संगठन के तीन सदस्य बुढ़मू से गिरफ्तार

संवाददाता। रांची

- टीपीसी कमांडर दिवाकर गंझू के दस्ता के सदस्य थे
- चतरा, हजारीबाग और रामगढ़ में काफी सक्रिय थे

चतरा, हजारीबाग और रामगढ़ में टीपीसी कमांडर दिवाकर गंझू उर्फ प्रताप जी के साथ मिल कर कई घटना को अंजाम देने वाले तीन उग्रवादियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है. बुढ़मू थाना क्षेत्र के छापर नदी के पास से तीनों को दबोचा गया. रांची ग्रामीण एसपी सुमित कुमार अग्रवाल ने रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जानकारी दी. गिरफ्तार उग्रवादियों में अजीत सोरेन, आकाश लोहरा और सुमित लहरी शामिल है. तीनों का पुराना आपराधिक इतिहास रहा है.

बालू घाट से पैसा उगाही को लेकर मारपीट में शामिल थे : ग्रामीण एसपी ने बताया कि दामोदर नदी के किनारे बड़कागांव, केरेडरी और बुढ़मू थाना की सीमा पर स्थित छापर बालू घाट पर बीते दिनों पैसे की उगाही को लेकर दो पक्षों में मारपीट हुई थी. इस बीच एसएसपी चंदन सिन्हा को गुप्त सूचना मिली कि इस घटना में शामिल टीपीसी कमांडर दिवाकर गंझू के दस्ता के तीन-चार सक्रिय सदस्य छापर गांव में आए हुए हैं. ये लोग किसी घटना को अंजाम देने का योजना बना रहे थे. पुलिस की टीम ने छापेमारी कर तीन उग्रवादियों को गिरफ्तार किया. इनके पास से लेवी मांगने में प्रयुक्त मोबाइल को जब्त किया गया है.

हजारीबाग, चतरा व रामगढ़ में कई वारदात को अंजाम दिया : गिरफ्तार उग्रवादियों ने बताया है कि मार्च 2024 में बड़कागांव थाना क्षेत्र के कायलंग पतरा बालू यार्ड में दिवाकर गंझू के साथ मिल कर लेवी वसूली के लिए गोलीबारी किये थे. मार्च 2024 में ही बड़कागांव थाना क्षेत्र के गुडूकुवा जंगल में पुलिस पर गोलीबारी की थी. जुलाई 2024 में बड़कागांव थाना क्षेत्र के उरीमारी से तरसवार के बीच सड़क निर्माण कार्य में लगी कंपनी से लेवी वसूलने के लिए गोलीबारी कर काम बंद करा दिया था. इसके अलावा दिवाकर गंझू के साथ मिल कर चतरा जिला के पिपरवार थाना क्षेत्र, हजारीबाग जिला के केरेडारी, बड़कागांव और उरीमारी के अलावा रामगढ़ जिला के पतरातू, भुरकुंडा आदि थाना क्षेत्र में कई घटना को अजाम दे चुके हैं.

पीसीसी अध्यक्ष का सभी जिला अध्यक्ष को निर्देश

विस चुनाव लड़ने के इच्छुक नेताओं का आवेदन जमा करें

विशेष संवाददाता। रांची

- नेताओं की जानकारी 15 दिनों के अंदर जमा करना होगी

आगामी विधानसभा चुनाव लड़ने के इच्छुक नेताओं से प्रदेश कांग्रेस ने उनका आवेदन मांगा है. प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने सभी जिला अध्यक्षों को निर्देश दिया है कि आगामी विधानसभा चुनाव में पार्टी की ओर से उम्मीदवार बनने के इच्छुक सभी नेताओं से आवेदन सहित विस्तृत जानकारी और बायोडाटा प्राप्त कर उसकी सूची प्रदेश कांग्रेस को 15 दिन के अंदर जमा करें.

सरकार के कार्यों को जन-जन तक पहुंचाएं : प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सोनाल शांति ने बताया कि कांग्रेस आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर पंचायत से लेकर राज्य स्तर तक गंभीरता के साथ तैयारी में जुटी हुई है. सभी जिला अध्यक्ष एवं प्रखंड अध्यक्ष को पूर्व में निर्देश दिया जा चुका है कि जनता के हितों के संदर्भ में कांग्रेस के दृष्टिकोण से उन्हें पूरी तरह अवगत कराएं. साथ ही साथ महागठबंधन सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को भी जनता के समक्ष रखें, ताकि भाजपा जनता को किसी भी तरह से भ्रमित न कर सके. शांति ने यह भी कहा कि भाजपा द्वारा फैलाये जा रहे झूठे प्रचार से आम लोगों को सावधान रखने के लिए निरंतर उनसे संवाद स्थापित करते रहना है.

मिलेगी मदद — बीज परिषद की 21 वीं बैठक में कृषि निदेशक ने दिया आश्वासन, हरसंभव मदद करेगी सरकार

बीएयू में जल्द स्थापित होगा सुविधाओं से लैस सीड हेल्थ टेस्टिंग लैब

संवाददाता। रांची

कृषि निदेशक डॉ कुमार ताराचंद ने कहा कि बिरसा कृषि विश्वविद्यालय (बीएयू) एक आधुनिकतम सुविधाओं से युक्त बीज परीक्षण प्रयोगशाला की स्थापना के लिए शीघ्र प्रस्ताव लाएं. राज्य सरकार इसके लिए पर्याप्त राशि मुहैया कराने के साथ हरसंभव मदद देगी. बीज क्रय, वितरण एवं बोआई के पूर्व इस प्रयोगशाला में बीज गुणवत्ता की जांच होने से फसल नुकसान की संभावना न्यूनतम रहेगी.

कृषि महाविद्यालय के प्रेक्षागृह में बीएयू की बीज परिषद की वार्षिक बैठक को संबोधित करते हुए डॉ ताराचंद ने कहा कि झारखंड की 80% आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है. राज्य की दो तिहाई आबादी कृषि कार्यों पर निर्भर है. इसलिए, राज्य के लिए कृषि से ज्यादा महत्वपूर्ण कुछ भी नहीं है. उन्होंने बीएयू में देश के अग्रणी बीज कंपनियों का एक सम्मेलन आयोजित करने पर बल दिया, ताकि राज्य और केंद्र की विभिन्न योजनाओं के तहत निःशुल्क और सब्सिडी पर वितरित किए जाने हेतु गुणवत्तायुक्त बीज की यथासमय उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके.

फसल प्रभेदों की उपयुक्तता का परीक्षण कर सरकार को अनुशंसा उपलब्ध कराएं : कृषि निदेशक ने कहा कि बीएयू को आसपास के राज्यों के लिए अनुशंसित फसल प्रभेदों की उपयुक्तता का अपने यहां परीक्षण कर हर छह-आठ महीने पर राज्य सरकार को अनुशंसा उपलब्ध करानी चाहिए.

इस अवसर पर भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, हजारीबाग के विशेष कार्य पदाधिकारी डॉ विशाल नाथ, बीएयू के अनुसंधान निदेशक डॉ पीके सिंह, प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ जगन्नाथ उरांव तथा डॉ रवि कुमार ने भी अपने सुझाव रखे. डॉ रामप्रसाद मांझी ने धन्यवाद ज्ञापन किया. एनजीओ प्रतिनिधि फादर बिपिन पानी तथा एफपीओ प्रतिनिधि अंजली लकड़ा एवं देवी चरण गोप को सम्मानित किया गया.

बीज परिषद की वार्षिक बैठक में कृषि निदेशक को पौधा देते बीएयू के कुलपति.

24 वर्ष बाद भी आत्मनिर्भर नहीं हो सका झारखंड

अलग राज्य बनने के 24 वर्षों बाद भी झारखंड अपनी खाद्यान्न आवश्यकताओं के मामले में आत्मनिर्भर नहीं हो पाया है. राज्य में स्थित आईसीएआर के संस्थान, बीएयू, राज्य सरकार तथा यहां कार्यरत अग्रणी स्वयंसेवी संगठन बेहतर तालमेल और समन्वय से कार्य करेंगे, तभी झारखंड में कृषि और किसानों के परिदृश्य में अपेक्षित बदलाव हो पाएगा. बीएयू के कुलपति ने कहा कि राज्य में एक सुदृढ़ बीज नीति लागू करने की आवश्यकता है. इसमें उत्पादन से लेकर विपणन और उठाव तक की रणनीतियां और रोड मैप हो.

बीएयू में सीड हेल्थ टेस्टिंग लैब का प्रस्ताव

बीएयू सीड हेल्थ टेस्टिंग लैब की स्थापना का प्रस्ताव शीघ्र सरकार को समर्पित करेगा. नई रिलीज पॉलिसी के तहत अब केवल स्ट्रेस टोलरेंट और पोषक तत्वों से भरपूर बायो फोर्टिफाइड फसल प्रभेदों को ही रिलीज किया जाएगा. बीएयू के बीज एवं प्रक्षेत्र निदेशक डॉ शंभुनाथ कर्मकार ने बताया कि गत वर्ष विभिन्न खरीफ एवं रबी फसलों के कुल 6368 क्विंटल प्रजनक, आधार एवं प्रमाणित/सत्यापित बीज पैदा किये गये. वर्तमान खरीफ एवं आगामी रबी मौसम में सीड हब का क्षेत्र मिलाकर कुल 9312 क्विंटल बीज उत्पादन का लक्ष्य है.

ब्रीफ खबरें

श्री सर्वेश्वरी समूह ने 240 पौधे लगाये

रांची। श्री सर्वेश्वरी समूह की रांची शाखा ने आज कांके के पारचुट्टू गांव में सर्वेश्वरी वृक्षारोपण अभियान 2024 के तहत आम, अमरूद, मोहगनी, सागवान, अर्जुन, शीशम, मौलसरी, दालचीनी के 240 पौधे रोपे और बांटे. स्थानीय ग्रामीण बंधु रोनित रंजन लकड़ा की बाड़ी में 15 पौधे लगाये गये. वहीं प्रदीप उरांव की बाड़ी में 25 पौधों का रोपण किया गया. वृक्षों की कमी से हो रहे दुष्परिणामों के बारे में बताकर सभी को जागरूक किया गया. लगभग 200 पौधों का वितरण किया गया. कार्यक्रम में रोनित रंजन, प्रदीप उरांव, प्रकाश उरांव, अनिल उरांव, नवल किशोर सिंह, सुनील सिंह, समरेन्द्र सिंह, अंजनी सिंह, प्रताप आदित्य नाथ, आशुतोष नाथ, सौरभ राज आदि मौजूद थे.

मेरे रहते किसी के साथ नहीं होगा अन्याय : मंत्री

रांची। ग्रामीण विकास मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने एक बार फिर भाजपा पर निशाना साधा है. कहा है कि मेरे रहते किसी के साथ अन्याय नहीं हो सकता. जिन लोगों पर बीजेपी बंग्लादेशी घुसपैठिया होने का कलंक लगा रही है, वे हमारे भाई हैं. एक समाज पहले से ही गरीबी की मार झेल रहा है, वहीं बीजेपी की गलत नीतियों के कारण वे दोहरी मार झेल रहे हैं. अब सबके साथ न्याय होगा. उनको हक मिलेगा. बीजेपी ने 18 साल तक इनका हक छीनने का काम किया. इन्हें झूठे केस-मुकदमें में फंसाया गया.

लिपिक मोर्चा की हड़ताल आज से

रांची। झारखंड राज्य मुफस्सिल लिपिक मोर्चा 2 सूत्री मांगों को लेकर कल 12 अगस्त 2024 से अनिश्चितकालीन हड़ताल करेगा. प्रदेश महासचिव विकास कुमार सिन्हा ने बताया कि मुफस्सिल क्षेत्र में काम करने वाले शिक्षा सहित सभी विभाग के लिपिक को नियुक्ति तिथि से 2400 ग्रेड पे एवं सभी लिपिक के लिए एक समान सेवा शर्त प्रोन्नति नियमावली को लेकर हड़ताल की जा रही है. उन्होंने कहा कि पूरे राज्य के सभी जिला मुख्यालयों पर सोमवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा.

ट्रैफिक पुलिस ने चलाया अभियान

रांची। रविवार को नो पार्किंग में लगे वाहनों के विरुद्ध ट्रैफिक पुलिस ने अभियान चलाया. इस दौरान जयपाल सिंह स्टेडियम से सुजाता चौक तक नो पर्किंग में लगे वाहनों के विरूद्ध कार्रवाई करते लगभग 30 चार पहिया वाहनों पर नो पार्किंग का पंपलेट चिपकाया गया तथा नो पार्किंग में लगे दो पहिया वाहनों पर मोटरयान अधिनियम के तहत विधिसम्मत फाइन किया गया. ट्रैफिक पुलिस पाधीक्षक-द्वितीय शिव प्रकाश कुमार के नेतृत्व में कि गई कार्रवाई के दौरान लालपुर थाना, यातायात पुलिस पदाधिकारियों एवं पुलिसकर्मी शामिल थे.

होली ट्रेनिटी चर्च में मना विश्व आदिवासी दिवस

रांची। कडरू स्थित होली ट्रेनिटी चर्च मे रविवार को विश्व आदिवासी दिवस मनाया गया. कार्यक्रम की शुरूआत परमेश्वर आराधना से की गई.पुरोहित रेव्ह केएम फिलिप ने मंडली को विश्व आदिवासी दिवस के बारे मे चर्चा की. रेव्ह सिकंदर नाग ने कहा कि आदिवासी समाज शुरू से प्रकृति की गोद मे रहता है. मौके पर पुरोहित सामुएल नाग, परिस सचिव प्रवीण तिर्की,एन किरण कुजूर,नोवेल कच्छप,हेमंत टोपनो समेत अन्य शामिल थे.

निकम्मी सरकार से निजात दिलाने के संवाहक बनें विस्तारक कार्यकर्ता: बाबूलाल

प्रमुख संवाददाता। रांची

भाजपा प्रदेश कार्यालय में रविवार को विधानसभा विस्तारक प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन किया गया. 8 सत्रों में आयोजित इस प्रशिक्षण वर्ग में पार्टी की सैद्धांतिक विचारधारा, इतिहास विकास,चुनाव प्रबंधन सहित सोशल मीडिया जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई. प्रशिक्षण वर्ग के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि भाजपा विचारधारा और कार्यकर्ता आधारित राजनीतिक पार्टी है. जिसका उद्देश्य भारत को परम वैभव को शिखर पर पहुंचना. पार्टी कार्यकर्ता इन उद्देश्यों की पूर्ति के लिए लगातार कार्य करते हैं. अंत्योदय और एकात्म मानव दर्शन और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की परिधि में भाजपा के लिए सत्ता साध्य नहीं बल्कि मां भारती को विश्व गुरु बनाने का साधन है. भाजपा आज केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नीतियों और कार्यक्रमों को तेजी से धरातल पर उतार रही है. तीसरी बार मोदी सरकार बनाकर जनता ने पार्टी की नीतियों और कार्यक्रमों को सराहा है.

विधानसभा विस्तारक प्रशिक्षण वर्ग को संबोधित करते प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी.

राज्य में ठगबंधन सरकार के खिलाफ आक्रोश है : मरांडी ने कहा कि प्रदेश में भी चुनाव सिर पर है. राज्य में ठगबंधन सरकार के खिलाफ आक्रोश है. जनता भाजपा नेतृत्व की डबल इंजन सरकार बनाने के संकल्पित है. लोकसभा चुनाव परिणाम इसका स्पष्ट संकेत देता है. भाजपा की सरकार ने श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेई के नेतृत्व में अलग झारखंड राज्य का निर्माण कराया. हमें विकसित झारखंड के संकल्प को पूरा करना है.

विस्तारक की भूमिका नींव की पत्थर की तरह : नागेंद्र त्रिपाठी

क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नागेंद्र त्रिपाठी ने कहा कि विस्तारक की भूमिका नींव की पत्थर की तरह है. मंच,माला,माइक से दूर रहकर पार्टी की नीतियों,कार्यक्रमों,योजनाओं को गति देना ही विस्तारकों की पहचान होनी चाहिए. प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कहा कि संगठन की मजबूती में बूथ ही केंद्र बिंदु है. बूथ जीतो चुनाव जीतो के संकल्प को हमें कार्यों में उतारकर अपने लक्ष्य को पूरा करना है. प्रदेश महामंत्री और सांसद डॉ प्रदीप वर्मा ने भाजपा के इतिहास विकास,केंद्रीय टोली सदस्य मनोज सिंह ने भाजपा की पंच निष्ठा व विचारधारा, सह मीडिया प्रभारी योगेंद्र प्रताप सिंह ने केंद्र सरकार की उपलब्धियां, राहुल अवस्थी और विवेक विकास ने सोशल मीडिया व आईटी विषय पर अपने विचार रखे.

डबल इंजन की सरकार बनाने के लिए चुनाव प्रबंधन महत्वपूर्ण : अमर बाउरी

समापन सत्र को संबोधित करते हुए नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने कहा कि आगामी चुनाव में डबल इंजन की सरकार बनाने के लिए चुनाव प्रबंधन भी महत्वपूर्ण है. विस्तारक गण अपने-अपने क्षेत्रों में प्रबंधन कार्यों को सुचारू रूप से संचालन में अपनी बड़ी भूमिका निभायेंगे. विस्तारक को उत्प्रेरक की भूमिका में कार्यों को गति देनी है.

पंचायती राज संगठन के शिविर का समापन, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बोले

पंचायती राज की अवधारणा है 'विकसित भारत' की सोच

संवाददाता। रांची

झारखंड प्रदेश राजीव गांधी पंचायती राज संगठन के दो दिवसीय शिविर का समापन रविवार को हुआ. समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश कांग्रेस प्रभारी गुलाम अहमद मीर तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर शामिल हुए. शिविर की अध्यक्षता राजीव गांधी पंचायती राज संगठन के अध्यक्ष सुनीत शर्मा ने की. इस अवसर पर गुलाम अहमद मीर ने कहा कि पंचायती राज की अवधारणा कांग्रेस ने एक विकसित भारत की सोच के तहत रखी थी, जो आज वैश्विक स्तर पर भारत की पहचान बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है.

भारत के लोकतंत्र की नींव पंचायत से ही शुरू होती है : भारत के लोकतंत्र की नींव पंचायत से ही शुरू होती है जो संसदीय स्तर तक चलती है. जिला और पंचायत तक विकास कार्यों को पहुंचाने के लिए स्थानीय स्वशासन की परिकल्पना की गयी थी ताकि ग्रामीण समुदायों को सशक्त बनाकर देश के विकास में उन्हें भागीदार बनाया जा सके. इस स्थानीय स्वशासन प्रणाली के जरिए ग्रामीणों को स्थानीय स्तर पर ही निर्णय लेने की व्यवस्था शुरू की गयी जो आज भी कायम है और पूरे विश्व के सामने एक उदाहरण के रूप में स्थापित है.

राजीव गांधी पंचायती राज संगठन के दो दिवसीय शिविर के समापन अवसर पर मौजूद कांग्रेस नेता.

राजीव गांधी पंचायत को सशक्त बनाने के लिए हमेशा प्रयत्नशीलशील रहे

इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि जनता का विकास उनके हाथों में ही हो ऐसा कांग्रेस का मानना है और इसी सोच के तहत कांग्रेस ने लोगों को सुशासन का अधिकार देने के लिए पंचायती राज को मूर्त रूप दिया था. भारत के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी पंचायत को सशक्त बनाने के लिए हमेशा प्रयत्नशीलशील रहे थे, उनकी धारणा थी कि मजबूत गांव ही एक मजबूत देश की पहचान होता है और इसके लिए गांव को स्वावलंबी बनाना होगा,पंचायत को अधिकार देने होंगे.

1959 में पंचायती राज व्यवस्था की शुरुआत हुई

1959 में पंचायती राज व्यवस्था की शुरुआत हुई थी और राजीव जी के सपनों के अनुसार इसे अधिक सशक्त बनाने के लिए इसके कार्यकाल, कार्य और जिम्मेवारियों को स्पष्ट रूप से परिभाषित करते हुए संविधान के 73 वें संशोधन के द्वारा 1993 में पंचायती राज को संवैधानिक दर्जा दिया गया. कार्यक्रम में मुख्य रूप से कुणाल बनर्जी, डॉ अमित झा, सुभाष नाग,अंजनी रंजन,शांतनु मिश्रा, अनमोल तिर्की,जॉनसन मिंज, संदीप गुप्ता,नूतन एक्का सहित कई लोगों ने भाग लिया.

स्कूलों के बीच स्वस्थ एवं पारदर्शी प्रतियोगिता तथा शिक्षा में गुणवत्ता लाने की पहल

सरकारी स्कूलों में शिक्षा का स्तर होगा बेहतर, हर महीने जारी होगा स्कोर कार्ड

- स्कूलों को स्कोर के आधार पर मिलेगा गोल्ड, सिल्वर और ब्रांज सर्टिफिकेट

संवाददाता। रांची

राज्य के सभी सरकारी स्कूलों में स्वस्थ एवं पारदर्शी प्रतियोगिता की भावना विकसित करने तथा बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए सरकारी स्कूलों का हर माह स्कोर कार्ड जारी होगा. झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद ने प्रोजेक्ट इंपैक्ट के तहत स्कूलों में लागू किए जानेवाले इस कार्यक्रम का अंतिम प्रारूप तैयार कर लिया है. प्रथम चरण में इस माह के अंतिम सप्ताह में राज्य के सभी 80 मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालयों और 325 प्रखंडस्तरीय आदर्श विद्यालयों का स्कोर कार्ड जारी होगा. इसके बाद इसे सभी स्कूलों में लागू किया जाएगा.

इसके तहत स्कूलों में बच्चों के रिपोर्ट कार्ड की तर्ज पर अब स्कूल का रिपोर्ट कार्ड भी बनेगा. प्रत्येक स्कूल का विभिन्न मानकों के आधार पर स्वयं को दो हजार अंकों में मूल्यांकित करना होगा. सभी स्कूलों के लिए क्लस्टर बनाकर नोडल पदाधिकारी भी नियुक्त किए गए है. इन पदाधिकारियों को संबंधित स्कूल के स्कोर कार्ड और मूल्यांकन का जमीनी अनुश्रवण करना है. पदाधिकारी यह देखेंगे कि स्कूल द्वारा किया गया मूल्यांकन सटीक है या उसमें कुछ त्रुटियां है. स्कूल स्कोर कार्ड और विद्यालय के अनुश्रवण के बाद थर्ड पार्टी मूल्यांकन होगा. यह प्रक्रिया हर माह दोहराई जाएगी. स्कूलों का स्कोर कार्ड सार्वजनिक होगा.

तीन श्रेणी में बांटे गए स्कूल

दो हजार अंको के स्कोर कार्ड के आधार पर सरकारी स्कूलों को तीन श्रेणियों में बांटा गया है. इन तीन श्रेणियों में स्कूलों का सर्टिफिकेशन होगा. स्कूलों को गोल्ड, ब्रांज़, सिल्वर सर्टिफिकेट मिलेगा. 1800 या उससे अधिक अंक हासिल करने वाले स्कूलों को गोल्ड सर्टिफिकेट मिलेगा. स्कोर कार्ड प्रमाणित होने के बाद बेहतर प्रदर्शन करने वाले स्कूलों को ना केवल सर्टिफाइड किया जाएगा बल्कि उन्हें प्रोत्साहित एवं पुरस्कृत भी किया जाएगा. स्कूलों को अनुदान राशि के अलावा तमाम सुविधाओं में प्राथमिकता दी जाएगी, जिससे वे और बेहतर प्रदर्शन कर सकें.

इन मानकों पर होगा स्कूलों का मूल्यांकन

सरकारी स्कूलों के मूल्यांकन में क्लास असेसमेंट, शिक्षकों की मौजूदगी, बच्चों के आगमन और स्वागत, आदर्श प्रात:कालीन सभाएं, कक्षा में बच्चों की उपस्थिति, रेल परीक्षाओं के आकलन, पाठ्येत्तर गतिविधियां, विद्यालय में स्वच्छता, दीवार लेखन एवं रंग रोगन, हरा भरा कैंपस, ईको क्लब, खेल इंफ्रास्ट्रक्चर, आधारभूत संरचना आदि को देखा जाएगा.

रिम्स में जेडीए ने निकाला कैंडल मार्च

कोलकाता में जूनियर डॉक्टर से रेप व हत्या की आंच यहां भी

रिम्स में जेडीए की ओर से निकाले गए कैंडल मार्च में शामिल चिकित्सक.

संवाददाता। रांची

कोलकाता के आरजीकेएमसीएच की जूनियर महिला डॉक्टर की रेप के बाद बेरहमी से हत्या कर दी गई थी. घटना के बाद पूरे देश में इस हत्याकांड का विरोध करते हुए लोग आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं. इसी कड़ी में रविवार को रिम्स के जूनियर डॉक्टर एसोसिएशन (जेडीए) ने पीड़िता की स्मृति का सम्मान करने और उसके परिवार के प्रति समर्थन और एकजुटता दर्शाने के लिए राजेंद्र पार्क से ट्रॉमा सेंटर तक कैंडल मार्च निकाला. जेडीए ने कहा कि सुरक्षा में कमी के कारण अस्पताल में ऐसी दुर्भाग्यपूर्ण घटना हुई. जेडीए ने कोलकाता पुलिस विभाग से भी मांग की कि वह बिना देरी किए मृतका के परिजनों के लिए न्याय सुनिश्चित करे. कैंडल मार्च डॉ. अंकित कुमार जेडीए अध्यक्ष, डॉ. ओम प्रकाश, सचिव जेडीए, डॉ. अभिषेक हंसदक, जेडीए उपाध्यक्ष, डॉ. सुरभि, जेडीए ऑर्गेनाइजिंग विंग मीडिया प्रवक्ता, डॉ. कुमारी कृति आदि शामिल रहे.

ईस्ट जोन खेलो इंडिया विमेंस ट्रैक साइकिलिंग लीग का हुआ समापन

खेल संवाददाता। रांची

खेल गांव के वेलोड्रम स्टेडियम में दो दिवसीय साइकिलिंग विमेंस ट्रैक ईस्ट जोन प्रतियोगिता का समापन रविवार को हुआ. प्रतियोगिता में झारखंड, 4 गोल्ड,8 सिल्वर, 11 ब्रॉन्ज जीतकर 66 अंकों के साथ ओवरऑल चैंपियन बना. जबकि 37 अंकों के साथ ओडिशा द्वितीय स्थान और 27 अंकों के साथ असम तृतीय स्थान पर रहा. उक्त प्रतियोगिता में समापन समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में पलामू के पूर्व सांसद बृजमोहन राम और विशिष्ट अतिथि रूप में जिला शिक्षा अधीक्षक रांची बादल राज व जिला खेल पदाधिकारी रांची शिवेंद्र कुमार सिंह मौजूद थे. सभी अतिथियों ने दो दिवसीय प्रतियोगिता में पदक विजेता खिलाड़ियों को बारी-बारी से पदक व अंग वस्त्र देखकर सम्मानित किया. इस प्रतियोगिता में पूर्वी जोन ईस्ट जोन बंगाल, ओडिशा, अरुणाचल प्रदेश और असम बिहार, उत्तर प्रदेश आदि राज्यों की महिला खिलाड़ियों ने भाग लिया.

विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित करते अथिति.

मौके पर झारखंड साइकिलिंग संघ के महासचिव शैलेंद्र पाठक सहित खेलो इंडिया, कारण सदवानी (खेलो इंडिया बिहार झारखंड प्रभारी) सुरेंदर प्रसाद वरीय, प्रशिक्षक साइ, प्रवीण कुमार, प्रतियोगिता को सफल बनाने में तकनीकी रूप से जोन के इंचार्ज अभिजीत सेठ, झारखंड साइकिलिंग संघ उपाध्यक्ष सुजीत कुमार, झारखंड साइकिलिंग संघ के कोषाध्यक्ष रणवीर सिंह,चन्द्रवाहादूर सिंह, राजकुमार मेहता जितेन्द्र महतो, नरेश कुमार महतो, शिवशंकर यादव, दिलिप कुमार गुप्ता, पंकज अग्रवाल, प्रोनोति रानी दास, जेएसएसपीएस मुख्य कोच राम कुमार भट्ट, प्रथम शर्मा आदि मौजूद थे.

अल्पसंख्यकों को हाशिए पर धकेल दिया गया है : गुलाम

संवाददाता। रांची

शिक्षा, राजनीति, रोजगार और आर्थिक क्षेत्र में मुस्लिम अल्पसंख्यकों को हाशिए पर धकेल दिया गया है. लेकिन मुस्लिम समुदाय शांत है. जबकि मुसलमानों को एकजुट और मजबूत कदम उठाने की जरूरत है.

रविवार को रांची के प्रेस क्लब में आयोजित विशेष प्रांतीय बैठक में कौमी इत्तेहाद मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पूर्व सांसद मौलाना गुलाम रसुल बलयावी ने कहा. उन्होंने कहा, मुसलमानों को मायूस होने की जरूरत नहीं है. मज़हब की बुनियाद पर यह देश न चला है न चलेगा. खुद बनने के चक्कर में हम किसी को बनने नहीं देते. मुसलमानों को अंदर से यह सोच निकालने की जरूरत है. कार्यक्रम का संचालन युवा समाजसेवी एस अली ने किया. इस बैठक का आयोजन हाजी अफसर कुरैशी ने किया. इसमें विभिन्न राजनीतिक पार्टियों से जुड़े लोग मौजूद थे. इस परिचर्चा में निर्णय लिया गया की कौमी इत्तेहाद मोर्चा पूरे झारखंड में हिस्सेदारी यात्रा शुरू करेगा. इसको लेकर एक स्टेंडिंग कमेटी बनाई गई. यह कमेटी एक सप्ताह के अंदर रूट मैप तैयार करने का कार्य करेगी. इस कमेटी में हाजी अफसर कुरैशी, जियाउल हक टार्जन, मुमताज अहमद खान, अब्दुस सुभान आदि का नाम शामिल है. परिचर्चा में मौलाना गुलाम रसूल बलियावी, हाजी अफसर कुरैशी, मौलाना अब्दुल मोबीन रिजवी गिरिडीह, मुमताज अहमद खान,नाजिर अनसारी मांडू,एखलाक अनसारी, इरफान अहमद काजु, मौलाना अब्दुल्लाह रिजवी बिहार, मो सऊद रांची, डॉक्टर शमशेर राही, मो दानिश, मोहिबुल्लाह आदि उपस्थित थे.

पहल स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने जैक को दिया लागू करने का आदेश

10वीं और 12वीं के बच्चे पढ़ेंगे एनसीईआरटी सिलेबस

संवाददाता। रांची

वर्ष 2025 की दसवीं और 12वीं की परीक्षा में एनसीईआरटी के अपडेट सिलेबस से प्रश्न पूछे जाएंगे. स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने एनसीईआरटी के अपडेट सिलेबस के आधार पर पहली बार नौवीं से 12वीं कक्षा के लिए सिलेबस तैयार कराया है. विभाग ने झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) को शैक्षणिक सत्र 2024-25 से ही इसे लागू करने का आदेश दिया है। अभी तक जैक एनसीईआरी की पुस्तकों से ही दसवीं एवं 12वीं का प्रश्नपत्र तैयार करता था. विभाग द्वारा पहली बार उसे सिलेबस तैयार कर उपलब्ध कराया गया है. दूसरी तरफ, एनसीईआरटी ने पिछले वर्ष ही अपने सिलेबस को अपडेट किया था, लेकिन जैक द्वारा वर्ष 2024 की दसवीं एवं 12की परीक्षा पुराने सिलेबस से ही लिया था. अब स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के प्रभारी सचिव उमाशंकर सिंह ने जैक को अपडेट सिलेबस भेजते हुए कहा है कि झारखंड शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (जेसीईआरटी) ने छात्रों की शैक्षणिक आवश्यकता और प्रासंगिकता को बेहतर ढंग से समझते हुए एनसीईआरटी/सीबीएसई के मौजूदा सिलेबस की गहन समीक्षा कर उसमें मामूली संशोधन तथा अद्यतन किया है.

तो यहां लागू होगा सीबीएसई का सिलेबस

जिन विषयों या टॉपिक का एनसीईआटी का सिलेबस उपलब्ध नहीं है, उनमें सीबीएसई का सिलेबस लागू किया गया है. जैक को भेजे गए पत्र में इसका स्पष्ट उल्लेख कर दिया गया है कि किस विषय का सिलेबस कहां से लिया गया है. जिन विषयों का पाठ्यक्रम अभी तक तैयार नहीं हुआ है, उनके पाठ्यक्रम को वैसे ही रखा गया है. शिक्षकों और छात्रों का मार्गदर्शन करने के लिए नए पाठ्यक्रम के साथ संरेखित प्रश्नों के प्रकारों का एक व्यापक सेट तैयार करने को कहा है. साथ ही परीक्षाओं में मानकीकरण सुनिश्चित करने के लिए माडल प्रश्न पत्र तैयार कर प्रकाशित करने को कहा है.

आदिवासी जमीन की लूट के खिलाफ आदिवासी घेरेंगे डीसी कार्यालय

रांची। करम टोली चौक स्थित केंद्रीय धुमकुड़िया भवन में आदिवासी जमीन बचाओ अभियान के तहत विभिन्न आदिवासी संगठनों की बैठक हुई. इसकी अध्यक्षता करते हुए केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष फूलचंद तिर्की ने कहा कि राज्य के हजारों आदिवासी 30 अगस्त को उपायुक्त कार्यालय का घेराव करेंगे. वक्ताओं ने कहा कि आदिवासी खतियान को गैर आदिवासी बनाकर अवैध रूप से खरीद बिक्री की जा रही है. सादा पट्टा के बल पर आदिवासियों की जमीन लूटा जा रहा है, एसएआर कोर्ट द्वारा गलत कम्पन्सेशन कर आदिवासियों की जमीन को गैर आदिवासियों को हस्तांतरित किया जा रहा है. एनआईसी द्वारा ऑनलाइन में गड़बड़ी की जा रही है.

शेयर प्राइस शॉप डीलर्स एसोसिएशन की बैठक

चार सूत्री मांगों पर झारखंड सरकार को दिया अल्टीमेटम

- बैठक में शामिल हुए राज्य भर के राशन डीलर

संवाददाता। रांची

शेयर प्राइस शॉप डीलर एसोसिएशन झारखंड के बैनर तले राजधानी रांची के डोरंडा स्थित शिशु भवन में सभी राशन डीलरों ने बैठक की. अपनी चार सूत्री मांगों को लेकर सभी डीलरों ने एकजुट रहने का फैसला लिया है. राशन डीलरों का कहना है कि अगर एक माह के अंदर सर्वर की व्यवस्था में सुधार के साथ 4G की मशीन नहीं लगवाई जाती है और डीलरों के कमीशन के भुगतान को नियमित नहीं किया जाता है, तो दुकान बंद करने की बाध्यता हो जाएगी.

मुख्यमंत्री का आश्वासन

वही राशन डीलरों ने कहा है कि मुख्यमंत्री ने स्पष्ट आश्वासन दिया था कि अनुकंपा को पूर्व के भांति ही लागू किया जाएगा. कमिशन को दोगुना किया जाएगा. 4G ई पोश मशीन लगाई जाएगी. लेकिन यह अब तक संभव नहीं हुआ, जिसकी वजह से राशन डीलर अब भुखमरी के कगार पर है. बैठक में यह भी स्पष्ट रूप से मांग की गई है कि राज्य सरकार अपने सिस्टम को ठीक करें और समय पर अच्छे खाद्यान्नों की आपूर्ति शुद्ध वजन के साथ प्रतिमा कमीशन के साथ भुगतान को सुनिश्चित करें.

श्रद्धा-भक्ति : श्रीजीण माता परिवार ने धूमधाम से मनाया सिंधारा महोत्सव, महाभिषेक से प्रारंभ हुआ कार्यक्रम

'सावन की रुत है आजा मां, हम झूला तुझे झुलायेंगे' पर झूमे श्रद्धालु

संवाददाता । रांची

अग्रसेन भवन में रविवार को श्रीजीण माता परिवार की ओर से मंगला पाठ और सिंधारा महोत्सव धूमधाम से मनाया गया. दिन के दस बजे कार्यक्रम की शुरुआत माता के महाभिषेक से हुई. मुख्य यजमान प्रदीप सिंघानिया ने सपत्नीक माता का अभिषेक-पूजन किया. इनके बाद अन्य श्रद्धालुओं ने भी अभिषेक कर अपने इष्ट के श्रीचरणों में श्रद्धा का पुष्प चढ़ाया.अखंड ज्योत प्रज्जवलित की गयी. फिर शुरू हुआ मंगला पाठ और भजन-संकीर्तन का सिलसिला देर शाम तक चला. इस दौरान कोलकाता से आए पाठ वाचक बालकिशन और विनोद शर्मा के सान्निध्य में 351 महिलाओं ने राजस्थानी पारंपरिक वेशभूषा में मंगला पाठ कर भक्ति की अविरल धारा बहायी. श्रीजीण माता के जीवन गाथा का सुंदर चित्रण किया. माता को झूला झुलाने को तांता लगा रहा. जयकारो के साथ वातावरण सावन की रुत है आजा मां, हम झूला तुझे झुलायेंगे ... जैसे मधुर भजनो से गुंजायमान रहा. देर शाम महाआरती के साथ महोत्सव संपन्न हुआ. इसमें बड़ी संख्या में स्थानिय सहित पुरुलिया और जमशेदपुर से आए भक्तों ने भी हिस्सा लिया.

जीण भवानी को 121 पीट की चुनरी भी उढ़ाई : वैसे तो मंगला पाठ और भजन रस धारा का श्रद्धालुओं ने जमकर रसास्वादन किया ही, लेकिन माता का जन्मोत्सव, मेहंदी, चुनरी और गजरा महोत्सव का अलग ही आकर्षण रहा. भक्तो ने छप्पन भोग लगाया, जीण भवानी को 121 पीट की चुनरी भी उढ़ाई. सुभाष अग्रवाल, विक्रम खेतावत्, प्रदीप पटवारी, विकास शिवरामका, मनीष पालीवाल आदि ने मुख्य योगदान दिया.

मारवाड़ी ब्राह्मण सभा ने मनाया सावन सिंधारा महोत्सव

रांची। मारवाड़ी ब्राह्मण सभा की ओर से रविवार को धूमधाम से सावन सिंधारा महोत्सव मनाया गया. इसमें समाज की बड़ी संख्या में महिलाओं के साथ राज्य सभा सांसद महुआ माजी ने भी खास तौर से भागीदारी निभायी. मारवाड़ी ब्राह्मण भवन में दिन के तीन बजे बतौर मुख्य अतिथि माजी ने दीप प्रज्जवलित कर उद्घाटन किया. सभा के पदाधिकारियों ने मोमेंटो और पुष्प गुच्छ देकर अतिथि का स्वागत किया. इसके बाद शुरू हुआ गीत-नृत्य और मान-मनुहार के साथ मौज-मस्ती का सिलसिला देर शाम तक चला. हरे पारंपरिक परिधानो में सजी-धजी महिलाओं ने विविध प्रतियोगिताओं में भी बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया. चंद्रलता, जैस्मिन ज्योति, सुधा शर्मा और नेहा पटवारी ने जज की भूमिका अदा की. संयोजक कमल शर्मा कल्लू, सुनील शर्मा जी मुन्ना,पिंकी शर्मा, तनूजा शर्मा, अंजू शर्मा, सुनिता शर्मा,अन्नू शर्मा, अनिता शर्मा, ममता शर्मा, बीना शर्मा, प्रभा शर्मा, सुनिता शर्मा, पायल शर्मा आदि ने इसके सफल संचालन में मुख्य योगदान दिया.

न्यूज अपडेट

मेगा ब्लड डोनेशन कैंप में 10 यूनिट रक्त संग्रह

रांची। कांके के मिल्लत कॉलोनी, मरकज़ी मस्जिद परिसर में रविवार को मेगा ब्लड डोनेशन कैम्प का सफल आयोजन किया गया. यह कैंप सेवा सदन ब्लड बैंक के सहयोग से लगाया गया, जिसमें मुख्य रूप से ब्लड बैंक के इंचार्ज मोहसिन खान और उनके सहयोगी शामिल रहें. कैंप सुबह 10:00 बजे से शाम 3:00 बजे तक आयोजित किया गया था. जिसमें 10 यूनिट ब्लड का कलेक्शन हुआ. ये कैंप स्व. मजहरुल हक की याद में आयोजित किया गया. ब्लड डोनेशन करने वालों में अनवर उल हक, इंतजह उल हक, मोहम्मद मकबूल अहमद, मोहम्मद इमरान, मोहम्मद आरिफ, मोहम्मद अली, मोहम्मद हसन, तारिक वाजी और उज़ैर अहमद शामिल थे. डोनर्स को सेवा सदन ब्लड बैंक की तरफ से सर्टिफिकेट और मोमेंटो प्रदान किया गया. कार्यक्रम में तोहिद आलम और एहसान उल हक की महत्वपूर्ण भूमिका रही.

लायंस क्लब ऑफ रांची ग्लोबल ने लगाए 101 पौधे

रांची। पर्यावरण संरक्षण और हरियाली के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को निभाते हुए लायंस क्लब ऑफ रांची ग्लोबल ने रविवार को पहाड़ी मंदिर में एक व्यापक पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया. इस कार्यक्रम के तहत मंदिर परिसर और उसके आस-पास के क्षेत्रों में 101 पौधे लगाए गए. लायंस क्लब ऑफ रांची ग्लोबल के संस्थापक अध्यक्ष लायन शैलेश अग्रवाल एवं वर्त्तमान अध्यक्ष लायन अमित शर्मा ने संयुक्त रूप से इस अवसर पर कहा पेड़ हमारे जीवन का आधार हैं. इस पौधारोपण कार्यक्रम का उद्देश्य न केवल पर्यावरण को हरा-भरा बनाना है. इस कार्यक्रम में क्लब के सदस्यों के साथ-साथ स्थानीय लोगों और विभिन्न सामाजिक संगठनों ने भी भाग लिया.

राज्य संग्रहालय में आजादी का उत्सव कार्यक्रम की शुरुआत

रांची। झारखंड सांस्कृतिक कार्य निदेशालय के द्वारा हर घर तिरंगा 2024 कार्यक्रम के अंतर्गत राज्य संग्रहालय होटवार के प्रेक्षागृह में आजादी का उत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया. 11 से 14 अगस्त तक आयोजित चार दिवसीय आजादी का उत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत नाट्य, लोकगीत नृत्य एवं शास्त्रीय गीत नृत्य की प्रस्तुति की जानी है. निदेशालय के द्वारा आयोजित नाट्य प्रतियोगिता में रविवार को पाचं प्रतिभागी नाट्य कला दलों के द्वारा प्रस्तुतियां की गई. सभी ने अपनी प्रस्तुति से लोगो को मंत्रमुग्ध कर दिया. आयोजन के अंतर्गत झारखंड कला मंदिर होटवार में प्रशिक्षणरत शास्त्रीय गीत संगीत, नागपुरी लोकगीत , मांदर वादन, एवं मुंडारी लोकगीत नृत्य के विद्यार्थियों के द्वारा प्रस्तुतियां दी गई.

सरला बिरला और आर्यभट्ट ज्ञान विवि ने किया एमओयू

रांची। सरला बिरला विवि और आर्यभट्ट ज्ञान विवि पटना के बीच एक एमओयू हुआ है. एमओयू पर एसबीयू के डायरेक्टर जनरल गोपाल पाठक और एकेयू पटना के कुलपति शरद यादव ने दस्तखत किये. एमओयू में दोनों विवि के बीच शोध, परामर्श और शैक्षणिक आदान-प्रदान के बिंदु शामिल हैं. मौके पर एकेयू विवि परिसर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें आर्यभट्ट ज्ञान विवि की ओर से कुलसचिव डॉ. रामजी सिंह ने भी भाग लिया. इस एमओयू से दोनों विवि के छात्रों को शैक्षणिक परिवेश में अध्ययन का अवसर मिलेगा. साथ ही दोनों विवि के विशेषज्ञों से शोधपरक जानकारियां भी मिलेंगी.

रांची कैटल फीड ट्रेडर्स का वार्षिकोत्सव, सम्मानित

रांची । कैटल फीड ट्रेडर्स एसोसिएशन का वार्षिकोत्सव रविवार को सुकुरहुट्टू गौशाला परिसर में संपन्न हुआ. कार्यक्रम की शुरुआत एसोसिएशन के अध्यक्ष दीपक सर्राफ के स्वागत भाषण से हुई. इस अवसर पर गौ पूजन, गौ परिक्रमा, मातृ पितृ पुजन के बाद पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन हुआ. भोजन प्रसाद के पश्चात तुला - दान, गौ सेवा कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया. जिसके बाद गौ पालकों का भी सम्मान किया गया. इस दौरान वरिष्ठ अभिभावकगण और सदस्यों को उनकी उत्कृष्ट सेवा कार्य हेतु सम्मानित किया गया.

कराटे प्रशिक्षण सह ग्रेडिंग में 351 खिलाड़ी सफल

रांची। सिकोकई कराटे इंटरनेशनल इंडिया एवं इंटरनेशनल मार्शल आर्ट एकेडमी (इमा) के संयुक्त तत्वाधान में रविवार को एक दिवसीय कराटे प्रशिक्षण शिविर सह ग्रेडिंग का आयोजन किया गया. बिशप स्कूल के सभागार में आयोजित कराटे ग्रेडिंग में राज्य के विभिन्न स्कूलों एवं क्लबों से लगभग 380 खिलाड़ी शामिल हुए. कराटे ग्रेडिंग को दो चरण में संपन्न किया गया, जिसमें 351 खिलाड़ी सफल घोषित किए हुए. शिविर के दौरान सभी खिलाड़ियों को सिकोकई कराटे इंटरनेशनल इंडिया के राज्य प्रतिनिधि व इंटरनेशनल मार्शल आर्ट अकादमी (इमा) के तकनीकी निदेशक शिहान सुनील किस्पोट्टा ने एडवांस कुमिते व काता का का प्रशिक्षण दिया.

गंगा और स्वर्णरेखा नदी के जल से हुआ बाबा का अभिषेक

संवाददाता । रांची

पहाड़ी बाबा का जलाभिषेक रविवार को वैसे तो हजारो श्रद्धालुओं ने किया, लेकिन राधा-कृष्ण मंदिर, यमुनानगर से आए श्रद्धालुओं की बात कुछ और रही. बड़ी संख्या में युवा और महिलाओं ने कांवर यात्रा निकाल कर सुल्तानगंज की गंगा और स्वर्णरेखा नदी के जल से बाबा का अभिषेक किया. मंदिर से सुबह यात्रा की शुरुआत हुई तो वातावरण बोल बम के नारों और पहाड़ी बाबा के जयघोष से गूज उठा. डीजे पर बज रही भक्ति धुन पर नाचते-झूमते और भक्ति रंग बिखेरते, माथे पर कलश उठाए मातृशक्ति संग युवा कांवरियों का उत्साह देखते ही बन रहा था. यात्रा साइन बियर कॉलोनी, स्वर्ण जयंती नगर, लाइंस क्लब चुनाव भट्ट के रास्ते पहाड़ी मंदिर पहुंची. यात्रा का नेतृत्व राष्ट्रीय युवा शक्ति के केंद्रीय अध्यक्ष उत्तम यादव कर रहे थे. बबलू चौधरी, आर्यन मेहता, दुलारी देवी, लक्ष्मी देवी, संजू देवी, लालू माथुर, प्रीति देवी, मिकी कुमार, विशाल साहू, पूनम देवी, मनीता माथुर अर्चना देवी संगीता देवी सरिता देवी, मुस्कान कुमारी, सिमरन कुमारी, दीपिका कुमारी, सोनाली कुमारी, रानी गुप्ता, पूजा देवी, सुनीता देवी, सीमा देवी, रीना देवी, अंजली कुमारी, आदि ने इसके सफल आयोजन में मुख्य योगदान दिया.

करम पूर्व संध्या की तैयारी को लेकर विचार विमर्श

रांची। सरना नवयुवक संघ केन्द्रीय समिति ने रविवार को आरआईटी बिल्डिंग कचहरी परिसर में करम पूर्व संध्या की तैयारी को लेकर बैठक आयोजित की गई. इसकी अध्यक्षता उपाध्यक्ष साधु उरांव ने की. उन्होंने बताया कि सरना नवयुवक संघ की सरना फूल पत्रिका के 45 वें अंक का विमोचन होगा, जिसमें आदिवासियो की भाषा, संस्कृति, ऐतिहासिक, परम्परा, सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक एवं वर्तमान परिस्थिति विषय पर आलेख शामिल होगा. आलेख लिखने की अंतिम तारीख 25 अगस्त तक निर्धारित है.आलेख जमा करने की जिम्मेदारी रांची विश्वविद्यालय के जनजाती एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग के अंतर्गत कुडुख विभाग के डॉ बंदे उरांव को दी गई है. मौके पर डॉ. बंदे खलखो, सुखराम उरांव, प्रियंका उरांव, लक्ष्मण उरांव, संजू लकड़ा, गणेश उरांव, पूजा कुमारी, लखन उरांव, रीमा तिग्गा, संगीता कुमारी, शशिकिरण लकड़ा, दुर्गावती कुमारी, शशि मिंज, दिनेश उरांव, अनिल तिर्की, प्रेम तिर्की, कमला कुमारी, जयमुनी कुमारी आदि उपस्थित रहे.

देखते ही बन रहा था ढोल, बाजा पर ठुमकते नन्हे-मुन्ने कांवरियों का उत्साह

बाबा को जलार्पण को निकले कांवरिए, आज उमड़ेगा सैलाब

संवाददाता । रांची

राजधानी में रविवार का दिन शिव भक्तों के नाम रहा. दिन निकलते इंद्रदेव ने रिमझिम कर आशीष बरसायी. फिर बारिश थम गयी. एक तो साफ मौस साफ और छुट्टी का दिन होने से बड़ी संख्या में श्रद्धालु देवालयों में उमड़े. पहाड़ी मंदिर और सुरेश्वर धाम, चुटिया में अत्याधिक भीड़ उमड़ी. सुबह से देर रात तक भक्तों ने भक्ति की सतरंगी छटा बिखेरी. सांझ ढलते चौथी सोमवारी पर भोले बाबा के जलार्पण को बड़ी संख्या में कांवरिए निकले. गली-कूचों से लेकर चौक-चौराहो तक गेरुवा वस्त्र पहने शंभू भक्तो का उत्साह देखते ही बन रहा था. कोई भजनो पर नाच-झूम रहा था तो कोई जयकारा लगा रहा था. रात 11 बजे के बाद अल्बर्ट एक्का चौक कांवरियों से पट सा गया. यहां भक्ति का रंग जमाने के बाद श्रद्धालुओं ने अपनी-अपनी राह पकड़ी. कोई पदयात्रा करते हुए स्वर्णरेखा नदी की ओर बढ़ गया तो कोई वाहन से अंगरा बाड़ी के लिए प्रस्थान कर गया.आधी रात के बाद स्वर्णरेखा नदी से जल लेकर लौटे कांवरिए पहाड़ी मंदिर पहुंच, कतारबद्ध हो गए. अहले सुबह सरकारी पूजा के बाद मंदिर का पट खूलते ही वातावरण हरहर महादेव ..., पहाड़ी बाबा के जयघोष गूंज उठा. जलाभिषेक को कांवरिए उमड़ पड़े.

पहाड़ी मंदिर, सुरेश्वर धाम सहित शहर के सभी शिवालयों में 12 अगस्त को भक्तों का सैलाब उमड़ेगा. भारी भीड़ को ध्यान में रख पहाड़ी मंदिर में खास इंतजाम किए गए हैं. मजिस्ट्रेट के नेतृत्व में बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किए गये हैं. तीसरी नजर से चप्पे-चप्पे पर नजर रखी जाएगी. पहाड़ी मंदिर विकास समिति के सदस्यों संग पहानों की टोली दर्शनार्थियों को हरसंभव सहयोग देने के लिए मुस्तैद रहेंगे. खोया-पाया की सूचना लगातार दी जाएगी. श्रद्धालु अरघा सिस्टम से बाबा को जलार्पण कर सकेंगे. अन्य मंदिर समितियों की ओर से भी देवालयों में सेवा और सुरक्षा को लेकर खास इंतजाम किए गये हैं. समिति के राजेश कुमार साहू राजू ने बताया कि कांवरियों की सुविधा को ध्यान में रख तड़के तीन बजे मंदिर का पट खोल दिया जायेगा.

झूम कर निकली बाल कांवर यात्रा, गूंजा बोल बम का नारा

संवाददाता । रांची

हटनिया तालाब, नक्षत्र वन से रविवार की सुबह नौ बजे बाल कांवर यात्रा निकली तो वातावरण में मनोहारी छटा छा गयी. ढोल, बाजा और डीजे पर ठुमकते नन्हें-मुन्ने कांवरियों का उत्साह देखते ही बन रहा था. बच्चों के बाल शुलभ व्यवहार के क्या कहने. महादेव और माता पार्वती का रूप धरे बच्चों ने भी सब का मन मोहा. शिव बारात आयोजन महासमिति, पहाड़ी मंदिर के वार्षिक कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं संग विधायक सीपी सिंह ने भी खास तौर से भागीदारी निभायी. यात्रा विदा कर थोड़ी दूर साथ चले. रथ पर विराजमान जीवंत झांकी के साथ कांवरिए खाली पैर रातू रोड चौक होते हुए पहाड़ी मंदिर आए यहां महाकाल बाबा का जलाभिषेक कर श्रद्धा अर्पित की. इस बीच जगह-जगह विविध धार्मिक, सामाजिक और व्यवसायी संगठनों की ओर से श्रद्धालुओं का स्वागत किया गया. भोले भक्ति में लीन कांवरिए और श्रद्धालु जब जोश में आते तो वातावरण हर हर माहदेव... और बोल बम के उद्घोष से गूंज उठता.

पहाड़ी मंदिर में हुआ भव्य स्वागत : बाल कांवरियों और श्रद्धालुओं का पहाड़ी मंदिर, मुख्य द्वार पर दिन के साढ़े दस बजे भव्य स्वागत किया गया. मंदिर के पुजारी मनोज बाबा और पूर्व आयुक्त जटा शंकर चौधरी संग भक्तों ने आरती उतार स्वागत किया. सभी के बीच प्रसाद बांटा गया. महासमिति के अध्यक्ष राजेश कुमार साहू राजू ने बताया कि आने वाले समय में इसे और भी भव्य रूप दिया जायेगा.

निभायी भागीदारी : यूं तो यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया, लेकिन कांग्रेस के कुमार राजा, बादल सिंह, स्वीटी गुप्ता, मीरा गुप्ता, संजना शर्मा,सुधांशु सिंह, दीपक नंदा, राजीव वर्मा, उर्मिला चौधरी, अर्चना मिर्धा, स्वपना चटर्जी, खुशबू गुप्ता, शुभाशीष चटर्जी, पंकज चौधरी, रीता दुबे, रंजीता पांडेय, राखी कौर,अमन सिंह,गोविंद कुमार, मुरारी मंगल आदि ने इसमे खास तौर से हिस्सा लिया.

भारतीय पर्व-त्योहार समाज को जोड़ते हैं : निशा उरांव

संवाददाता । रांची

वनवासी कल्याण केंद्र के प्रांतीय मुख्यालय में रविवार को रक्षाबन्धन उत्सव मनाया गया. इस अवसर पर संस्था द्वारा संचालित जिले के 10 एकल विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया. झारखंड सरकार के पंचायती राज की निदेशक निशा उरांव ,रांची चैम्बर्स के पूर्व अध्यक्ष ओमप्रकाश अग्रवाल, महानगर अध्यक्ष सज्जन सर्राफ, महिला समिति की प्रमुख प्रतिभा गोयल ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की. इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि रक्षाबन्धन का उत्सव सामाजिक समरसता का प्रतीक है. वनवासी कल्याण केंद्र चिकित्सा के क्षेत्र में 300 गांवों में शिविर आयोजित किया है. जिसमें लाखों लोगों की जांच कर निःशुल्क दवाई दी जा रही है. जो एक महान ईश्वरीय कार्य है. जनजाति समाज के सर्वांगीण विकास किये जा रहे है. और विभिन्न आयामों के माध्यम से लोगों को जागृत किया जा रहा है. मुख्य अतिथि निशा उरांव ने कहा कि भारतीय पर्व-त्यौहार समाज को जोड़ने का काम करते हैं. और यही समाज की खूबसूरती है. त्यौहार हमलोगों को जोड़ता है. परम्परा सीमेंट की तरह होती है. जो ईट और सीमेंट को जोड़ती है. रक्षाबन्धन भाई-बहनों का त्यौहार है. जब हम मंदिर जाते हैं. तो मंदिर के पुजारी रक्षासूत्र बांधते हैं, जो कष्टों को दूर करता है. प्रकृति, वृक्ष, पर्यावरण हमारी रक्षा करता है. उन सभी को रक्षा सूत्र बांधना चाहिए. वनवासी कल्याण आश्रम के राष्ट्रीय अध्यक्ष सत्येन्द्र सिंह ने कहा कि संस्था के उद्देश्य जनजातीय समाज के पर्व-त्यौहारों, रीति-रिवाज, धर्म-संस्कृति के बारे में निहित है. जनजाति समाज आरण्य संस्कृति का मूल आधार है. जो अपनी संस्कृति को बचा कर रखा है, जो पर्यावरण को बचा रहा है. प्रकृति से उतना ही लेना चाहिए. जितना गाय का बछड़ा अपनी मां से लेता है. इस दृष्टिकोण को बनाये रखना है.

पुरस्कृत हुए भाई बहन

रक्षा बंधन उत्सव में लिखित परीक्षा ली गई . जिसमें प्रथम स्थान सोनू कुमार, राहे, द्वितीय ईशानी कुमारी, कांके और भगन लोहरा चान्हो एवं तृतीय सुन्दर कुमारी चान्हो को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया . सांत्वना पुरस्कार भी दिया गया . मौके पर संगीता पचिसिया, सरोज गुप्ता, पुनम गुप्ता, संगीता दत्ता, ममता सिन्हा, श्रद्धा मोदी, संगीता बजाज, सुलेखा कुमारी, ललिता कुमारी, सुजाता मुण्डा , कैलाश प्रसाद शर्मा, प्रकाश बजाज, बी.पी . राणा सरिया, समेत अन्य शामिल थे .

सावन मिलन से महिलाओं में खुशहाली : नीलम

संवाददाता रांची

एचईसी सेक्टर टू, धुर्वा के गाला बैंक्विट हॉल में भाजपा नेत्री सह समाज सेविका नीलम चौधरी के द्वारा सावन मिलन समारोह का आयोजन किया गया. इस समारोह में बचपन में खेले गए खेलों को प्रस्तुत किया गया. महिलाओं ने इसका भरपूर आनंद उठाया. नीलम चौधरी जी के द्वारा बचपन के बीते दोनों की यादगार पलों को खेल के माध्यम से याद कर मानसिक रूप से प्रसन्नता लाने के लिए विभिन्न प्रकार के खेलो को भी शामिल किया गया.

सैकड़ों महिलाओं ने इस कार्यक्रम का भरपूर आनंद उठाया. महिलाओं के द्वारा प्रस्तुत किए गए चम्मच_गोली रेस, म्यूजिकल चेयर, अंताक्षरी इत्यादि. सावन हरियाली का पर्व है इस माह में प्राकृतिक से लेकर परिधान भी हरी हो जाती हैं, जो खुशहाली और प्रसन्नता का प्रतीक होता है.

सावन महोत्सव में शामिल भाजपा नेत्री सह समाज सेविका नीलम चौधरी.

इस कार्यक्रम में सीमा शर्मा, आरती सिंह, बबीता झा, सीमा सिंह, सुचिता सिंह, रेनू तिर्की ,सीमा रानी, आराधना सिंह, अनुपमा, पिंकी, नेहा शर्मा, रूबी कुमारी, सुनीता वर्मा, कंचन देवी, रीता सिंह, विनीत, निर्मला, पिंकी गुप्ता, पुष्पा, नीतू सिंह, विजेता अग्रवाल, पूनम देवी, रूबी कुमारी, अनु सिंह, बबीता चौरसिया, अमित सिंह, अरित सिंह, कंचन कुमारी, शिल्पी देवी, सोनी कुमारी, पुनीता, रीना कुमारी, संगीता सिंह, रेखा, कविता सिंह, रतन, भारती देवी,अनीता देवी ,पूर्णिमा कुमारी, रिंकी कुमारी, राधिका गुप्ता ,पूनम शर्मा,रिंकी,रंजना ,अंजली, मिताली चौधरी, रूबी पासवान ,अंजू सिंह, राधा सिंह, आनिमा पांडे, सुषमा सिंह , वंदना मिश्रा, उषा रानी, नीरजा ,पुष्पा,शोभा, अनु सिंह, आशा, कंचन, रूबी ,रीता, पुष्पा सिंह, इत्यादि सैकड़ो महिलाएं उपस्थित हुई.

सराहनीय पहल महिला अध्ययन केंद्र की यंग स्कॉलर कार्यशाला में मेंटरों ने किया मार्गदर्शन

102 प्रतिभागी स्कॉलरों ने प्रस्तुत किया अपना शोधपत्र

संवाददाता रांची

महिला अध्ययन केंद्र अर्थशास्त्र विभाग, रांची विश्वविद्यालय में ऑनलाइन और ऑफलाइन माध्यम से ''झारखंड की पुनर्कल्पनाः हाशिए के आयाम, नारीवादी राजनीति और क्षेत्रीय ज्ञान'' विषय पर रविवार को कार्यशाला का आयोजन किया गया .उक्त विषय पर 102 प्रतिभागियों ने अपने शोधपत्र प्रस्तुत किये. मेंटरों से मार्गदर्शन प्राप्त किया. झारखंड के वर्तमान परिपेक्ष्य में समस्या, चुनौती, खानपान, रहन-सहन आदि विषयों पर प्रतिभागियों ने कई चुनौती और समाधान पर प्रकाश डाला गया. महिला अध्ययन केंद्र के कोऑर्डिनेटर ममता कुमारी ने बताया कि इस केंद्र का उद्देश्य महिलाओं की स्थिति और समस्या का अध्ययन करना है. उनके आवश्यक सुझाव प्रस्तुत करना है. यह कार्यशाला में झारखंड सहित कई राज्यों से शोधार्थी अपना पेपर प्रस्तुत कर रहे हैं. झारखंड में कई विषय हैं, जिस पर काम करने की आवश्यकता है. केंद्र द्वारा टॉप-10 प्रतिभागियों को 20 हजार का पुरस्कार दिया जायेगा, जिसका चयन मेंटर द्वारा किया जाना है. मेंटर सह असिस्टेंट प्रो. नयन कुमार सोरेन ने कहा कि शोधार्थी झारखंड के कई ज्वलंत विषयों पर शोध कर रहे हैं, जो भविष्य में झारखंड के विकास योजनाओं में सहायक होगा.

कार्यशाला में भाग ले रहे रिसर्च स्कॉलर, मेंटर एवं आयोजनक.

महिला अध्ययन केंद्र यंग स्कॉलर कार्यशाला का दूसरा आयोजन है. इससे पहले रांची के कचहरी चौक स्थित राज रेसिडेंसी में 22 से 24 जुलाई तक तीन दिवसीय आवासीय कार्यशाला का आयोजन किया गया था. इस कार्यक्रम में अलग- अलग राज्यों से शोधार्थी जुड़े और झारखंड के परिपेक्ष्य में अपना शोध प्रस्तुत किए थे. इस कार्यशाला में मेंटर के रूप में देश के अलग-अलग शैक्षणिक संस्थान जैसे जेएनयू, पंडुचेरी, क्रेया यूनिवर्सिटी आंध्रप्रदेश, स्त्री अध्ययन के विशेषज्ञ सहित झारखंड के प्रमुख संस्थानों से डॉ. ममता कुमारी, नयन कुमार सोरेन, संभावी विक्रम, डॉ. मीनाक्षी मुंडा, डॉ. एकता बख्शी, डॉ. नॉली निवेदिता, आशीष केरकेट्टा, डॉ कल्पना सिंह जैसे कई बुद्धिजीवी जुड़े, जिन्होंने शोधार्थियों का मार्गदर्शन किया. मौके पर पूजा कोटवार, संदीप किस्कू, विकेश कुमार, निति तिर्की, अनुज बेसरा, आलो दास, नेहा कुमारी, सुहानी कुमारी का सराहनीय योगदान था.

पूर्व डिप्टी मेयर संजीव की पुस्तक सफर का हुआ विमोचन

आगाज के तृतीय संस्करण का हुआ उद्घाटन

संवाददाता । रांची

सांस्कृतिक समारोह आगाज के तृतीय संस्करण का उद्घाटन रविवार को हुआ. 'आगाज' का यह आयोजन, जो तीन साल पहले संजीव विजयवर्गीय द्वारा प्रारंभ किया गया था, अब रांची के सांस्कृतिक परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है. इस वर्ष के संस्करण में बच्चों और महिलाओं द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने समां बांध दिया.

मंत्री संजय सेठ ने कहा कि ऐसे आयोजन शहर में होते रहना चाहिए, क्योंकि ये बच्चों और युवाओं की कलात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करते हैं. कार्यक्रम के आयोजक संजीव विजयवर्गीय ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य युवाओं और महिलाओं को एक ऐसा मंच प्रदान करना है, जहां वे अपनी अद्वितीय प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकें.

अतिथियों के बीच तिरंगा का वितरण

कार्यक्रम के दौरान निवर्तमान उप महापौर संजीव विजयवर्गीय के राजनीतिक सफर को संजोते हुए उनकी पुस्तक 'सफर' का विमोचन किया गया . साथ ही, संजीव विजयवर्गीय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हर घर तिरंगा अभियान के तहत कार्यक्रम में आए सभी अतिथियों को तिरंगा वितरित किए . कार्यक्रम में महिलाओं और बच्चों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया . फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता, रंग-बिरंगे परिधानों में रैंप वॉक, और बॉलीवुड, नागपुरी, खोरठा गीतों पर शानदार नृत्य प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया . इसके अतिरिक्त, डांस (ग्रुप और सोलो), पेंटिंग प्रतियोगिता, और महिलाओं के लिए म्यूजिकल चेयर जैसी प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया .

कार्यक्रम में ये रहे मौजूद : रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, पद्मश्री मुकुंद नायक, विधायक सीपी सिंह, महिला प्रदेश अध्यक्ष आरती सिंह, पूर्व सांसद अजय मारू, पूर्व सांसद महेश पोद्दार सहित अन्य लोग मौजूद थे .

लापुंग और बेड़ो प्रखंड के अलग-अलग गांवों के अलग-अलग देवी मंडप में सावन सप्तमी की पूजा हुई

समृद्धि, अच्छी बारिश एवं अच्छी खेती के लिए की गयी प्रार्थना

संवाददाता। लापुंग

लापुंग और बेड़ो प्रखंड के अलग-अलग गांवों के अलग-अलग देवी मंडप में सावन सप्तमी की पूजा धूमधाम से आयोजित की गई. सावन सप्तमी के दौरान गांव के देवी मंदिरों में पाहन पूजार ने विधिवत पूजा अर्चना कर गांव में समृद्धि, अच्छी बारिश एवं अच्छी खेती के लिए मां भगवती एवं ग्राम देवी से प्रार्थना किया. इस मौके पर सरसा के देवी मंड़प में पाहन धम्मा उरांव, पुजार लिबरा उरांव, ग्राम प्रधान मंचू उरांव,की देखरेख में बकरे की बलि दी गई. विधायक प्रतिनिधि संतोष तिर्की और सत्येंद्र भगत की अगुवाई में पाहन धम्मा उरांव, पुजार लिबरा उरांव, ग्राम प्रधान मंचू उरांव,की देखरेख में मुनेश्वर लोहरा, बसंत लोहरा, जगदीश तिग्गा, ललित उरांव, रतिराम उरांव, सोमरा उरांव, विकास तिग्गा, चितरंजन भगत, मनोज उरांव सहित दर्जनों लोगों की उपस्थिति में सावन सप्तमी के दौरान पाहन पूजार ने देवी मंडप के नजदीक बकरे की मांस का प्रसाद के रूप में खिचड़ी का निर्माण किया. प्रसाद को सामूहिक रूप से पूरे गांव के लोगों में बराबर बराबर मात्रा में बांटा गया. विधायक प्रतिनिधि और समाजसेवी पूर्व मुखिया संतोष तिर्की ने कहा कि गांव की हजारों वर्षों की परंपरा को आज भी पाहन पूजार एवं महतो की देखरेख में निभायी जाती है. वहीं सत्येंद्र भगत ने कहा कि लापुंग प्रखंड में गांव को बुरी नजरों से बचाने, गांव के लोगों की खुशहाली तथा गांव के लोगों की समृद्धि के लिए सावन सप्तमी के दिन ग्राम देवी को बकरे की बलि दी जाती है. यह परंपरा सभी गांव में निभाई जाती है.

सावन सप्तमी के दौरान सरसा के देवी मंदिर में जुटे पाहन पूजार एवं अन्य.

सावन महोत्सव सह महिला सम्मान समारोह आयोजित

नामकुम। उप प्रमुख वीणा कुमारी व आजसू पार्टी जिला कोषाध्यक्ष संध्या वाण्डो की अगुवाई में सावन महोत्सव सह महिला सम्मान समारोह मनाई गई. समारोह के मुख्य अतिथि टाटीसिलवे थाना महिला सहायक पदाधिकारी स्वेता सिंह ने सभी महिलाओं को अपने हक अधिकार 50% आरक्षण की जानकारी दी. बोली की किन्ही बहनों के साथ घरेलू या सामाजिक प्रताड़ना व अप्रिय घटना घटती है तो मैं टाटीसिलवे थाना में कार्यरत हूं. आप लोगों को हर संभव सहयोग मिलेगा. महिलाओं के सम्मान में आजसू पार्टी महिला जिला अध्यक्ष वीणा कुमारी एवं जिला कोषाध्यक्ष संध्या वाण्डो के द्वारा चूडियां प्रदान कर सभी आये लोगों को पुरस्कृत भी किया गया .मौके पर मुख्य रूप से पूर्व जिप सदस्य फुलकुमारी देवी,अनगड़ा पूर्व प्रमुख अनिता गाड़ी, पूर्व मुखिया टाटी पूर्वी किरण पहान, टाटी पश्चिमी मुखिया सुनीता देवी,टाटी पश्चिमी पंचायत समिति सदस्य इन्दु देवी, जयन्ती देवी,किरण देवी,निर्मला देवी,वीणा देवी,सरस्वती देवी सावित्री देवी, कमला कुमारी, सरिता देवी,पिन्की देवी,मंजू देवी,लिना रानी आदि सैकड़ो महिलाएं उपस्थित थीं.

ब्रीफ खबरें

सीएसपी संचालक से एक लाख की लूट

चतरा। जिले में हथियार बंद अपराधियों ने सीएससी संचालक से एक लाख रुपये नकद और लैपटॉप की लूट की वारदात को अंजाम दिया है. घटना वशिष्ट नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत सलैया पंचायत के करमाली ढोडहा के पास की है. जानकारी के अनुसार, सीएससी संचालक रोशन अपने भाई के साथ स्कूटी पर सवार होकर सलैया जा रहा था. इसी दौरान करमाही ढोंढा के समीप ओवर टेक कर अपराधियों ने घटना को अंजाम दिया. भुक्तभोगी ने घटना की सूचना पुलिस को दी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंच कर जांच में जुट गयी थी.

ठनका गिरने से एक युवक घायल

सिल्ली/मुरी। सिल्ली प्रखंड के लोसेरा निवासी शिबू मांझी उम्र 25 वर्ष ठनका के चपेट में आने से घायल हो गए . जिसका इलाज सिंगपुर नर्सिंग होम में किया जा रहा है. जानकारी के अनुसार शिबू मांझी के पिता नंदलाल मांझी ने बताया कि सुबह हमलोग अपने खेत में काम कर रहे थे तभी बारिश शुरू हो गई. बारिश से बचने के लिए छाता खोले अचानक ठनका छाता के उपर गिरा. जिससे मेरा बेटा शिबू मांझी को सिर, बाये पैर एवं छाती में चोट आई है. आनन फानन में सिंगपुर नर्सिंग होम लाया गया. जहां डॉक्टर रमनेश प्रसाद के द्वारा इलाज किया जा रहा है.

जामा मस्जिद कमेटी का त्रिवार्षिक चुनाव संपन्न

रातू। अंजुमन इस्लामिया जामा मस्जिद कमेटी का त्रिवार्षिक चुनाव रविवार को संपन्न हो गया. चुनाव में सिकंदर अंसारी सदर, अश्फाक अंसारी सेक्रेट्री, जाबिर अंसारी उप सदर, इश्तियाक अंसारी उप सेक्रेट्री, हकीम अंसारी खजांची के पद पर विजयी हुए. जिन्हें निर्वाची पदाधिकारियों ने प्रमाण पत्र सौंपा. चुनाव के बाद पुराने पदधारियों ने नई कमेटी का स्वागत किया और जीत की बधाई देते हुए समाज की बेहतरी के लिए काम करने की बात कही. चुनाव संपन्न कराने में इमरान खान, शमीम बड़ेहार, मियांजान अंसारी, रजब अली, जान मोहम्मद आदि की मुख्य भूमिका रही.

माल लदा ट्रक पलटा, कोई हताहत नहीं

सिल्ली/मुरी। सिल्ली प्रखंड अंतर्गत जामड़ीटाड़ के समीप गोला मुरी मुख्य पथ पर चिप्स और सेवई लदा ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया. परंतु किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है. ट्रक के ड्राइवर और खलासी को हल्की-फुल्की चोटे लगी है.

बेडो में कांग्रेस ने किया अल्पसंख्यक सम्मेलन का आयोजन

अल्पसंख्यकों के लिये कांग्रेस व सरकार समर्पित: विधायक

संवाददाता। बेड़ो

मांडर की विधायक शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा है कि अल्पसंख्यकों के लिये हमारी कांग्रेस और सरकार पूरी तरह से समर्पित है. उन्होंने यह बातें बेडो प्रखण्ड के बिशु भगत मेमोरियल महिला महाविद्यालय में आयोजित अल्पसंख्यक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहीं. उन्होंने कहा कि भारत और झारखण्ड सभी धर्म और विविध संस्कृतियों का देश और राज्य है और सभी लोगों की यह जिम्मेदारी है कि वह हमारे संविधान की मूल भावना को सर्वोच्च प्राथमिकता दे. वहीं अध्यक्षता कर रहे पूर्व मंत्री एवं झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने कहा कि फिरकापरस्त ताक़तों से हमेशा सावधान रहने की जरूरत है. बैठक के दौरान विशिष्ट अतिथि के रुप में उप प्रमुख मोद्सिर हक ने कहा कि अल्पसंख्यकों की भावनाओं को सभी समाज के लोगों को सम्मान करने की जरूरत है. वहीं कांग्रेस के प्रखण्ड अध्यक्ष करमा उरांव ने कहा कि देश की आजादी से लेकर देश की प्रगति में अल्पसंख्यकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है. इस मौके पर सेवानिवृत्त शिक्षक अब्बास अंसारी उर्फ मास्टर जी एवं हाजी मनीरूदीन अंसारी को विधायक शिल्पी नेहा तिर्की ने बूके देकर सम्मानित किया . इस मौके पर कांग्रेस के युवा नेता तंजीर हुसैन, मीर मुस्लिम हुसैन, साबिर मीर, सरवन खान, मंजूर अंसारी, मुन्ना मलिक, मुस्ताक मल्लिक, हाजी इस्लाम, अब्दुल अंसारी, जमील अंसारी, मुस्तफा, रब्बुल अंसारी, काबूल राय, करीम अंसारी, हाजी कलीम, तबारक राय, सिद्धिक मियां एवं अन्य गणमान्य लोग मौके पर मौजूद थे.

अब्बास अंसारी को सम्मानित करतीं विधायक शिल्पी नेहा तिर्की.

प्रधानों ने सीएम का किया आभार व्यक्त

ओरमांझी। प्रदेश प्रधान संघ के अध्यक्ष रमेश उरांव के नेतृत्व में ग्राम प्रधानों ने खिजरी विधायक राजेश कच्छप को मानदेय बढ़ाने को लेकर कुछ दिन पहले ज्ञापन सौंपा था. इसके अलावे इंडिया गठबंधन के मंत्री विधायक एवं मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को ग्राम प्रधानों एवं अन्य का मानदेय बढ़ाने के लिए संघ की ओर से कहा गया था.मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिए थे. कि जल्द परंपरागत ग्राम प्रधानों का एवं मानकी मुंडा इत्यादि का मानदेय राशि में बढ़ोतरी के लिए विचार किया जाएगा हेमंत सरकार ने प्रस्ताव लाकर ग्राम प्रधानों इत्यादि का दो गुना राशि बढ़ाया गया है श्री उरांव ने कहा कि इसके लिए इंडिया गठबंधन हेमंत सरकार बधाई के पात्र हैं जिसका ग्राम प्रधान महासंघ सरकार को हृदय से आभार प्रकट करते हुए बहुत-बहुत बधाई भी दिए.

फर्जी कागजात बनाकर जमीन हड़पने का आरोप

कांके। राजधानी रांची के कांके के सुकुरहुटु के सोनी देवी पति स्व दशरथ पहान खाता न.432, प्लॉट न.8034 कूल रकबा 16 डी. जमीन जो कि खतियान में सुखनाथ पहान वगैरह के नाम से दर्ज है. जयनाथ पहान पिता स्व.लहरू पहान ने डीड न. 1935 के द्वारा जमीन को फर्जी तरीके से बिक्री अनिमा किंडो को कर दिया गया है .इस मामले को लेकर भुक्तभोगी सोनी देवी ने उपायुक्त को पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है. पत्र में सोनी देवी ने कहा कि अनिमा किण्डो कांके प्रखंड के अनीता गर्ल हाईस्कूल कांके में कार्यरत है.पति सुधीर लकड़ा. बिरसा कृषि विविश्वविद्यालय के प्रसार निर्देशालय में कंम्प्यूटर ऑपरेटर पद पर कार्यरत हैं. नौ मार्च 20188 को कांके अंचल से फर्जी जाति प्रमाण पत्र निगर्त करवाकर उक्त जमीन की खरीदी है. सोनी देवी ने डीसी को दिए आवेदन में कहा कि कांके अंचल के तात्कालिन अंचल अधिकारी प्रभात भुषण सिंह एवं अनिल कुमार जाति प्रमाण प्रत्र एवं न्यायालय लगानवाद उप समाहर्ता सदर, रांची परमीशन वाद संख्या-4161 आर 8 II/2020-2021 में फर्जी जांच प्रतिवेदन देकर मेरे पुस्तैनी जमीन को लुटवाने अथवा हड़पवाने में अनिमा किण्डो का सहयोग किया हैं.

चतरा जिले में फिर से सक्रिय होने लगा है टीपीसी उग्रवादी संगठन

सौरभ सिंह। चतरा/रांची

- कारोबारियों को आ रहे हैं धमकी भरे कॉल व मैसेज

एक लंबे अंतराल के बाद चतरा में टीपीसी संगठन फिर से सक्रिय होने लगा है. संगठन के उग्रवादियों द्वारा अलग-अलग नाम से कोयला समेत अन्य कारोबार से जुड़े कारोबारियों को लेवी के लिए धमकी भरी फोन कॉल और मैसेज आने का सिलसिला शुरू हो गया है. तीन दिन पहले ही टीपीसी उग्रवादियों ने कोल ट्रांसपोर्टिंग में लगे वाहनों पर गोलीबारी की थी और वाहनों को जलाने की तैयारी भी थी, लेकिन मौके पर पुलिस के आने से उग्रवादी भाग खड़े हुए.

लेवी वसूली के लिए चर्चा में है अभिषेक का नाम : चतरा और रांची के बुढ़मू इलाके में इन दिनों टीपीसी उग्रवादी संगठन के अभिषेक का नाम चर्चा में हैं. वह कारोबारियों को लेवी के लिए कॉल और मैसेज कर रहा है. साथ ही अपराधिक घटनाओं की साजिश भी रच रहा है. पुलिस को कुछ ऐसे लोगों के बारे में भी जानकारी मिली है, जो टीपीसी उग्रवादियों को कारोबारियों का नंबर उपलब्ध करा रहे हैं.

एनआइए के रडार पर कई बड़े उग्रवादी : कोल परियोजनाओं से वसूली के मामले में एनआइए और पुलिस को टीपीसी के सरगना ब्रजेश गंझू, आक्रमण समेत अन्य की तलाश है. एनआइए और झारखंड पुलिस ने इन उग्रवादियों को वांटेड घोषित किया है. हाल के महीने में टीपीसी के बड़े उग्रवादी के पकड़े जाने से संगठन को बड़ा झटका लगा था. हजारीबाग और चतरा जिले में इनकी पकड़ भी कमजोर हुई थी. लेकिन लगातार अभियान नहीं चलने से टीपीसी उग्रवादी फिर से सक्रिय होने लगे हैं.

तिरंगा यात्रा को ले भाजपा कार्यकर्ताओं ने की बैठक

इटकी। हर घर तिरंगा अभियान को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं की एक बैठक रविवार को इटकी स्थित विवाह मंडप में मंडल अध्यक्ष राजकुमार तिर्की की अध्यक्षता में हुई. बैठक में प्रखंड प्रभारी संजय तिवारी व विशिष्ट अतिथि रामनारायण भगत शामिल हुए. बैठक में प्रखंड प्रभारी संजीव तिवारी ने हर घर तिरंगा अभियान को लेकर विचार विमर्श किया व इटकी प्रखंड में इसे सफल बनाने को लेकर कार्यकर्ताओं को कई दिशा निर्देश जारी किए. विशिष्ट अतिथि रामनारायण भगत ने 11 से 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने का संकल्प दिलाया व कार्यकर्ताओं से हर घर तिरंगा फहराने का आह्वान किया.अभियान को सपफल बनाने के लिए सभी को अलग-अलग जिम्मेवारी दी गयी. वहीं अभियान को लेकर लोगों को जगारूक करने की जिम्मेदारी दी गयी. बैठक में राजेश्वर महतो, राजकुमार महतो, संजय सहारा, राहुल सिंह, बुधु मुंडा, आतिश ठाकुर, अजय ठाकुर, सुशील प्रसाद, दुर्गा तिर्की, संतोष तिर्की, बंधन गोप, बासुदेव गोप, अनिल लकड़ा, महिंदर साहू, दिवाकर ठाकुर व रिझु लोहरा सहित अन्य मौजूद थे.

तीन अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में सात घायल

संवाददाता। बेड़ो

रांची गुमला मुख्य मार्ग में बेड़ो देवी मंडप के निकट रांची चुटिया से घघारी बाबा धाम जा रही टेम्पो के चालक ने बेड़ो से रांची जा रही ट्रक में सीधी टक्कर मार दी. इस घटना में टेंपो चालक 55 वर्षीय शिवशंकर पांडेय पिता रामसूल पांडेय, सहित चुटिया पावर हाउस निवासी 30 वर्षीया अंजु देवी पति बीरु बैठा, उसकी बेटी सात वर्षीया छोटी कुमारी, बीरु बैठा का साला हेंदलासो लोहरदगा निवासी 21 वर्षीय राकेश कुमार तथा बूढ़ीरोमा निवासी 18 वर्षीया युवती प्रीति रोशन बाड़ा गंभीर रूप से घायल हो गए. टक्कर इतनी भीषण थी कि चालक का गला एवं जबड़ा में भयंकर चोटें आई. वहीं अन्य लोगों को भी शरीर के विभिन्न हिस्सों में चोटें आईं. घटनास्थल पर चीख पुकार मच गया. बेड़ो पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायलों को बेडो. सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया. जहां चिकित्सक डॉ सुमन ने प्राथमिक उपचार कर गंभीर रूप से घायल शिव शंकर पाण्डेय को रिम्स रेफर कर दिया. वहीं दूसरी घटना केशा मोड़ विशु भगत मेमोरियल कॉलेज के निकट घटी . हरिहरपुर जामटोली निवासी पासकल तिर्की पिता गांदु तिर्की 35 वर्ष को रविवार शाम लगभग 4 बजे के बिशू भगत महिला कॉलेज के समीप किसी अज्ञात वाहन का धक्का मार देने से पासकल तिर्की गिर कर ज़ख़्मी हो गए और शरीर में काफी चोटें आई थी. त्वरित कार्रवाई करते हुए कांग्रेस पार्टी के प्रखंड अध्यक्ष प्रोफेसर करमा उरांव ने सोमरा लोहरा और गोबर्धन महतो के सहयोग से उन्हें बेड़ो स्वास्थ्य केंद्र मे प्राथमिक उपचार के लिए पहुंचाया और घायल के परिजनों को सूचित किया. इसके पूर्व ग्राम पुरियो के ललित तिर्की कॉलेज गेट बेड़ो के समीप किसी अज्ञात वाहन की चपेट में आ गए थे. उन्हें सिर और शरीर के विभिन्न हिस्सों में काफी चोट लगी थी .

न्यूज अपडेट

श्रीश्याम मंडल का श्रीश्याम महोत्सव पांच सितंबर को

रांची। श्रीश्याम मंडल का 57वां चार दिनी श्रीश्याम महोत्सव चार सिंतबर को धूमधाम से मनाया जाएगा. उक्त निर्णय श्रीश्याम मंदिर, अग्रसेन पथ में रविवार को हुई मंडल की बैठक में लिया गया. साथ ही तैयारी को लेकर विचार-विमर्श किया गया. कार्यक्रम की रूपरेखा तय की गयी. सुमित पोद्दार ने बताया कि गुरुवार को कार्यक्रम की शुरुआत सेवा कार्य से होगी. छह सिंतबर को शोभायात्रा निकाली जायेगी. शनिवार को श्रृंगार-पूजन, भजन-संकीर्तन आदि के साथ भजन पुस्तिका प्रेम पुष्प का विमोचन किया जायेगा. उन्होंने बताया कि जयपुर से चैतन्य दाधीच और मनासा से आयी कनिका ग्रोवर भक्ति रस धारा बहायेंगी. अंतिम दिन आठ सिंतबर को सुंदरकांड पाठ कर श्रद्धालु सवामणि भोग लगायेंगे. दिनभर भक्ति गीतों का कार्यक्रम चलेगा. चंद्रप्रकाश बागला , धीरज बंका, विवेक ढांढनीयां, जितेश अग्रवाल, नितेश लखोटिया, बालकिशन परसरामपुरिया, राजेश सारस्वत, मनोज सिंघानिया, विकाश पाडिया आदि बैठक में मौजूद थे.

ओरमांझी को शिक्षा के क्षेत्र में आगे ले जाना है : डीडीओ

ओरमांझी। प्रखंड के नये डीडीओ नसीम अहमद एवं मध्य विद्यालय चकला के प्रधानाध्यापक बिमलेश कुमार मिश्रा का पार्क पैलेस बैंक्वेट हॉल ओरमांझी में स्वागत समारोह आयोजित किया गया. इसके पूर्व पार्क पैलेस के मुख्य द्वार से डीडीओ नसीम अहमद ,प्रधानाध्यापक बिमलेश कुमार मिश्रा,संघ के प्रदेश अध्यक्ष अनूप केसरी एवं प्रदेश मुख्य प्रवक्ता नसीम अहमद को आरती उतारी गयी. अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ प्रखंड इकाई ओरमांझी की के द्वारा उपस्थित अतिथियों को बुके देकर एवं शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया .

राहे में निकाली गई तिरंगा यात्रा,उमड़ी भीड़

राहे। भाजपा युवा मोर्चा रांची के तत्वावधान में रविवार से हर घर तिरंगा अभियान की शुरुआत राहे मंडल से किया गया. बुंडू से आयी तिरंगा यात्रा को राहे प्रखंड के चंदनडीह चौक से भगत सिंह चौक तक लाया गया. सभी कार्यकर्ताओं ने भगत सिंह और सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया. लोगों में देशभक्ति की भावना व जोश भरने के लिए यह यात्रा निकाली गई. भाजयुमो जिला अध्यक्ष विवेकानंद जायसवाल, ग्रामीण जिला उपाध्यक्ष विनय महतो धीरज मंडल अध्यक्ष चित्तरंजन महतो,लक्ष्मण सिंह मुंडा, रंजीत लाहेरी, दिलेश्वर कोईरी, गीरथ महतो, मनोज महतो, परिक्षित मंडल सहित काफी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे.

पांच दिवसीय फुटबॉल मैच का किया गया उद्घाटन

इटकी। न्यू रनिंग स्टार क्लब विंधानी के तत्वावधान में आयोजित पांच दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट का उद्घाटन मैच रौशन क्लब रानिखटंगा बनाम कच्छप ब्रदर्स केशारो के बीच खेला गया . खेले गए मैच में दोनो ही टीम खेल का शानदार प्रदर्शन किया. समय समाप्ति तक मैच बराबरी पर रहा . अंत में ट्राईबेकर में केशारो के टीम ने रानिखटंगा टीम को पांच के मुकाबले दो गोल से पराजित कर अगले चक्र में प्रवेश किया. इसके अलावा संगी एफसी बरसा बनाम अमर ज्योति क्लब बाजपुर और जय जोहार एफसी बनाम मिंज कलेक्शन इटकी के बीच खेला गया.

खोदे गए गड्ढे में गिरकर महिला की मौत

अनगड़ा। प्रखंड की कुच्चू पंचायत के कठरटोली में आम की बागवानी के लिए खोदे गए गड्ढे में गिरने से एक महिला की मौत हो गई. मृतका 45 वर्षीय गुदी देवी कठरटोली गांव की निवासी थी. बताया जाता है कि भुनेश्वर शाही मुंडा की जमीन पर मनरेगा योजना से आम की बागवानी के लिए गड्ढे खोदे गए थे. शनिवार को गोदी घर से किसी काम के लिए पंचायत सचिवालयकुच्चू जा रही थी और अनियंत्रित होकर गिर गई, रविवार की सुबह घटना का पता चला.

झारखंड मिथिला मंच ने देवालय में किया रुद्राभिषेक

रांची। अशोक नगर देवालय में रविवार को झारखंड मिथिला मंच के तत्वावधान में महारुद्राभिषेक का आयोजन किया गया, जिसमें यजमान के तौर पर मंच के अध्यक्ष डॉ. आनंद शेखर झा ने भाग लिया. इस अवसर पर वन विभाग की ओर भक्तों के बीच 500 पौधों का भी वितरण किया गया. रुद्राभिषेक समारोह में विधायक सीपी सिंह ने भी भाग लिया. मंच के महासचिव मिथिलेश मिश्र, कोषाध्यक्ष सुनील झा, संरक्षक श्रीपाल झा, निशिकांत पाठक, राजीव रंजन और मंच के सदस्यों ने अहम भूमिका निभायी.

भाजपा नेता ने हाथी प्रभावित गांवों का दौरा किया

अनगड़ा। भाजपा रांची जिला के उपाध्यक्ष एसटी मोर्चा रितेश उरांव ने रविवार को अनगड़ा प्रखंड के विभिन्न गांवों का दौरा किया और ग्रामीणों से समस्याओं की जानकारी ली. रितेश उरांव नेसिकिदिरी, कुच्चू, बीसा और राजाडेरा पंचायतों के गांवों में ग्रामीणों के साथ बैठक की. ग्रामीणों ने उन्हेंब ताया कि हाथियों के उत्पात के साथ बिजली की समस्या से त्रस्त हैं. शाम ढलते ही हाथी गांवों में घुस जातेहैं, बिजली नहीं होने पर वे घरों को निशाना बनाते हैं. क्षेत्र में घंटों बिजली कटी रहती है. उन्होंने ग्रामीणों की समस्याओं को उच्च अधिकारियों तक पहुंचाने का आश्वासन दिया है.

जैन धर्मावलंबियों ने मनाया भगवान पार्श्वनाथ का मोक्ष कल्याणक

रांची। जैन धर्म के 23वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ का निर्वाण(मोक्ष)दिवस रविवार को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया. इस अवसर पर रांची के दोनों मन्दिरों में प्रातः काल में भव्य पूजन कलाशाभिषेक एवम् विश्व शान्ति हेतु शान्ति अभिषेक किया गया. भगवान पार्श्वनाथ श्रावण शुक्ला सप्तमी के दिन पार्श्वनाथ पर्वत के स्वर्णभद्र कूट से मोक्ष गए थे. मोक्ष कल्याणक के अवसर पर अपर बाज़ार जैन मंदिर में संगीतमय पूजा विधान सन्ध्या बेला में आरती के साथ सम्पन्न हुआ. इस दिन समाज की बालिकाओं का चौबीस घंटे निराहार व्रत रहता है.

स्वयं सेवक करेंगे पूर्णिमा मेला में भीड़ को नियंत्रित

लापुंग। लापुंग प्रखंड के प्रसिद्ध घघारी बाबा धाम में सावन पूर्णिमा को आयोजित सावन पूर्णिमा मेला को लेकर घघारी बाबा धाम प्रबंधन समिति की बैठक अध्यक्ष राजकमल गोप एवं सचिव संजय महतो के संचालन में आयोजित की गई. बैठक में उपस्थित बतौर मुख्य अतिथि जिला परिषद सदस्य हिंदिया टोप्पो ने कहा कि घघारी बाबा धाम में पहली बार आयोजित सावन पूर्णिमा मेला को सफल बनाने के लिए सभी विभागों के पदाधिकारियों की अहम भूमिका होगी. वहीं राजकमल गोप ने कहा कि मेला में दर्शन पूजन को आने वाले किसी भी श्रद्धालुओं को कोई दिक्कत नहीं होगी. मेले में शांति व्यवस्था एवं विधि व्यवस्था में तैनात स्वयंसेवकों को पुलिस प्रशासन के सहयोग के लिए अलग-अलग जगहों पर तैनात किया जाएगा. मुख्य संरक्षक गंगाधर साहु एवं संरक्षक सह विधायक प्रतिनिधि देवेन्द्र वर्मा ने भी मेले की सफलता के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए. मंदिर परिसर में भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पारितोष शेखर सिंह, विक्रम सिंह, कृष्णा गोप, विक्रम लोहार को महत्वपूर्ण जिम्मेवारी दी गई.

आयोग की जांच जुगसलाई गोशाला में गायों की मौत मामले में लापरवाही उजागर, होगी कार्रवाई

गर्भवती गायों की मौत के लिए प्रबंधन दोषी : राजीव रंजन

- गो सेवा आयोग के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष ने गोशाला का निरीक्षण किया
- संचालन समिति को भेजा नोटिस, सात दिनों के अंदर मांगा गया है जवाब

वरीय संवाददाता। रांची/ जमशेदपुर

जुगसलाई गोशाला में बीते छह अगस्त को तीन गायों की मौत के मामले ने तूल पकड़ लिया है. मरने वाली गायों में एक-दो गर्भवती भी थी. इसकी जानकारी गो सेवा आयोग को मिली. इसके बाद रविवार को आयोग के अध्यक्ष राजीव रंजन व उपाध्यक्ष राजू गिरि ने गोशाला परिसर का निरीक्षण किया. इस दौरान गायों के रखने के लिए बने शेड, भवन निर्माण के लिए खोदे गए गड्ढे, वहां बने भवनों का इस्तेमाल समेत कई जगहों का जायजा किया, जिसमें कई खामियां पायी गईं.

गो सेवा आयोग के अध्यक्ष ने बताया कि जुगसलाई स्थित टाटानगर गोशाला का संचालन नियम विरुद्ध किया जा रहा है. गो माता की सेवा के बजाय वहां रोजगार को बढ़ावा दिया जा रहा है. उन्होंने कहा कि गोशाला प्रबंधन की ओर से आयोग को घटना की जानकारी नहीं दी गई. किसी माध्यम से सूचना मिलने पर आयोग के उपाध्यक्ष ने मौके का मुआयना किया था.

टाटानगर गोशाला का निरीक्षण करते आयोग के अध्यक्ष व उपाध्यक्ष.

नियमों की अनदेखी कर भवन निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया : राजीव रंजन ने कहा कि यहां नियमों की अनदेखी कर भवन निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया गया. इसके लिए ठेकेदार भी बराबर का दोषी है. गोशाला प्रबंधन एवं ठेकेदार के बीच हुए एग्रीमेंट की कॉपी मांगी गई है. साथ ही नोटिस भेज कर सात दिनों में जवाब देने के लिए कहा गया है. नियम संगत जवाब नहीं मिलने पर गो हत्या निषेध कानून के तहत कार्रवाई की जाएगी. उल्लेखनीय है कि बीते छह अगस्त को गोशाला के बगल निर्माणाधीन मार्केट कंपलेक्स के लिए खोदे गड्ढे की वजह से गायों के रहने के लिए बना शेड गिर गया था. इस घटना में तीन गायों की मौत हो गई थी, जबकि कुछ गाय घायल हो गई थी.

आयोग अध्यक्ष ने प्रबंधन के स्वागत-सत्कार को नकारा

रविवार को गो सेवा आयोग की टीम जब टाटानगर गोशाला पहुंची, तो वहां गोशाला प्रबंधन समिति के कई लोग मौजूद थे. प्रबंधन के लोगों ने आयोग के अध्यक्ष व उपाध्यक्ष का स्वागत-सत्कार करना चाहा, लेकिन आयोग के अध्यक्ष राजीव रंजन ने साफ इंकार कर दिया. पूछताछ करने पर संतोषजनक जवाब नहीं देने पर प्रबंधन को फटकार भी लगायी. कहा कि इतनी बड़ी घटना होने के बाद भी आयोग को अंधेरे में रखा गया. उन्होंने गायों के रख रखाव व व्यवस्था पर सवाल खड़ा किया.

लोहरदगा के कुडू में जंगली हाथियों के झुंड ने फिर उत्पात मचाया

जिंगी में हाथियों ने 10 घरों को तोड़ा

- किराना दुकान में तोड़फोड़ कर लाखों का नुकसान पहुंचाया
- घरों में रखे अनाज को भी चट कर गया जंगली हाथियों का झुंड

संवाददाता। लोहरदगा

जिले के कुड़ू प्रखंड क्षेत्र में जंगली हाथियों के झुंड ने जमकर तांडव मचाया. यहां जिंगी पंचायत के तान के जंगली हाथियों ने 10 से अधिक घरों को क्षतिग्रस्त कर दिया. घर में रखे अनाज को भी चट कर गये. एक किराना दुकान में भी तोड़फोड़ कर दिया. इससे दुकान में रखे लाखों रुपये के सामान बर्बाद हो गये.

बता दें पिछले चार माह से गजराजों की टोली कुड़ू प्रखंड क्षेत्र के दर्जन भर गांवों में उत्पाद मचाए हुए है. जंगली हाथियों के उत्पात से ग्रामीण और किसान परेशान हो चुके हैं. प्रभावित ग्रामीणों ने कहा कि हाथियों का झुंड आबादी वाले क्षेत्र में ही टिका हुआ है. दिन हो रात, ग्रामीण दहशत के साये में जी रहे हैं.

आजसू नेत्री ने लिया जायजा डीएफओ से भी बात की : जंगली हाथियों के उत्पात की सूचना पर आजसू पार्टी की लोहरदगा विधानसभा प्रभारी नीरू शांति भगत पीड़ित ग्रामीणों से मिलने पहुंचीं. उन्होंने क्षति की जानकारी ली और मौके से ही डीएफओ से दूरभाष पर बात की. आजसू नेत्री ने जिन गरीबों के घर व दुकान को नुकसान पहुंचा है, उन्हें यथाशीघ्र मुआवजा दिए जाने का आग्रह किया. डीएफओ अभिषेक कुमार ने भी सकारात्मक पहल का भरोसा दिया.

नुकसान का जायजा लेती आजसू पार्टी की विस प्रभारी नीरू शांति भगत व अन्य.

झारखंड में मुद्दों को लेकर मुखर रहे वामदल, पर वोट की दौड़ में रह गये पीछे

- 2005 में तीन, 2009 और 2014 में दो, 2019 में लेफ्ट के कैंडिडेट विधानसभा में पहुंचे
- नीरसा, सिंदरी, बगोदर सहित एक दर्जन सीटों पर रही है लेफ्ट की मजबूत मौजूदगी

प्रवीण कुमार। रांची

झारखंड राज्य के गठन से पहले बिहार विधानसभा में वामदलों के 14 विधायक हुआ करते थे. इनमें से 5 के करीब झारखंड के हिस्से से चुने जाते थे. इनमें माले के छह, सीपीएम के दो, सीपीआई के पांच विधायक जीत कर विधानसभा पहुंचते थे. एमसीसी के पास भी एक सीट थी. भाकपा के विशेश्वर खान राज्य के पहले प्रोटेम स्पीकर बनाए गए थे, लेकिन राज्य गठन के बाद से ही लेफ्ट पार्टियों का जनाधार कमजोर होता गया.

झारखंड में विधानसभा चुनाव लड़ने वाले प्रमुख लेफ्ट पार्टी में माकपा माले, सीपीएम, सीपीआई, मासस और फॉरवर्ड ब्लॉक प्रमुख हैं. पिछले चार विधानसभा चुनावों में 2005 में इन दलों को 7.35 प्रतिशत वोट मिले और तीन विधानसभा में पहुंचे. 2009 में इनका वोट गिरा.

इन्हें 5.03 प्रतिशत वोट मिले और दो विधायक चुने गये. 2014 में इनके वोट प्रतिशत में गिरावट जारी रही. 4.73 प्रतिशत वोट मिले और एक विधायक चुने गये. 2019 के विधानसभा चुनाव में लेफ्ट पार्टियों को 3 प्रतिशत वोट से ही संतुष्ट रहना पड़ा और एक विधायक विधानसभा में पहुंचने में सफल हो सके. वहीं 2019 को विधानसभा चुनाव में निरसा और सिंदरी में मासस दूसरे स्थान पर रही. पाकुड़, महेशपुर, नाला, राजधानवार, बहरागेड़ा, सिल्ली. हटिया और लिट्टीपाड़ा विधानसभा सीट पर लेफ्ट पार्टियां तीसरे और चौथे स्थान पर रहीं.

तीन दर्जन से अधिक विस सीट पर वामदल लड़ते हैं चुनाव

राजनीतिक प्रेक्षकों के मुताबिक वामदल लगातार झारखंड की राजनीति में कद बढ़ाने की कोशिश में लगे हैं. 2024 के विधानसभा चुनाव में सीपीआई दो दर्जन से अधिक सीट पर उम्मीदवार उतारने का तैयारी कर रहा है. माकपा माले में एकीकरण के बाद 17 विधानसभा सी पर चुनाव की तैयारी कर रही है. सीपीआईएम भी एक दर्जन से अधिक सीट पर उम्मीदवार खड़े कर सकती है. फारवर्ड ब्लॉक करीब आधे दर्जन सीटों पर अपने उम्मीदवार खडे.कर सकती है.

कोयला खदान वाले इलाकों में वोट नहीं जुटा पा रहे वामदल

झारखंड की पहली विधानसभा में वाम दलों के विधायकों की संख्या तीन थी, जो बाद में घटती ही गई. वामदल इसके पीछे जोड़-तोड़ की राजनीति को दोषी ठहराते हैं. चुनाव में बढ़ती जा रही पैसे की भूमिका को भी जिम्मेदार ठहराते हैं. इससे किसी को शायद ही इनकार हो, लेकिन मजदूर संगठनों में असरदार भूमिका में होने के बावजूद कोयला खदान वाले इलाकों या बोकारो तक में अपने सदस्यों-समर्थकों के वोट नहीं जुटा पा रहे हैं.

किस चुनाव में लेफ्ट पार्टी को कितने प्रतिशत वोट मिले

2005

पार्टी	उम्मीदवार	कुल मत प्रतिशत	जीते
सीपीआई	15	1.80	–
सीपीएम	13	0.99	0
माकपा माले	28	2.46	1
फॉरवर्ड ब्लॉक	12	1.00	2
मासस	5	1.01	0

2009

पार्टी	उम्मीदवार	कुल मत प्रतिशत	जीते
सीपीआई	8	0.86	–
सीपीएम	10	0.46	0
माकपा माले	33	2.35	1
फॉरवर्ड ब्लॉक	11	0.27	1
मासस	5	1.01	0

2014

पार्टी	उम्मीदवार	कुल मत प्रतिशत	जीते
सीपीआई	24	0.89	–
सीपीएम	12	0.35	0
माकपा माले	39	1.52	1
फॉरवर्ड ब्लॉक	14	0.27	1
मासस	13	1.02	0
सीपीआईएम	6	0.5	0

2019

पार्टी	उम्मीदवार	कुल मत प्रतिशत	जीते
सीपीआई	18	0.46	–
सीपीएम	10	0.32	0
माकपा माले	14	1.15	1
फॉरवर्ड ब्लॉक	09	0.04	0
मासस	08	0.97	0
सीपीआईएम	3	0.02	0

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष शेयर बाजार से लाभ का योग है. समय उत्तम है, पर किया गया परिश्रम सार्थक होने में विलंब होगा. वही परीक्षा-प्रतियोगिता में सफलता प्राप्त करेंगे. परिवारिक जीवन सुखमय होगा. खर्चों की अधिकता रहेगी. किया गया कार्य लाभ देगा.

वृषभ अधिक भोजन से परहेज करें. बहुत जरूरी है तो ही ऋण ले. आर्थिक स्थिति में सुधार होगा. काम-काज के लिए अच्छा रहेगा. परिवार के साथ अच्छा समय व्यतीत होगा. मन में कुछ नकारात्मक विचार आ सकते हैं.

मिथुन घर में किसी महिला के स्वास्थ्य पर ध्यान देने की आवश्यकता है. घरेलू विवाद कोशिश करने से सुलझ सकता है. भाग्योदय लेट संभव है. पारिवारिक सुख अच्छा मिलेगा. मिथ्या आरोप लगने के कारण क्रोध बढ़ सकता है.

कर्क माता से विवाद से बचें. किसी महिला से विवाद हो सकता है. सोच विचार कर कार्य करें. काम काज सामान्य रहेगा. मन प्रसन्न रहेगा. नवीन मित्रता हो सकती है. परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य में कमी देखने को मिल सकती है.

सिंह सत्कर्म के लिए मन प्रेरित होगा. भाई के साथ कहीं यात्रा का योग है. परिवार के सदस्यों की तरफ से सुख और सहयोग मिलेगा. आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली बना रहेगा. शुभफलों की प्रधानता रहेगी. अपनों से विवाद से दूर रहें.

कन्या क्रोध पर काबू जरूरी है. रूखे व्यवहार से बनी बनाई बात बिगड़ सकती है. क्रोध पर नियंत्रण रखें. काम काज सामान्य रहेगा. परीक्षा एवं प्रतियोगिता में आशाजनक परिणाम प्राप्त हो सकते हैं. किसी से मन-मुटाव हो सकता है.

तुला काम काज सामान्य रहेगा. आज आपका मन किसी भी काम में पूरी तरह से नहीं लग पाएगा. आपके लिए निराशाजनक हालात पैदा हो सकते हैं. परिवार या मित्र से मतभेद हो उत्पन्न हो सकते हैं. विवाद से बचें.

वृश्चिक समाज में पूछ परख बढ़ेगी. खर्च में वृद्धि का योग है. पर कामकाज में सफलता मिलेगी. दूसरों के साथ अच्छे संबंध बने रहेंगे. स्वास्थ्य को लेकर चिंताएं बन सकती है. वाहन के प्रति सावधानी रखने की आवश्यकता है. अन्न का दान करें.

धनु पिता से लाभ का योग है. आय के लिए किया गया प्रयास सफल होगा. आर्थिक स्थिति अच्छी होगी. वाहन चलाते समय सावधानी बरतें. खर्चे में बढ़ोतरी होगी. स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें. शिवलिंग पर दूध और जल अर्पण करें.

मकर सरकारी कार्य मे गति मिलेगा. कोई बड़ा बाधा दूर होगा. कामकाज में सफलता मिलेगी. शिक्षा-प्रतियोगिता के क्षेत्र में सफलता मिलेगी. परिवार के लोगों के साथ अच्छा तालमेल बना रहेगा. शिवलिंग पर दूध अर्पण करें.

कुंभ समय बहुत ही उत्तम है. जीवन साथी की भावनाओं की कद्र करें. शुभ समाचारों की प्राप्ति होगी. स्वभाव में गंभीरता एवं एकाग्रता बनी रहेगी. परिवार की तरफ से मन प्रसन्न रहेगा. आलस का त्याग करें. काला वस्तु का दान करें.

मीन बेकार की बहस से बचें. करीबियों की भावनाओं की कद्र करें. आपके मन में एक नया उत्साह और जोश दिखाई देगा. आपके कार्य और प्रभाव से कामकाज में लाभ होगा. स्वास्थ्य का ध्यान रखें. पीली वस्तु का दान करें.

राज्य सेवा के दो अफसर बदले

रांची। राज्य सरकार ने राज्य प्रशासनिक सेवा के दो अफसरों का तबादला कर दिया है. महेश कुमार संथालिया को पाकुड़ के डीडीसी के पद पर पदस्थापित किया गया. इससे पहले वे स्वास्थ्य विभाग में संयुक्त सचिव के पद पर पदस्थापित थे. वहीं संजय कुमार दास को परियोजना निदेशक जनजाति विकास अभिकरण साहिबगंज के पद पर पदस्थापित किया गया है. कार्मिक ने इसका आदेश जारी कर दिया.

प्रखंड कार्यालय परिसर में वज्रपात

गिद्धौर(चतरा)। गिद्धौर प्रखंड कार्यालय परिसर में रविवार को तेज वर्षा के साथ अचानक वज्रपात हो गया. जिससे कुछ देर के लिए परिसर में अफरा तफरी मच गई. वज्रपात से प्रखंड कार्यालय में लगे सारे सिस्टम जल गए . वहीं मौके पर उपस्थित बीडीओ राहुल देव सहित अन्य कर्मी बाल-बाल बच गये.बीडीओ श्री देव ने बताया कि रविवार के दिन भी कार्यालय परिसर में सरकारी काम से कई कर्मी उपस्थित थे. इसी बीच तेज बारिश के साथ अचानक वज्रपात हो गया. जिससे लगभग सभी सिस्टल जल गए. हालांकि कोई अप्रिय घटना नही घटी. मौके पर पंचायत सचिव उज्ज्वल सिंह, दिगम्बर पांडेय, प्रियंका प्रिया समेत अन्य कर्मी मौजूद थे.

हर वर्ग की महिलाओं को सम्मान दे रही हेमंत सरकार : तनवीर आलम

गढ़वा। झामुमो जिलाध्यक्ष तनवीर आलम ने कहा है कि सरकार द्वारा चलाई जा रही झारखंड मुख्यमंत्री माईयां सम्मान योजना महिला सशक्तिकरण की दिशा में बेहतर कदम है. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन नारी सशक्तिकरण को लिए काफी गंभीर है. इसके तहत छात्राओं को शिक्षा में मदद के लिए सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना के माध्यम से कक्षा 8 से लेकर स्नातक तक की छात्राओं को सरकार 40 हजार रुपए का सहयोग प्रदान कर रही है. वृद्धा पेंशन की उम्र सीमा को कम करते हुए 50 वर्ष के ऊपर की सभी महिलाओं को वृद्धा पेंशन से हर माह एक हजार रुपए का सहयोग देने की घोषणा कर चुकी है. मातृत्व अवकाश को बढ़ाते हुए राज्य सरकार ने दो वर्ष कर दिया. इसका लाभ अब संविदा पर नौकरी कर रही महिलाओं को भी प्राप्त होगा. उक्त बातें झामुमो नेताओं ने रविवार को गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर के आवास पर प्रेस कांफ्रेंस आयोजित कर कही.

लोकसभा चुनाव की तरह विधानसभा चुनाव में भी बांटने वाली ताकतों से बचकर रहने का आह्वान

वंचितों को कुचलने का भाजपा का सपना अब टूट गया : मीर

खास बातें

- बनहोरा में विश्व आदिवासी दिवस पर हुआ कार्यक्रम
- झारखंड सरकार गरीबों के लिए अच्छा काम कर रही है

विशेष संवाददाता। रांची

कांग्रेस के महासचिव व झारखंड प्रभारी गुलाम मोहम्मद मीर ने कहा है कि लोकसभा चुनाव में भाजपा के नेताओं ने अबकी बार 400 पार का नारा दिया था लेकिन जिस प्रकार से देश ने भाजपा को 240 सीट पर समेट दिया है. उसके बाद यह स्पष्ट है कि बैसाखियों पर चलती केन्द्र सरकार अगले पांच साल तक अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और पसमांदा को उसके हक और अधिकारों से वंचित नहीं कर सकती. यदि किसी भी गलती से भाजपा को अपने सपने के अनुसार लोकसभा चुनाव में अपेक्षित सीट मिल जाती तो आरक्षण समाप्त हो जाता. ये बातें मीर ने बनहोरा में आयोजित विश्व आदिवासी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में कहीं. उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार ने गरीबों के लिये बहुत अच्छे काम किये हैं और बड़ी संख्या में लोग सरकार की कल्याणकारी एवं गरीबों-वंचितों के लिये लाभकारी योजनाओं का लाभ उठा रहे हैं.

राजीव गांधी की जयंती पर मंईयां योजना की राशि दिए जाने का शुभारंभ हो

उन्होंने विशेष रूप से अबतक मुख्यमंत्री मंइयां सम्मान योजना में प्राप्त 37 लाख से अधिक आवेदनों की चर्चा करते हुए कहा कि उन्होंने सरकार को यह सुझाव दिया है कि पूर्व प्रधानमंत्री स्व राजीव गांधी की जयंती पर अगले 20 अगस्त से सांकेतिक रूप से ही सही लेकिन मुख्यमंत्री मंइयां सम्मान योजना की शुरुआत की जाये और महिलाओं के खाते में रकम जाने की शुरुआत हो.

झारखंड को एमपी और असम से आए नेताओं की जरूरत नहीं : मीर ने कहा कि झारखंड को मध्य प्रदेश और असम जैसे प्रदेशों से आये हुए लोगों की जरूरत नहीं है और वे खुद अपनी समस्याओं का समाधान करने में सक्षम हैं. कांग्रेस प्रभारी ने कहा कि कांग्रेस विशाल और खुले विचारों वाली पार्टी है और सभी लोग अपने विचार और राय रखने को स्वतंत्र हैं. उन्होंने सभी से आह्वान किया कि झारखंड विधानसभा चुनाव के लिये तैयार हो रहे कांग्रेस के घोषणापत्र के लिये अपनी वैसे विचार दें जो झारखंड और यहां की जनता के हित में हो. श्री मीर ने कहा कि भाजपा और उसके नेता, भारतीय धर्म, संस्कृति और समाज की बजाय सत्ता की परवाह करते हैं. इसी कारण उसे 2014 और 2019 के चुनाव में तो सफलता मिल गयी लेकिन 2024 के चुनाव में मतदाताओं ने उसे ऐसा समेटा कि अब केंद्र सरकार अगले पांच साल तक बैसाखी पर चलने को मजबूर है.

आदिवासी अधिकार और आरक्षण बचाने की ताकत रखती है : बंधु

कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने कहा कि आदिवासियों की सभ्यता-संस्कृति, बरसों-बरस पुरानी है और इसी के कारण प्रकृति का स्वरूप कायम है. उन्होंने कहा कि आदिवासी जल, जंगल एवं जमीन से जुड़े हैं और इसे बचाने के साथ और इसे बचाने के साथ सबसे ज्यादा जरूरत देश के संविधान की रक्षा करने की है क्योंकि वही आदिवासियों के अधिकार और उनके आरक्षण को हर हाल में बचाने की ताकत रखती है.

साजिशों से बचने की जरूरत : ठाकुर

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि लोकसभा चुनाव की तरह विधानसभा चुनाव में भी भाजपा और उसके नेताओं की साज़िशों से बचकर रहने की जरूरत है. इस मौके पर मांडर की विधायक शिल्पी नेहा तिर्की ने अपने सम्बोधन में कहा कि आदिवासियों की संस्कृति के संरक्षण के लिए हमेशा बढ़-चढ़कर आगे रहने की जरूरत है.

कई किए गए सम्मानित : विश्व आदिवासी दिवस समारोह में समाज के प्रति अपना विशिष्ट योगदान देनेवाले बनहोरा क्षेत्र के 30 सम्मानित एवं वरिष्ठ नागरिकों के साथ ही परीक्षा से श्रेष्ठ प्रदर्शन करनेवाले 30 लोगों को एक-एक हजार रुपये की सम्मान राशि दी गयी. इसके साथ ही क्षेत्र के विविध गावों के लोगों की सुविधा के लिए कुर्सियां दी गयी. उपस्थित अतिथियों एवं गणमान्य लोगों के बीच इस अवसर पर पौधे का विवरण भी किया गया. विश्व आदिवासी दिवस की शुरुआत से पूर्व मीर, ठाकुर एवं श्री तिर्की ने पारंपरिक रूप से जतरा खूंटा की पूजा की और जल चढ़ाया साथ ही सभी अतिथियों ने जतरा मैदान में वृक्षारोपण भी किया.

मंत्री सत्यानंद भोगता ने लालू और तेजस्वी से चुनावी चर्चा की

तेजस्वी यादव से मुलाकात करते श्रममंत्री सत्यानंद भोगता.

संवाददाता। चतरा

झारखंड विधानसभा चुनाव की सुगबुगाहट चरम पर है. चुनाव के मद्देनजर झारखंड प्रदेश के एकमात्र राजद विधायक सत्यानंद भोगता ने आज पटना में राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव से मुलाकात की. इस मुलाकात को शिष्टाचार मुलाकात बताया जा रहा है. लेकिन राजनीतिक गलियारे में इसे सीट बंटवारे को लेकर चर्चा बताया जा रहा है. बता दें कि चतरा से राजद विधायक सह झारखंड राज्य के कैबिनेट मंत्री सत्यानंद भोगता ने आज राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव से उनके पटना स्थित आवास पर मुलाकात की. इसके बाद मंत्री श्री भोगता ने बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव से मुलाकात की. बताया जा रहा है कि झारखंड में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर गहन चर्चा हुई है. झारखंड विधानसभा चुनाव में मंत्री सत्यानंद भोगता किंगमेकर की भूमिका निभा सकते हैं. वह झारखंड में पांच बार मंत्री रह चुके हैं. उनकी झारखंड की राजनीति पर अच्छी पकड़ है. झारखंड में राजद के एक ही विधायक सत्यानंद भोग हैं. मंत्री सत्यानंद भोगता पिछले उपचुनाव में भी स्टार प्रचारक रह चुके हैं. मंत्री सत्यानंद भोगता ने झारखंड के मुख्यमंत्री के साथ सबसे ज्यादा सभा करने का रिकॉर्ड बनाया है. सूत्रों की मानें तो मंत्री सत्यानंद भोगता को आगामी झारखंड विधानसभा चुनाव में बड़ी जिम्मेदारी दी जाएगी.

कुलदीप की दावेदारी ने भाजपा विधायक की बढ़ा दी परेशानी

- प्रदेश प्रभारी और प्रदेश अध्यक्ष से मिलकर रखी अपनी बात

इटखोरी (चतरा)।

सिमरिया विधानसभा क्षेत्र में भाजपा के वर्तमान विधायक किशुन कुमार दास की परेशानी टंडवा प्रखंड मुख्यालय निवासी कुलदीप कुमार दास ने प्रत्याशी के लिए दावेदारी पेश कर बढ़ा दी है. ज्ञात हो कि विधायक श्री दास व पत्रकार कुलदीप टंडवा के ही निवासी हैं. साथ ही क्षेत्र की समस्याओं के निराकरण में विधायक पर दोहरी नीति अपनाने का आरोप लगते रहे हैं. ऐसे में पत्रकार श्री दास प्रदेश में उच्चस्तरीय नेताओं संग संबंध हो या अपने कार्य में अलग पहचान बनाते हुए मजबूत दावेदारी पेश करते हुए केंद्र से लेकर प्रदेश स्तर के सभी नेताओं से मिलने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं. अब देखना होगा कि भाजपा में सिमरिया विधानसभा प्रत्याशी के दौड़ में ये कितनी लंबी छलांग लगाते हैं. इधर कुलदीप कुमार दास दावेदारी पेश करने के बाद झारखंड के भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, राज्यसभा सांसद आदित्य साहू, नेता प्रतिपक्ष अमर बाऊरी, असम के मुख्यमंत्री सह झारखंड चुनाव प्रभारी हेमंता विश्व शर्मा समेत कई प्रदेश के नेताओं से मुलाकात कर कर उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं. हालांकि इनके अलावे भी पत्थलगड़ा के दिनेश्वर राम, सुजीत भारती के अलावे कई क्षेत्र के बाहर के भी नेता हैं जो दावेदारी पेश कर रहे हैं.

बाबूलाल मरांडी से मिलते कुलदीप.

रणनीति पूरे राज्य में संगठन का होगा विस्तार व सुदृढ़ीकरण किया जा रहा है

जो पिछड़ों की बात करेगा, वैश्य समाज उसके साथ : महेश्वर

संवाददाता। गढ़वा

झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहू ने कहा है कि पूरे प्रदेश में संगठन का विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण किया जएगा. इसके तहत गढ़वा में गढ़वा में संयोजक नियुक्त किए गए हैं. उन्होंने कहा कि पिछड़ों के हित की जो बात करेगा, पिछड़ों को अधिकार दिलाने का काम करेगा आगामी विधानसभा चुनाव में वैश्य मोर्चा उसके साथ रहेगा. श्री साहू ने तीन दिवसीय गढ़वा प्रवास के दौरान रविवार को सर्किट हाउस में प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर उक्त बातें कही. श्री साहू ने कहा कि उनकी टीम तीन दिवसीय गढ़वा जिला के दौरा पर है. संगठन विस्तार एवं अपने मुद्दों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए यह दौरा किया जा रहा है. वैश्य मोर्चा नेताओं ने केंद्रीय महासचिव गढ़वा जिला प्रभारी कंचन साहू के नेतृत्व में परिसदन में प्रमुख लोगों के साथ आयोजित बैठक में सर्वसम्मति से भुनेश्वर सोनी एवं संतोष कुमार गुप्ता को जिला संयोजक तथा संजय केशरी को गढ़वा नगर मंडल संयोजक मनोनीत किया गया है. साथ ही मेराल के सामुदायिक भवन में आयोजित प्रखंड स्तरीय बैठक में सर्वसम्मति से सुनेश्वर साह एवं अनुज प्रसाद को प्रखंड संयोजक बनाया गया. जबकि प्रमोद कुमार तथा सूर्य योगेन्द्र कुमार को युवा मोर्चा का संयोजक बनाया गया है. श्री साहू ने कहा कि आगामी 2 अक्टूबर को रांची में सद्भावना वैश्य महासम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है. इसमें राज्य के सभी जिलों से अधिक से अधिक संख्या में लोगों को शामिल होने की तैयारी की जा रही है. उन्होंने कहा कि राज्य में पिछड़ों की आबादी 52 प्रतिशत से अधिक है. इसमें 40 प्रतिशत से अधिक वैश्य हैं. अलग राज्य बनने के बाद भाजपा ने पिछड़ा वर्ग को सबसे अधिक नुकसान पहुंचाया है. एकीकृत बिहार में ओबीसी समाज को 27 प्रतिशत आरक्षण दिया गया था. परंतु झारखंड बनने के बाद भाजपा ने इसे घटाकर 14 प्रतिशत कर दिया.

प्रेस कॉन्फ्रेंस करते मोर्चा के पदाधिकारी.

डेडीकेटेड प्रीमियर स्कूल में पेरेंट्स-टीचर मीटिंग का आयोजन

मेदिनीनगर। शहर के सुदना स्थित डेडीकेटेड प्रीमियर स्कूल में पेरेंट्स-टीचर मीटिंग का आयोजन किया गया. जिसमें बच्चों के पीटी परीक्षा का परिणाम घोषित किया गया. पूर्व के मुकाबले बच्चों के रिजल्ट में अपेक्षित सुधार देखी गई. इससे अभिभावक अपने बच्चों के परीक्षा परिणाम से संतुष्ट दिखे. प्री नर्सरी से 11वीं तक के सभी वर्गों के टॉपर छात्रों को सम्मानित किया गया. स्कूल द्वारा बच्चों के समुचित विकास के लिए किए गए प्रयासों की अभिभावकों ने खूब सराहना की. स्कूल की प्राचार्य डॉ श्वेता कुमारी व निदेशक इं. विनय मेहता ने बच्चों और अभिभावकों का मार्गदर्शन किया और आगामी अर्धवार्षिक परीक्षा में बेहतर करने की शुभकामनाएं दी. मौके पर विद्यालय के कोऑर्डिनेटर नीलिमा मिश्रा, नीतू मिश्रा, अविनाश आनंद कुमार, श्वेता पाठक, निशिकांत दुबे, विशाल मल्होत्रा, श्वेता कुमारी, नेहा कुमारी, पूनम पांडेय, धीरेंद्र उपाध्याय, श्वेता शबनम और चंद्रदीप कुमार, राजन सर, चंदन सर आदि के साथ अभिभावकों में प्रभात अग्रवाल, संजीव कुमार सिंह, विजय उपाध्याय, कुणाल तिवारी आदि उपस्थित थे.

पेज एक का शेष

सेबी चीफ की फर्म ...

दंपती की कुल संपत्ति एक करोड़ डॉलर : हिंडनबर्ग ने दावा किया है कि अडानी समूह के मॉरीशस और विदेशी फर्जी इकाइयों के कथित अस्पष्ट जाल को लेकर सेबी ने आश्चर्यजनक रूप से रुचि नहीं दिखाई है. कहा, आईआईएफएल में एक प्रमुख के हस्ताक्षर वाले फंड की घोषणा में कहा गया है कि निवेश का स्रोत वेतन है और दंपती की कुल संपत्ति एक करोड़ अमेरिकी डॉलर आंकी गई है. दस्तावेजों से पता चलता है कि अच्छी साख वाले हजारों भारतीय म्यूचुअल फंड होने के बावजूद सेबी की चेयरपर्सन माधवी बुच और उनके पति ने कम परिसंपत्तियों के साथ एक बहुस्तरीय विदेशी कोष में हिस्सेदारी ली थी. हिंडनबर्ग ने कहा कि इनकी परिसंपत्तियां उच्च जोखिम वाले अधिकार क्षेत्र से होकर गुजरती थीं। इसकी देखरेख घोटाले से कथित तौर पर जुड़ी एक कंपनी करती थी. यह वही इकाई है, जिसे अडानी के निदेशक चलाते थे और विनोद अडानी ने कथित अडानी नकदी हेरफेर घोटाले में महत्वपूर्ण रूप से उपयोग किया था.

रिपोर्ट में सुप्रीम कोर्ट का भी हवाला दिया : रिपोर्ट में सुप्रीम कोर्ट के उस आदेश का हवाला भी दिया गया है जिसमें कहा गया था कि सेबी इस बात की जांच में खाली हाथ रहा कि अडानी के कथित विदेशी शेयरधारकों का वित्तपोषण किसने किया था. हिंडनबर्ग ने कहा, अगर सेबी वास्तव में विदेशी कोष धारकों को ढूंढना चाहता था तो शायद सेबी प्रमुख खुद को आईने में देखकर इसकी शुरुआत कर सकती थीं. हमें यह आश्चर्यजनक नहीं लगता कि सेबी उस मामले का पीछा नहीं करना चाहता था, जो उसके अपने प्रमुख तक जाता था. सेबी ने इस साल 26 जून को हिंडनबर्ग को एक कारण बताओ नोटिस भेजकर जानबूझकर सनसनी फैलाने और कुछ तथ्यों को विकृत करने" के साथ अपना दांव लगाने के लिए न्यूयॉर्क हेज फंड के साथ काम करने का आरोप लगाया था.

किसानों को मिलेगा लाभ

पीएम मोदी वर्ष 2014 से ही किसानों की आय बढ़ाने के लिए टिकाऊ खेती के तरीकों और जलवायु अनुकूल तरीकों की वकालत करते रहे हैं. उन्होंने लगातार जैव-सुदृढ़ किस्मों को बढ़ावा देने पर जोर दिया है और कुपोषण से निपटने के लिए उन्हें मध्याह्न भोजन योजना और आंगनवाड़ी सेवाओं जैसी सरकारी पहलों से जोड़ा है.

बजट में पीएम-प्रणाम योजना की घोषणा : बता दें कि भारत सरकार पहले से ही पर्यावरण की चिंता के साथ हरित और टिकाऊ कृषि और अच्छी कृषि प्रथाओं के माध्यम से हरित कृषि को बढ़ावा दे रही है. यह राष्ट्रीय सतत कृषि मिशन (एनएमएसए) को लागू कर रहा है जो जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय कार्य योजना (एनएपीसीसी) के तहत राष्ट्रीय मिशनों में से एक है. एनएमएसए का उद्देश्य भारतीय कृषि को बदलती जलवायु के प्रति अधिक लचीला बनाने के लिए रणनीतियों को विकसित और लागू करना है. इसके अलावा, सरकार ने बजट 2023-24 में धरती माता के पुनरुद्धार, जागरूकता, पोषण और सुधार के लिए प्रधानमंत्री कार्यक्रम (पीएम-प्रणाम) योजना की भी घोषणा की है, जिसका उद्देश्य राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को वैकल्पिक उर्वरकों के उपयोग और रासायनिक उर्वरकों के संतुलित उपयोग को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित करना है.

मैंने सत्ता छोड़ी...

सर्वशक्तिमान अल्लाह की कृपा से मैं जल्द ही वापस आऊंगी. शेख हसीना ने आगे कहा है कि अवामी लीग ने बार-बार आवाज उठाई है. मैं बांग्लादेश के भविष्य के लिए हमेशा प्रार्थना करूंगी, वह राष्ट्र जिसके लिए मेरे महान पिता ने संघर्ष किया. वह देश जिसके लिए मेरे पिता शेख मुजीबुर रहमान और परिवार ने अपनी जान दे दी.

मैंने आपको कभी रजाकार नहीं कहा : आरक्षण आंदोलन और छात्र विरोध का जिक्र करते हुए हसीना ने कहा, मैं बांग्लादेश के युवा छात्रों से दोहराना चाहूंगी कि मैंने आपको कभी रजाकार नहीं कहा. बल्कि मेरे शब्दों को आपको भड़काने के लिए तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया. मैं आपसे उस दिन का पूरा वीडियो देखने का अनुरोध करती हूं. षड्यंत्रकारियों ने मासूमियत का फायदा उठाया है और राष्ट्र को अस्थिर करने के लिए आपका इस्तेमाल किया है.

राज्य के 4.73 लाख किसानों ...

13 जिलों में 20 हजार से अधिक किसानों के ऋण माफ : 13 जिलों के 20 हजार से अधिक किसानों के 50 हजार रुपये तक के ऋण माफ किए जा चुके हैं. इनमें चतरा में 20,777, देवघर में 36341, दुमका में 28010, पूर्वी सिंहभूम में 26388, गढ़वा में 24346, गिरिडीह में 25308, गोड्डा में 20233, हजारीबाग में 26819, जामताड़ा में 20232, पलामू में 28637, रांची में 28674, सरायकेला-खरसांवा में 21259 और पश्चिमी सिंहभूम में 25645 किसानों के ऋण माफ किए जा चुके हैं.

धनबाद को मिला है सबसे अधिक टारगेट : धनबाद को किसानों के केवाइसी का सबसे अधिक लक्ष्य मिला है. यहां 46193 किसानों का केवाइसी किया जाना है. वहीं पूर्वी सिंहभूम में 36458, गढ़वा में 39322, गिरिडीह में 35677, गोड्डा में 33765, गुमला में 30952, जामताड़ा में 41627, रामगढ़ में 45697 और सिमडेगा में 31445 किसानों का केवाइसी किया जाना है.

किस जिले में कितने केवाइसी करने का है लक्ष्य

जिला	लक्ष्य	जिला	लक्ष्य
बोकारो	25,935	खूंटी	28,558
देवघर	29,417	कोडरमा	11,782
धनबाद	46,193	लातेहार	15,283
चतरा	34	लोहरदगा	16,074
दुमका	16,137	पाकुड़	15,216
पूर्वी सिंहभूम	36,458	पलामू	11,015
गढ़वा	39,322	रामगढ़	45,697
गिरिडीह	35,677	रांची	13,084
गोड्डा	33,765	साहिबगंज	41,358
गुमला	30,952	सरायकेला खरसांवा	21,259
हजारीबाग	20,926	सिमडेगा	31,445
जामताड़ा	41,627	पश्चिमी सिंहभूम	9,753

मोहम्मद यूनुस से अपेक्षा

उपलब्ध विकल्पों के बीच मोहम्मद यूनुस संभवतः सबसे अच्छा नाम हैं. वे एक बांग्लादेशी उद्यमी, बैंकर, अर्थशास्त्री और नागरिक समाज के नेता हैं. यूनुस को ग्रामीण बैंक की स्थापना और माइक्रोक्रेडिट और माइक्रोफाइनेंस के कॉन्सेप्ट को आगे बढ़ाने के लिए 2006 में नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया था. यूनुस को अमेरिका सहित कई अन्य राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मान मिले हैं. उन्होंने 2009 में यूनाइटेड स्टेट्स प्रेसिडेंशियल मेडल ऑफ फ्रीडम और 2010 में कांग्रेसनल गोल्ड मेडल प्राप्त किया. यूनुस उन सात व्यक्तियों में से एक हैं, जिन्हें नोबेल शांति पुरस्कार, यूनाइटेड स्टेट्स प्रेसिडेंशियल मेडल ऑफ फ्रीडम और यूनाइटेड स्टेट्स कांग्रेसनल गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया है. उन्होंने लघु ऋण के जरिए गरीब तबकों के सशक्तीकरण का प्रभावशाली प्रयोग किया है. वे पूंजीवाद के वर्तमान स्वरूप के आलोचक हैं, हालांकि मूलतः वे पूंजीवाद के खिलाफ नहीं हैं. अपने पहले मकसद में कामयाब होने के बाद बांग्लादेश के छात्र नेताओं के सामने चुनौती पैदा हुए सियासी खालीपन को भरने की है. कहा जा सकता है कि इस क्रम में इन नौजवानों परिपक्व ने पहल की है. आर्थिक समस्याओं और पूर्व सरकार की तानाशाही से परेशान लोगों के असंतोष को संगठित कर एक बड़े जन आंदोलन में तब्दील करने में इन छात्र नेताओं ने केंद्रीय भूमिका निभाई. नतीजतन, प्रधानमंत्री शेख हसीना वाजेद को देश से भागना पड़ा. अब उनकी जगह कार्यवाहक सरकार के गठन की चुनौती है. इस सिलसिले में छात्र नेताओं ने नोबेल पुरस्कार विजेता सामाजिक कार्यकर्ता मोहम्मद यूनुस का नाम आगे किया है. उन्होंने खुद यूनुस से बात की और उन्हें अंतरिम सरकार में नेतृत्वकारी भूमिका लेने के लिए राजी कर लिया. स्पष्टतः यह परंपरागत राजनीतिक दलों के प्रति युवा वर्ग में मौजूद अविश्वास का संकेत है. छात्र नेताओं ने स्पष्ट किया है कि वे सैनिक शासन बर्दाश्त नहीं करेंगे. वे जल्द से जल्द सामान्य लोकतांत्रिक प्रक्रिया की बहाली चाहते हैं. साथ ही उन नीतियों को भी वे बदलना चाहते हैं, जिससे बांग्लादेश के युवाओं के सामने अवसरहीनता की स्थिति बनी है. उन्होंने लघु ऋण के जरिए गरीब तबकों के सशक्तीकरण का प्रभावशाली प्रयोग किया है. इसी कार्य के लिए उन्हें नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था. वैचारिक तौर पर वे पूंजीवाद के वर्तमान स्वरूप की आलोचना करते रहे हैं, हालांकि बुनियादी तौर पर वे पूंजीवाद के खिलाफ नहीं हैं. शेख हसीना सरकार के साथ यूनुस टकराव की भूमिका में रहे. शायद इन सब कारणों से ही छात्रों की पहली पसंद वे बने हैं. जाहिर है, छात्र नेता देश में एक नई शुरुआत करना चाहते हैं. इसके लिए उन्होंने यथासंभव प्रयास किया है, लेकिन इस दिशा में प्रगति आसान नहीं होगी. बल्कि यह आशंका अधिक मजबूत है कि चीजें घूम-फिर कर वापस वहीं पहुंच जाएंगी. इसका प्रमुख कारण मौजूदा राजनीतिक शक्तियों का चरित्र है. उन राजनीतिक शक्तियों को किनारे लगाने के लिए एक नई वैचारिक पहल और राजनीति की जरूरत होगी. मगर उसकी जमीन फिलहाल नज़र नहीं आती.

> छात्र नेताओं ने स्पष्ट किया है कि वे सैनिक शासन बर्दाश्त नहीं करेंगे. वे जल्द से जल्द सामान्य लोकतांत्रिक प्रक्रिया की बहाली चाहते हैं. साथ ही उन नीतियों को भी वे बदलना चाहते हैं, जिससे बांग्लादेश के युवाओं के सामने अवसरहीनता की स्थिति बनी है.

सुभाषित

गौरवं प्राप्यते दानात् न तु वित्तस्य संचयात्।
स्थितिः उच्चैः पयोदानां पयोधीनां अधः स्थितिः॥

दान से गौरव प्राप्त होता है, वित्त के संचय से नहीं. जल देनेवाले बादलों का स्थान उच्च है, बल्कि जल का समुच्चय करनेवाले सागर का स्थान नीचे है. इसी प्रकार दानी का स्थान सर्वोपरि होता है. इसलिए यदि पास में संपत्ति हो तो दान अवश्य ही करना चाहिए.

सफेद टी-शर्ट राहुल की ट्रेड मार्क

मौजूदा संसद का बजट सत्र पूरी तरह नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के नाम रहा. कांग्रेस नेता हर उस जगह जा रहे हैं, जहां देश के प्रधानमंत्री को जाना चाहिए. सफेद टी शर्ट राहुल गांधी की ट्रेड मार्क बन चुकी है. राहुल गांधी आम लोगों के बीच कितने साधारण बन जाते हैं, यह देखने योग्य है. सुल्तानपुर के मोची रामचेत से मुलाकात के दौरान जूता सिलना सीखना और दिल्ली में राजमिस्त्री के साथ सीमेंट-बालू का मसाला तैयार करना इसके उदाहरण हैं.

• देश-काल

बृजेंद्र दुबे

यूं तो भारतीय राजनीति में कोई ड्रेस कोड नहीं है, लेकिन राहुल गांधी का अपने ट्रेडमार्क सफेद टी-शर्ट पर जोर है. भारतीय राजनीति में कपड़े चुनना एक कठिन प्रक्रिया है, क्योंकि आपके पास इसका कोई खास पैटर्न नहीं होता है. राजनीतिज्ञ खुद को स्वच्छ और नैतिक व आध्यात्मिकता की भावना वाले व्यक्ति के रूप में पेश करते हैं. सफेद रंग इन सभी विशेषताओं से जुड़ा हुआ है. इसलिए, राहुल की सफेद टी-शर्ट एक मजबूत राजनीतिक संदेश देती है और युवाओं से जुड़ाव का प्रतीक है. एक तरफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, जो दिन में चार बार कपड़ा बदलते हैं, वहीं नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, एक सफेद टी शर्ट में आप को हर आम व खास मौकों पर दिखते हैं. भारत जोड़ो यात्रा के बाद से राहुल गांधी की सफेद टी शर्ट भी खूब चर्चा में रही है. आज राहुल गांधी की सफेद टी शर्ट ने देश में एक ब्रांड का रूप ले लिया है. बहुत लोग इसे राहुल गांधी की सादगी भी मानते हैं. इसी सफेद टी शर्ट में देख कर आम लोग भी राहुल गांधी को अपने बीच का आदमी मानने लगे हैं, और उनसे मिलने पर अपनत्व महसूस करते हैं. याद कीजिए, भाजपा के लोगों ने इसी टी शर्ट को लेकर शुरू-शुरू में यह कह कर सवाल उठाया था कि यह तो बहुत महंगी ब्रांड (करीब 41 हजार रुपए की) वाली है. लेकिन लोगों ने उसकी परवाह नहीं की और उन्हें सिर-आंखों पर बिठा लिया. जिस सुलगते मणिपुर में पीएम नरेंद्र मोदी एकबार भी आंसू पोंछने नहीं गए, राहुल गांधी वहां तीन बार जा चुके हैं. अभी हाल ही में वायनाड में हुए जल प्रलय के बाद भी राहुल गांधी बिना देर किए अपनी बहन प्रियंका गांधी के साथ पहुंच गए. वायनाड में दो दिन रुक कर राहुल गांधी ने ज्यादा से ज्यादा पीड़ितों से मुलाकात कर सबको ढाढ़स बंधाया. राहुल गांधी ने कहा- जिस तरह का दुख मुझे अपने पिता राजीव गांधी की मौत पर हुआ था, उससे भी कहीं ज्यादा दुख मुझे वायनाड के आपदा पीड़ितों से मिल कर और उनका दर्द जानकर हुआ है. पहली बार देखने को मिल रहा है कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष के तौर पर राहुल गांधी बोलने खड़े होते हैं, तो सत्ता पक्ष में घबराहट दिखती है. राहुल गांधी तथ्यों के साथ पूरी सरकार को जिस तरह घेरते हैं, उससे साफ है कि उनका जनता से जुड़ाव और हर समस्या पर उनकी पारखी नजर का कमाल है ये. दबी जुबान से विरोधी भी राहुल गांधी की वाकपटुता और उनके अंदाज की तारीफ करने लगे हैं.

आपको याद होगा कि 4 दिसंबर 2013 को, जब अरविंद केजरीवाल की नई बनी आम आदमी पार्टी ने सभी चुनावी भविष्यवाणियों को गलत साबित करते हुए दिल्ली विधानसभा में 28 सीटें जीतीं, तो राहुल गांधी ने कहा था कि वे केजरीवाल की सफलता से सीखेंगे. लगभग 11 साल बाद, राहुल गांधी अब दिल्ली के मुख्यमंत्री (अरविंद केजरीवाल) की शैली में उनसे बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं, बल्कि उनसे भी आगे बढ़ चुके हैं. राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा और भारत जोड़ो न्याय यात्रा करके जन-जन के बीच पहुंच चुके हैं और आज पीएम नरेंद्र मोदी से भी मीलों आगे हैं. विपक्ष के नेता के रूप में राहुल गांधी लोकसभा के अंदर और बाहर दोनों जगह एक साहसी राजनेता के रूप में उभर कर आए हैं. उन्होंने नाटकीय रूप से दावा किया कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) उनके खिलाफ छापेमारी करने और उनकी गिरफ्तारी की योजना बना रही है. यह दावा उन्होंने हाल ही में आधी रात 1:52 बजे एक माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म एक्स पर किया. यह समय महत्वपूर्ण इसलिए है, क्योंकि वर्षों से, कई कांग्रेस नेता अक्सर राहुल गांधी की रात 10 बजे से सुबह 10 बजे तक की अनुपलब्धता की शिकायत करते थे. ईडी को अपने खिलाफ कार्रवाई की चुनौती देकर ऐसा लगता है कि राहुल ने कई राजनीतिक गुणा-गणित कर लिए हैं. अगर ईडी ने उन्हें नहीं बुलाया, तो राहुल एक तरह की जीत हासिल करेंगे. अगर एजेंसी आगे बढ़ती है, तो राहुल ईडी के कदम को राजनीतिक प्रतिशोध की कार्रवाई करार देंगे. इससे भी जरूरी बात यह है कि ईडी से आंतरिक और पूर्व जानकारी होने के राहुल के दावे को विश्वसनीयता मिलेगी.

लोकसभा में अपने भाषणों में राहुल गांधी लगातार दो व्यापारिक घरानों के नाम लेते रहे हैं. हर बार, जब अध्यक्ष या सत्तापक्ष की बेंचों से विरोध होता है तो राहुल के आरोप को बल मिलता है कि यह आपसी लाभ का मामला है. राहुल गांधी को राजनीतिक घराने का होने के बावजूद मैं पारंपरिक राजनेता नहीं मानता. राहुल गांधी की टीम के प्रमुख सदस्य एनजीओ और कार्यकर्ता पृष्ठभूमि से आते हैं. भारत जोड़ो यात्रा के दोनों चरणों के दौरान, 21 राज्यों से आए 150 से अधिक सिविल सोसाइटी संगठनों ने राहुल की भारत जोड़ो यात्रा में हिस्सा लिया था. पिछले कुछ महीनों में, राहुल गांधी ने एक लोकप्रिय शख्सियत बनने के बजाय पीएम मोदी के खिलाफ ध्रुवीकरण करने वाला चेहरा बनने की कोशिश की है. राहुल गांधी जनता से सीधे संवाद और बातचीत करते हैं. एक दिन उन्हें लोको पायलटों से मिलते हुए देखा जा सकता है और अगले दिन आनंद विहार रेलवे स्टेशन पर कुलियों के साथ बातचीत करते हुए, इस सीधे संपर्क और संवाद की धारणा ने राहुल को उन लोगों के मुकाबले बड़ा फायदा दिया है, जो सुरक्षा व्यवस्थाओं और सलाह को प्राथमिकता देते हैं. राहुल गांधी की जोखिम लेने की क्षमता और उनकी स्वतःस्फूर्तता की सफलता की संभावना अधिक है, क्योंकि कांग्रेस की विरासत और प्रभाव किसी भी अन्य राजनीतिक पार्टी से कहीं बड़ा है. इसलिए, यह थोड़ा आश्चर्यजनक है कि अखिलेश यादव ने शैडो कैबिनेट और शैडो प्रधानमंत्री के गठन से संबंधित एक प्रश्न पर कैसी प्रतिक्रिया दी. समाजवादी पार्टी के सुप्रीमो ने एक साक्षात्कार में पूछा कि क्यों एक ही शैडो प्रधानमंत्री होना चाहिए. हमारे पास दो, तीन या अधिक शैडो प्रधानमंत्री क्यों नहीं हो सकते, अखिलेश ने कहा, मानो अन्य इंडिया गठबंधन के सहयोगियों जैसे टीएमसी, शिवसेना (यूबीटी), एनसीपी (एसपी), आरजेडी, डीएमके आदि की चिंताओं को दिखा रहे हों. अगर कांग्रेस महाराष्ट्र, हरियाणा और झारखंड के विधानसभा चुनावों में अच्छा प्रदर्शन करती है तो विपक्षी पंक्तियों में पहले की तरह राहुल गांधी का उभरना और भी महत्वपूर्ण हो जाएगा.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

• बोधि-वृक्ष

सुज्ञ

काम का सामान्य स्वरूप

काम वस्तुतः उसके विकृत स्वरूप में ही दूषण है. यह अपने सामान्य स्वरूप में विकार नहीं है. एक ब्रह्मचारी के लिए तो काम हर दशा में अनादेय है, वहीं जो एक साथी से वचन बद्ध है या व्रतधारी है, उनके लिए मर्यादित स्वरूप में स्वीकार्य है. वैसे भी काम के प्रति जनसामान्य में सहानुभूति है. मात्र विकृत स्वरूप से ही वितृष्णा है. अतः इसे सर्वसामान्य कथन के रूप में, व्यक्तित्व का शत्रु नहीं माना जा सकता. तथापि कामविकार को तृष्णा अर्थात लोभ में परिगणित तो माना जाता ही है. प्रत्येक आत्म के साथ मोह का प्रगाढ बंधन होता है. और ये चार कषाय, मोह से ही सक्रिय होते हैं. मोह के दो स्वरूप हैं राग और द्वेष. मोह से ही मन के अनुकूल स्थिति 'राग' है और मोह से ही मन के प्रतिकूल स्थिति 'द्वेष' है. इन चार कषायों में दो 'राग' प्रेरित है और दो 'द्वेष' प्रेरित. माया और लोभ राग प्रेरित है तो क्रोध व मान द्वेष प्रेरित. 'मोह' से इतना स्रोत सम्बंध होने के उपरांत भी 'मोह' इन शत्रुओं का पोषक तो है, किंतु सीधा दूषण नहीं है. इसलिए व्यक्तित्व के शत्रुओं के रूप में क्रोध, अहंकार, कपट और लोभ को चिन्हित किया जा सकता है. निसंदेह अहंकार इन चारों में अधिक प्रभावशाली और दुर्जेय है, किंतु यदि मात्र अहंकार को लक्ष्य कर, उसे ही साधा जाय और शेष तीनो को खुला छोड दिया जाय तो वे अहंकार को सधने नहीं देते. वस्तुतः यह चारों कषाय एक दूसरे पर निर्भर और एक दूसरे के सहयोगी होने के बाद भी अपने आप में स्वतंत्र दूषण है. इसलिए चारों पर समरूप नियंत्रण आवश्यक है. एक को प्रधानता और दूसरे के प्रति जरा सी लापरवाही, उस एक को साधने के लक्ष्य को सिद्ध होने नहीं देती. कह सकते है यह शत्रुओं का घेरा है, जिस शत्रु को कमजोर समझा जाएगा वह निश्चित ही पिछे से वार करेगा. चारों के साथ, समरूप संघर्ष आवश्यक है. अब बात ईर्ष्या और आलस की तो ईर्ष्या 'अहंकार' का ही प्यादा है और आलस 'लोभ' का प्यादा. यह दोनो भी, उन चार प्रमुख शत्रुओं के अधीनस्त ही है. यदि हम गौर से देखेंगे तो स्पष्ट हो जाएगा कि क्रोध, घमण्ड, अविश्वसनीयता, और प्रलोभन हमारे व्यक्तित्व को असरदार बनने नहीं देते. और इन चारों के अधीस्त जो भी दूषण आते है वे भी सभी मिलकर हमें नैतिकता के प्रति टिकने नहीं देते. ये सभी दूषण, कम या ज्यादा सभी में होते है किंतु इनकी बहुत ही मामूली सी उपस्थिति भी विकारों को प्रोत्साहित करने में समर्थ होती है. इसलिए इनको एक्ट में न आने देना, इन्हे निरंतर निस्क्रीय करते रहना या नियंत्रण स्थापित करना ही व्यक्तित्व के लिए लाभदायक है.

किसान आंदोलन : चुनौतियां और नई उम्मीदें

• कृषि

लाल बहादुर सिंह

संयुक्त किसान मोर्चा ने 9 अगस्त को "कॉरपोरेट भारत छोड़ो दिवस" के रूप में मनाया. साथ ही मांग की कि भारत विश्व व्यापार संगठन से बाहर आए और कृषि उत्पादन तथा व्यापार में कोई बहुराष्ट्रीय कंपनी न हो. किसान नेताओं ने बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि मोदी सरकार ने अपना विजय रथ रोकने के "अपराध" के लिए किसानों से बदला लिया है और उन्हें दंडित किया है. न सिर्फ कृषि का बजट घटा दिया गया है, बल्कि उनकी जो दो मुख्य मांगें थीं, एमएसपी की कानूनी गारंटी और कर्ज माफी, उनका बजट में कहीं कोई जिक्र ही नहीं है. अन्नदाता के प्रति सरकार की संवेदनहीनता की यह पराकाष्ठा है. किसान संगठन अपनी पहल बनाए हुए हैं. उन्होंने फिर उस समय सुर्खियां बटोरीं जब वे राहुल गांधी से मिलने संसद प्रांगण में गए. शुरुआती इंकार के बाद अंततः सरकार को झुकना पड़ा और उन्हें इसकी परमिशन देनी पड़ी. राहुल से किसानों के मिलने से, वह भी संसद भवन के अंदर, सरकार का असहज होना समझ में आने लायक है, क्योंकि किसान उस एमएसपी की कानूनी गारंटी के सवाल पर मिलने गए थे, जिसका वायदा मोदी सरकार ने ऐतिहासिक किसान आंदोलन के स्थगन के समय किया था, लेकिन बाद में वायदा खिलाफी करते हुए उससे मुकर गई. किसान नेताओं ने राहुल गांधी को याद दिलाया कि विपक्षी गठबंधन ने चुनाव पूर्व घोषणाओं में एमएसपी की कानूनी गारंटी का वायदा किया था. उन्होंने उनसे मांग की कि इसके लिए वे आवाज उठाएं और लागू करवाएं. जाहिर है किसानों को सरकार से अधिक विपक्ष से उम्मीद है कि वह एमएसपी की कानूनी गारंटी लागू करवाएगी. लोकसभा चुनाव में भाजपा को किसानों के आक्रोश का शिकार होना पड़ा, जब कुल 159 ग्रामीण इलाके की सीटों पर उसे हार का मुंह देखना पड़ा. इनमें 38 सीटें पंजाब, हरियाणा, उत्तरप्रदेश, राजस्थान और महाराष्ट्र के किसान आंदोलन के सघन इलाके की सीटें हैं. लखीमपुर में किसानों के जनसंहार के आरोपी पूर्व केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्र टेनी को मोदी ने भले किसानों की बारंबार मांग के बावजूद मंत्रिमंडल से नहीं हटाया, लेकिन किसानों ने चुनाव में हराकर उसे दंडित कर दिया. कृषिमंत्री अर्जुन मुंडा को भी झारखंड के खूंटी में हार का मुंह देखना पड़ा. अब किसानों ने शिवराज सिंह चौहान को कृषि मंत्री बनाए जाने पर तीखा आक्रोश व्यक्त किया है. वे 2017 जून में मंदसौर में हुए किसानों के जनसंहार के लिए, जिसमें 6 किसान मारे गए थे, शिवराज चौहान सरकार को जिम्मेदार मानते हैं. मोर्चे ने प्रधानमंत्री मोदी और नेता विपक्ष राहुल गांधी तथा सभी सांसदों को दिए जानेवाले 14 सूत्रीय चार्टर में अपनी सभी ज्वलंत मांगों को शामिल किया है और लंबित मांगों को दोहराया है, जिनमें एमएसपी की कानूनी गारंटी, कर्जमाफी, किसानों तथा खेत मजदूरों के लिए 10 हजार मासिक पेंशन, सभी फसलों के लिए सार्वजनिक क्षेत्र द्वारा सर्वांगीण बीमा कवरेज की गारंटी शामिल है. ऐसा लग रहा है कि मोर्चे ने अपना मास डायनेमिज्म और स्वतः स्फूर्त उत्साह और जनभागीदारी का तत्व खो दिया है और संगठन संचालन के नाम पर एक तरह का फॉर्मलिज्म और यांत्रिकता हावी हो गई है. दूसरी ओर जो धड़ा पहलकदमी लेता दिख रहा है और शंभू बॉर्डर पर डेरा डाले हुए है, उसका एक हिस्सा अपने को अराजनीतिक कहता है, उसके शीर्ष नेता डल्लेवाल की संघ के किसान संगठन से नजदीकी बताई जाती है, तो दूसरा हिस्सा किसान मजदूर मोर्चा ऐतिहासिक किसान आंदोलन के समय संयुक्त किसान मोर्चा से अलग रहा और उसके ऊपर अराजकता पैदा करने के भी आरोप लगे थे. जाहिर है यह कुनबा भी किसी स्पष्ट लोकतांत्रिक वैचारिक विजन के आधार पर काम नहीं कर रहा है और इसकी राजनीतिक दिशा संदिग्ध है. उधर किसान आंदोलन के गढ़ पंजाब में कट्टरपंथी ताकतों का असर बढ़ना भी किसान आंदोलन के लिए अशुभ संकेत है. जाहिर है यह स्थिति केंद्र सरकार और भाजपा के अनुकूल है, इसलिए वे इसमें गहरी रुचि ले रहे हैं. आज जरूरत इस बात की है कि हर तरह की संकीर्णता त्यागकर सुस्पष्ट जनतांत्रिक दिशा और साझा मुद्दों तथा कार्यक्रम के आधार पर किसान संगठनों की व्यापक एकता कायम हो और एकताबद्ध संयुक्त किसान मोर्चा MSP गारंटी कानून , कर्जमाफी तथा पेंशन आदि किसानों के बीच लोकप्रिय मुद्दों को केंद्रित करते हुए मोदी सरकार को घेरने की ओर बढ़े.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

> किसान नेताओं ने राहुल गांधी को याद दिलाया कि विपक्षी गठबंधन ने चुनाव पूर्व घोषणाओं में एमएसपी की कानूनी गारंटी का वायदा किया था. उन्होंने उनसे मांग की कि इसके लिए वे आवाज उठाएं और लागू करवाएं. जाहिर है किसानों को सरकार से अधिक विपक्ष से उम्मीद है कि वह एमएसपी की कानूनी गारंटी लागू करवाएगी.

नौकरियों के पारिस्थितिकीय यथार्थ

• रोजगार

प्रो. सुनील रे

आज भारत के सामने विकास की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है, लाखों बेरोजगारों को अच्छी नौकरियां मुहैया कराना, खास तौर पर ग्रामीण भारत में.यह भी स्पष्ट है कि कॉर्पोरेट पूंजी के बड़े निवेश पर निर्भर 'ट्रिकल डाउन' अर्थव्यवस्था में अडिग विश्वास के साथ 'सामान्य रूप से व्यवसाय' प्रतिमान इन नौकरियों को बनाने में विफल रहा है.इसका मुख्य कारण यह है कि कॉर्पोरेट पूंजी की रोजगार लोच बहुत कम है, जबकि नौकरियों की मांग बहुत तेज गति से बढ़ रही है.कई कारणों से निजी पूंजी का निवेश नहीं हो रहा है, जिसमें एक तरफ घरेलू बाजार के आकार के विस्तार की कमी की ओर इशारा करने वाले संरचनात्मक मुद्दे शामिल हैं, जिसके परिणामस्वरूप वस्तुओं और सेवाओं की निरंतर कम खपत मांग है, तो दूसरी तरफ नीति के प्रति निजी क्षेत्र की दुविधा और भारत की विकास गाथा के प्रति संदिग्ध प्रतिबद्धता है. सार्वजनिक क्षेत्र भी पर्याप्त नौकरियां नहीं बना सकता. भले ही सभी पीएसयू और सरकारी रिक्तियों को भर दिया जाए, लेकिन नौकरी की समस्या का समाधान कहीं नहीं है. यह और भी गंभीर होने वाली है, विशेष कर ग्रामीण भारत में, जहां बार-बार सूखा और बाढ़ आती रहती है, और इसलिए कृषि क्षेत्र अनिश्चित प्रदर्शन वाला बना हुआ है. शिक्षित बेरोजगारों को समग्र रूप से देखते हुए नौकरियों की चुनौती को अलग रंग में देखा जा सकता है, विशेष रूप से देश के ग्रामीण इलाकों में फैले लोगों को. ये युवा अब अक्सर कम पेशेवर इनपुट के साथ अजीबोगरीब स्थिति में स्थानीय नौकरियों में आंशिक रूप से स्व-नियोजित हैं, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने, कम पूंजी वाले उद्यमशीलता उपक्रमों का समर्थन करने और परिदृश्य को बदलने के लिए नए रास्ते खोल सकते हैं. यह कम पूंजी आधारित लेकिन कुशल स्थानीय विकास प्रक्रिया की क्षमता है. यह प्रक्रिया तथाकथित 'आला संरचना' को देखकर सामूहिक उद्यमशीलता संरचना जैसे नए मॉडल के माध्यम से रोजगार सृजन के वैकल्पिक तरीके की मांग करती है. आला संरचना मूल रूप से एक पारिस्थितिक सिक्का है जो प्रजातियों के सह-अस्तित्व को समझाने के प्रयासों के हिस्से के रूप में आया था. सिद्धांत रूप में, एक-दूसरे को बाहर करने की उनकी प्रवृत्ति के बावजूदः आला संरचना में अंतर सह-अस्तित्व को स्थिर करने वाले कारकों के रूप में कार्य करते हैं. प्रजातियां अपने आप में आला संरचना बनाकर पर्यावरण को बदल सकती हैं और ऐसा करके, उक्त प्रजाति अपने आप विकसित होती है, लेकिन दूसरों को भी प्रभावित करती है. इसके साथ ही परिवर्तन और विकास को भी प्रेरित करती है. इस लेखक ने हाल ही में अपनी पुस्तक 'रूटलेज इंडिया' के अध्याय 'डीपनिंग डेमोक्रेसी' में विशिष्ट संरचना के निर्माण के माध्यम से विकेंद्रीकृत स्तर पर रोजगार सृजन में इस पर चर्चा की है, जिसमें कहा गया है कि 'उचित संरचनात्मक परिवर्तन लाने के लिए देश के बहुसंख्यक लोगों के जीवन की भौतिक स्थितियों की गहरी समझ के आधार पर रोजगार सृजन का एक वैकल्पिक परिप्रेक्ष्य आवश्यक है.' आर्थिक संदर्भ में समुदाय के भीतर से स्वयं संगठित विभिन्न आर्थिक गतिविधियों के लिए एक नई सामूहिक उद्यमशीलता संरचना या सामूहिक उद्यम प्रणाली एक आला संरचना की तरह काम करती है. इस तरह की संरचना विनिर्माण, प्रसंस्करण, मरम्मत, निर्माण, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा, व्यापार, विपणन, व्यवसाय आदि जैसी सभी प्रकार की गतिविधियों में असंख्य संबद्ध उत्पादकों के स्व-संगठनों को जन्म दे सकती है. वे सामूहिक उद्यम हैं (व्यक्तिगत स्वामित्व नहीं), लेकिन पारंपरिक अर्थों में महत्वपूर्ण रूप से सहकारी भी नहीं हैं. वे कम पूंजी आधार के साथ काम करते हैं और मुख्यधारा की आर्थिक संरचना के अनुलग्नक के रूप में नहीं, सापेक्ष स्वायत्तता बनाए रखते हैं. यह श्रमिकों की सहकारी समितियों का एक नया आविष्कार है. श्रमिकों का एक स्वतंत्र निर्माण, न कि सरकार या बड़ी पूंजी के संरक्षण में. यह राज्य का समर्थन भी ले सकता है लेकिन पूरी तरह से सचेत रहते हुए कि यह उसके द्वारा शासित नहीं है. यहां, श्रमिक स्वयं मालिक हैं.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

> सार्वजनिक क्षेत्र भी पर्याप्त नौकरियां नहीं बना सकता. भले ही सभी पीएसयू और सरकारी रिक्तियों को भर दिया जाए, लेकिन नौकरी की समस्या का समाधान कहीं नहीं है. यह और भी गंभीर होने वाली है, विशेष कर ग्रामीण भारत में, जहां बार-बार सूखा और बाढ़ आती रहती है, और इसलिए कृषि क्षेत्र अनिश्चित प्रदर्शन वाला बना हुआ है.

मीडिया में अन्यत्र

लगातार बढ़ रही चीन पर निर्भरता

केंद्र सरकार ने विनिर्माण क्षेत्र में काम करने वाले चीनी तकनीशियनों की वीजा मंजूरी प्रक्रिया को तेजी प्रदान करने और सुसंगत बनाने का निर्णय लिया है. यह स्वागतयोग्य है. इस पहल से जटिलताओं को सहज बनाने में मदद मिलने की उम्मीद है. खासतौर पर उन 14 क्षेत्रों के लिए ऐसा किया जा रहा है, जो उत्पादन से संबद्ध योजनाओं (पीएलआई) के तहत आते हैं. इस महीने प्रभावी हो रहे नए मानकों के अनुसार किसी कंपनी के आवेदन करने के बाद उसे मंजूरी के लिए संबंधित सरकारी विभागों तक भेजा जाएगा और उन्हें अपनी प्रतिक्रिया 28 दिनों के भीतर गृह मंत्रालय के पास भेजनी होगी. उम्मीद है कि इस प्रक्रिया में एक से डेढ़ महीने का वक्त लगेगा और कारोबारी ई-वीजा छह महीने के लिए वैध होगा. कई कारोबारों का कहना है कि वीजा संबंधी मसले उनके उत्पादन और उनकी उत्पादकता को प्रभावित कर रहे हैं. यह उम्मीद की जानी चाहिए कि यह पहल इन चिंताओं को दूर करेगी और उन कंपनियों के लिए भी वीजा जारी किए जाएंगे, जो पीएलआई योजनाओं के अधीन नहीं आतीं. सरकार ने वीजा की समस्या को दूर किया है, लेकिन बहस का एक अन्य बड़ा मुद्दा है चीनी निवेश, खासकर नवीनतम आर्थिक समीक्षा में की गई टिप्पणियों के संदर्भ में. चूंकि वैश्विक आपूर्ति शृंखला में चीन की स्थिति मजबूत है, इसलिए भारत के लिए स्वतंत्र रूप से इन नेटवर्क का अनिवार्य हिस्सा बन पाना असंभव है. चीन के विनिर्माण का दायरा इतना व्यापक है कि भारत द्वारा वैश्विक आपूर्ति शृंखला में अपनी भूमिका बढ़ाने का कोई भी प्रयास चीन के हितों और परिचालन से टकराएगा. वीजा का मसला भी इस बात को रेखांकित करता है. हालात को देखते हुए भारत के पास दो विकल्प हैं- चीन की आपूर्ति शृंखला के साथ अधिक गहराई से जुड़ाव अथवा विनिर्माण क्षेत्र में चीन के प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को बढ़ावा देना. सर्वेक्षण बाद वाले विकल्प के हित में है. उसने तुर्किये और ब्राजील का उदाहरण लिया है और तर्क दिया है कि प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को बढ़ावा देने से घरेलू विनिर्माण को गति मिलेगी और निर्यात में बढ़ोतरी होगी. भारत में चीन के निवेश से उत्पादन में इजाफा होगा और इससे व्यापार घाटा कम करने में मदद मिलेगी. इतना ही नहीं इससे हम तकनीक संपन्न होंगे, प्रबंधन क्षमता में सुधार होगा और उत्पादन लागत में सुधार होगा. बहरहाल, ये लाभ कई चिंताओं और जोखिम के साथ आते हैं. चीन की पूंजी की आवक और उसका प्रभाव कई जोखिम अपने साथ लाएगा. उदाहरण के लिए डेटा सुरक्षा में सेंध लगने से राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक संप्रभुता के लिए खतरा उत्पन्न हो सकता है. सरकार ने 2020 में कहा था कि भारत के साथ भूसीमा साझा करने वाले देशों से आने वाले निवेश को मंजूरी की आवश्यकता होगी.

(बिजनेस स्टैंडर्ड)

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

बारिश/वारिस

रिमझिम के तराने लेकर आयी बरसात. मुहम्मद रफी की आवाज में यह गाना एक जमाने में लोकप्रियता चरम ऊंचाई पर था. इस गाने को सुनने के बाद रिमझिम बारिश की कल्पना अपने आप हो जाती है. कारण तो मुझे नहीं पता, लेकिन आज मेरी कल्पना बारिश तक पहुंच कर अटक गयी है. इससे मिलता जुलता एक शब्द है 'वारिस'. बोलने में हम चाहे जो भी बोल लें, लेकिन लिखने में कुछ लोगों के सामने भ्रम की स्थिति खड़ी हो जाती है. वे अचानक समझ नहीं पाते कि अगर बरसात के समान अर्थ वाला शब्द हो तो उसे बारिश लिखें या वारिस. इसी उधेड़बुन में गलती हो जाती है. इससे बचने का एक उपाय यही है कि हम बारिश और वारिस को अच्छी तरह समझने का प्रयास करें. कुछ ऐसा ही प्रयास आज की शब्द चर्चा में किया जायेगा. तो आइए, सबसे पहले हम बारिश पर विचार करते हैं. बारिश का तो लगभग हर कोई जानता है. फिर भी जब चर्चा छिड़ गयी है तो बताना ही पड़ेगा. महात्मा गांधी विश्वविद्यालय वर्धा की ओर से प्रकाशित वर्धा हिंदी शब्द कोश के अनुसार बारिश फारसी भाषा से आया संज्ञा स्त्री लिंग शब्द है, जिसका अर्थ है-वर्षा, बरसात, वृष्टि, बरखा, बादलों से निरंतर गिरनेवाली जल की बूंदें.पानी की फुहार, बौछार.दूसरी ओर मिलता जुलता शब्द है वारिस. वारिस अरबी भाषा से आया संज्ञा पुलिंग है. इसका अर्थ भी लगभग हर कोई जानता है. फिर भी चर्चा में उसका अर्थ बताना अपना पावन कर्तव्य है.तो वारिस का अर्थ वर्धा हिंदी शब्द कोश के अनुसार है-उत्तराधिकारी, हकदार, वह जिसे किसी की विरासत मिले. इसी शब्द से बना शब्द है लावारिस. लावारिस का अर्थ है-जिसका कोई वारिस या उत्तराधिकारी न हो, जिसकी देखभाल करनेवाला कोई न हो, अनाथ, जिसका कोई मालिक या दावेदार न हो. उलझन की बात यह है कि दोनों सुनने में लगभग एक जैसे लगते हैं, लेकिन वास्तव में एक जैसे होते नहीं हैं.

वादा तेरा वादा, वादे पे तेरे मारा गया!

• तीर-तुक्का

डॉ. सुरेन्द्र वर्मा

वादों के दो छोर होते हैं. एक छोर पर वे वादे होते हैं जो केवल करने के लिए किए जाते हैं. निभाए कभी नहीं जाते. वादों का दूसरा छोर वह होता है जो बिना कोई वादा किए ही बात निभा ले जाता है. शायद इसीलिए जो वादे किए जाते हैं उनपर लोगों का विश्वास धीरे धीरे उठाता जा रहा है. बात को सुलझाने के लिए पहले लोग संवाद की तलाश में रहते थे. संवाद की जगह अब वादे किए जाते हैं. निभ गए तो निभ गए नहीं तो सुभान-अल्लाह! वादे कई तरह के होते हैं. कुछ बाबाओं के वादे होते हैं जिनसे वे अपने भोले भाले भक्तों का शोषण करते हैं. कुछ वादे बाज़ार के होते हैं. किसी वस्तु को बेंचने के लिए उसकी उपयोगिता संबंधी अनेक प्रकार के वादे किए जाते हैं, ज़रूरी नहीं सब सही हों. लेकिन इन दोनों प्रकार के वादों को अब लोग समझने लगे हैं. आसानी से इनके चक्कर में नहीं आते. ये वादे जब पूरे नहीं होते तो, वादा-खिलाफी के विरुद्ध लोग उठ खड़े होते हैं. ऐसे में वादाखिलाफी करने वालों की खैर नहीं रह पाती. बाबाओं के झूठे दावों और भ्रामक विज्ञापनों के खिलाफ तो अब कानून भी बन गए हैं. लेकिन अभी तक नेताओं के झूठे वादों के खिलाफ कोई कानून नहीं बन पाया है सो हमारे नेता धड़ल्ले से से झूठे वादे करते रहते हैं, भोली जनता को बरगलाते रहते हैं और साफ़ बच जाते हैं. चुनावों के दौरान वादों की जुमलेबाजी बस देखते ही बनती है. कोई व्यक्ति/पार्टी चुनाव जीतने पर स्मार्ट फोन देने का वादा करता है तो कोई बेरोजगारों को कार देने की बात करता है. वे इतना भी नहीं सोचते कि बेरोजगार बेचारा कार लेकर उसका करेगा क्या? पैट्रोल के पैसे कहाँ से लाएगा? लेकिन वादा करने में भला क्या जाता है. वादा उठाया और कर मारा. भुगतने वाले भुगतें! एक उम्मीदवार नेता ने तो हद ही कर दी. उन्होंने वादा किया कि यदि चुनाव जीत गए तो वे मतदाताओं को उनके घरों में दस लीटर शुद्ध-ब्रांडी मुफ्त में बाटेंगे, भले ही आप पीते न हों. ऐसा नहीं है कि ये सभी वादे झूठे ही होते हों. कुछ वादे बेशक निभाए भी जाते है. चुनाव नज़दीक आते ही राजनैतिक दल जनता से ज्यादह से ज्यादह वोट पाने की होड़ में जुट जाते हैं. ऐसे समय में जनता को भरमाने के लिए नेताओं का बड़े बड़े वादे करना मामूली बात है. इन बड़े बड़े वादों से उनके भाषण सजे रहते हैं. वादे हैं वादों का क्या ! कोई वादा करता है कि गरीब परिवारों को सालाना सत्तर हज़ार रूपए समर्थन राशि के रूप में दिया जाएगा तो कोई किसानों के हित में बढ़-चढ़ कर वादा करता है. कोई राष्ट्रीय ग्रामीण योजना शुरू कर देने की बात कहता है. कोई अपनी सरकार बनाने के दस दिन के भीतर किसानों की क़र्ज़ माफी की बात करता है. वादों का यह सिलसिला बढ़ता ही चला जाता है. वादा करने में आखिर जाता ही क्या है! उठाया और झट से कर मारा! एक युग था जब सम्राट, राजा महाराजा अपने राज्य और प्रजा की रक्षा बाजुओं की ताकत से लड़कर करते थे और इस कर्तव्य और आदर्श के लिए अपने प्राण तक निछावर कर देते थे. तब तो वादों के लिए भी कहा जाता था – प्राण जाय पर वचन न जाई. लेकिन आज कल तो लड़ाई थोथे-वादों से लड़ी जाती है.

सावन विशेष

शिव लोक देवता हैं. लोक मंगल की वह उच्च मनोदशा के महादेव हैं, जो स्वयं अनेक कष्टों को सहकर भी दूसरों के कष्टों को मिटाने का हर सम्भव प्रयास करते हैं. जगत में शिव वही हो सकता है, जिसके अंदर लोकमंगल का भाव हो, जिसकी प्रवृत्ति में परोपकार हो और जिसका मन किसी की पीड़ा को देखकर पसीजता हो. शिवत्व का वही वाहक हो सकता है जो हर स्थिति में समाज के कल्याण की भावना रखता हो.

शिवत्व : लोक मंगल की उच्च मनोदशा

वन्दे शिवं शंकरम्

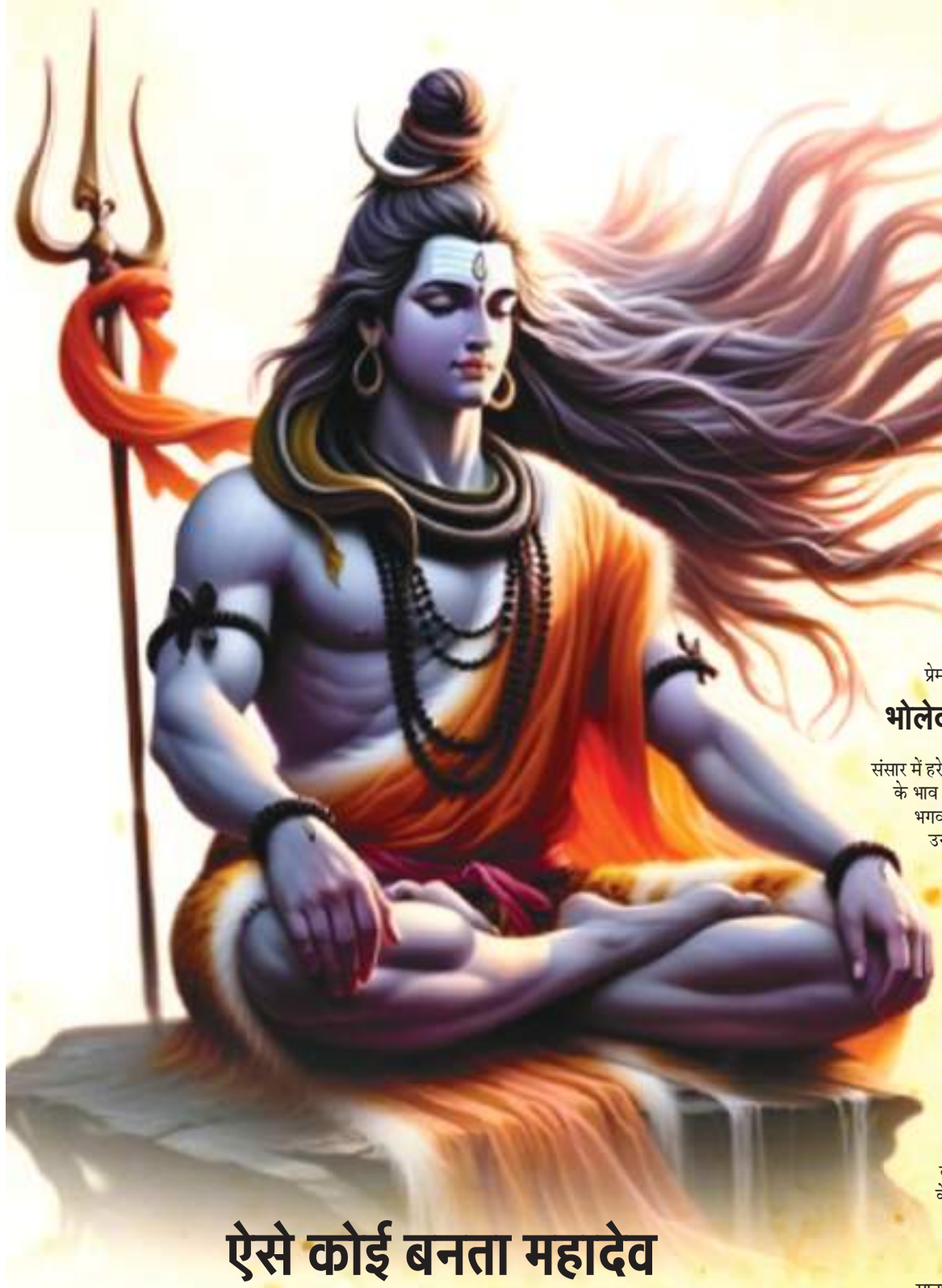

डॉ मयंक मुरारी

शिव होना सहज नहीं है. जब कोई पुरुषोत्तम स्वयं खुले आसमान के नीचे जीवन यापन कर रावण को सोने की लंका देता है और वाणासुर के लिए श्रीकृष्ण से युद्धरत हो जाता हो, वही शुभता का पदचिन्ह बनाता है. शिव श्रेष्ठ हैं क्योंकि वह सभी का सम्मान करते हैं, चाहे देव हो, या असुर, मानव हो या दानव, नाग हो या किन्नर और गंधर्व हो या निषाद. प्राणी मात्र से प्रेम और प्राणी मात्र का हित ही शिव बनने का एकमात्र मार्ग है.

भोलेदानी देते बांटने की सीख

संसार में हरेक कोई पाना ही चाहता है. लोक कल्याण एवं लोक मंगल के लिए बांटने के भाव से समाज में संस्कृति निर्माण करने की सीख भोलेदानी ही दे सकते हैं. भगवान शिव किसी से कुछ भी नहीं लेते हैं, जो प्रकृति में स्वाभाविक है, वही उनका भोग है. जल, फूल, पत्ता और फल पर ही खुश और तृप्त होना सामान्य बात नहीं है, यह परमपुरुष का गुण है. प्रत्येक वस्तु अथवा व्यक्ति को सम्मान देने की आदत के कारण ही सम्मान मिलता है या वह पूजित होता है. समाज के तिरस्कृतों, उपेक्षितों और परित्यक्तों के लिए हमारे दिल में कितना प्रेम है, उसके आधार पर ही हमारी उदारता का आकलन किया जाता है और ऐसा उदार व्यक्तित्व समाज में वंदनीय बन जाता है.

करुणा के वशीभूत

भगवान शिव की करुणा निराली है, भागीरथ के पुकार पर मां गंगा के अति तीव्र वेग को भी अपने मस्तक पर सह लेते हैं. माता गंगा की जलधाराओं को अपनी जटाओं में धारण करते हैं और लोक के मंगल और शुभता के लिए उसे मुक्त भी कर देते हैं. यह घटना बताती है कि करुणा के वशीभूत व्यक्ति सदैव लोकमंगल के लिए कार्य करता है. दूसरों के कल्याण की भावना से हम उस वस्तु का परित्याग भी कर देते हैं, जो सबसे प्रिय है. रामायण में मर्यादा पुरुषोत्तम का जीवन इसका एक आदर्श उदाहरण है जिनके आराध्य महादेव हैं. महादेव ऐसे हैं जिनके हृदय में लोक कल्याण हितैषी श्रीराम का वास होता है. कथा है कि जब माता पार्वती का चित्त बेचैन था और उनका मन व्याकुल रहता था, तब महादेव रामकथा के माध्यम से लोक को कर्म और चरित्र की शिक्षा देते हैं. शिव पूजनीय हैं, क्योंकि उनका अपना कुछ नहीं है. सब में उनका वास है और उनमें सबका वास है.

त्याग की महिमा

महादेव का जीवन देवताओं में अकिंचन का है जहां वेदना तो है ही मगर आनंद भी कम नहीं है. आज आदमी अपनी वेदनाओं से ही इतना ग्रस्त रहता है कि आनंद उसके लिए मात्र एक काल्पनिक वस्तु बनकर रह गया है. महादेव सीखते हैं कि वेदना हमारे संग्रह की प्रवृत्ति में अंतर्निहित है. संग्रह से जीवन कभी भी मूल्यवान नहीं बन सकता. भगवान शिव इसलिए नहीं पूजे जाते कि उनके पास प्रचुर संसाधन है. अपितु इसलिए पूजे जाते हैं कि मांगने पर वह अपने भक्त रावण को खुद अपना आत्मस्वरूप लिंग भी प्रदान कर देते हैं. यह जगत में देने की अपूर्व घटना है. त्याग की महिमा हमें भगवान शिव से सीखनी चाहिए. स्वयं मां अन्नपूर्णा के स्वामी होने पर भी जो पकवान और मिष्ठान नहीं अपितु फल-फूल व पत्तों का रसपान कर अपना जीवन निर्वहन करते हैं. परहित एवं परोपकार भगवान शिव के जीवन का मूल है. भगवान शिव का त्याग हमें यह सन्देश देता है कि संग्रह आपको सुख साधन तो उपलब्ध करायेगा पर शांति अथवा प्रसन्नता कभी भी नहीं दे पायेगा. त्याग से भले ही बाहरी सुख ना मिले पर भीतर की प्रसन्नता अवश्य मिल जाती है.

डमरू, त्रिशूल,धतूरे की सीख

भगवान शिव के हाथों में त्रिशूल जिसमें डमरू बंधा हुआ है. त्रिशूल वेदना का तो डमरू आनंद का प्रतीक है. उनके जीवन में यहां धतूरे को स्थान है. यहां भांग और ओक जैसै दुर्गंध युक्त वस्तुओं को स्थान तो है ही, साथ में कालकूट विष को भी स्थान मिलता है. यहां सर्प जैसे जन्मजात जहरीले प्राणी को भी प्रेमपूर्ण वास मिलता है तो भूत प्रेतों को भी उसी प्रेम से साथ रखा जाता है. भूत और प्रेत को सम्मान देना यह सीखाता है कि समाज में सभी वंचित, परित्यक्त, हाशिये पर रहनेवाले लोगों एवं जीवों को भी पूरी समानता और उदारता के आकांक्षी है. जितना उनका परिवेश अद्भुत है, उतना ही उनका स्वरूप भी निराला है. जीवन को दिव्य बनाने के लिए और उसका दैवीय आरोहण के लिए शिवत्व का पथ ही एकमेव साध्य है. हमलोग को शिव की तरह दो चक्षु का उपयोग संसार के लिए करना चाहिए तो अपने अंतर्चक्षु का उपयोग आत्मसंसार के लिए करना चाहिए. जब तक हम अपने आंतरिक दृष्टि का परिमार्जन नहीं करेंगे, बाहरी जीवन में विवेक, बुद्धि और वैज्ञानिक चिंतन का विकास हमारे अंदर नहीं हो सकेगा. हमारे जीवन के लिए क्या सही है, इसका निर्धारण हमारे अंतर्चक्षु ही करते हैं.

वृषभ और भस्म का संदेश

भारतीय परंपरा में वृषभ को धर्म का स्वरूप बताया जाता है. शरीर पर भस्म धारण कर जीवन का अमिट सत्य बताने वाले भोलेनाथ का वाहन वृषभ है. धर्म को धारण करनेवाले महादेव सदैव धर्म की ही सवारी करते हैं और जगत में सभी चीजों एवं वस्तुओं की उपयोगिता बताते हैं. वृषभ और भस्म के माध्यम से महादेव सांसारिक जीवन का अदभुत संदेश संप्रेषित करते हैं. हमारा पद, पैसा, पहचान और प्रतिष्ठा सबकुछ नश्वर है. कुछ भी अमिट नहीं है. इसलिए धर्म की सवारी करनी चाहिए. धर्म की सवारी से जब पंचभूत का शरीर भस्म बनेगा, तब भी हमारी यश और कीर्ति का नाश नहीं होगा. चाहे जितना भाग ले, परंतु जीवन में सात्विक गति ही स्वाभाविक है. यह अगर हम समय रहते सीख जाएं तो ठीक है, अन्यथा प्रकृति उम्र के विभिन्न पड़ावों पर इसे सीखा देती है. यही कारण है कि हमारी ऊर्जा का कब, कैसे, किसके लिए और कहां उपयोग करना है, यह धर्म बताता है. इसके अभाव में अज्ञानी मद में चूर होता है और ज्ञानी व्यक्ति अनासक्त भाव से कर्म करता है और उसके बंधन से भी बचा रहता शिव बंधनरहित है, क्योंकि कुछ भी वे संग्रह नहीं करते हैं और न ही उसकी इच्छा रखते हैं.

परिवार का प्रेम

सांसारिक जीवन में एक समय के बाद हम शांति एवं ठहराव खोजते हैं. ऐसी शांति जो विषम परिस्थिति में भी हमको भटकने नहीं दे. योगी बनने के लिए घर, परिवार और संसार छोड़न की जरूरत नहीं है. जगत के महायोगी केवल शिव हैं, जो खुद पारिवारिक जीवन जीते हैं. जहां मां पार्वती का वाहन शेर है और शिवजी का नंदी है. शेर का भोजन है वृषभ, लेकिन यहां कोई वैर नहीं है. कार्तिकेय का वाहन मोर है और शिवजी के गले में सर्प है. मोर और सर्प भी जन्म जात शत्रु हैं लेकिन यहां ये सब साथ ही रहते हैं. शिवजी का वाहन चूहा है और चूहा सर्प का भोजन है. एक संपूर्ण परिवार जहां सब विषय से दूर है, इसलिए उनका जीवन पूर्ण है. इस परिवार में सब शांति और सदभाव, बिना कलह के जीवन जीते हैं.

ऐसे कोई बनता महादेव

आज के युग में सभी को अमरता चाहिए. लेकिन इस जगत में व्याप्त विष को कौन धारण करेगा? बिना विष के कोई मृत्युंजय कैसे बन सकता है. इसलिए केवल महादेव मृत्युंजय हैं. विष को जो धारण करता है, उसके समीप विषय का आगमन हो भी नहीं सकता है. वह विषमता को दूर करते हैं. उनके चित्त में राम हैं. जहां राम हैं, वह निष्काम है. शिव अपने इस स्वभाव के कारण ही सहज एवं भोलेनाथ बन जाते हैं. जीवन में खुद श्रेष्ठ होना सब चाहता है. शिखर पर कुछ पहुंच भी जाते हैं. लेकिन महान वह है जो दूसरे को श्रेष्ठ बनाए. शिखर का पथ दूसरों को दिखाए. शिव देवाधिदेव क्यों हैं? इसलिए क्योंकि उन्होंने सभी को पूज्य बना दिया. शिव के आश्रय में चंद्रमा अपनी सारी कमियों के बावजूद उनके मस्तष्क पर विराजते हैं, माता गंगा को वह अपनी जटाओं पर धारण करते हैं और गले में सर्प को धारण करते हैं. इतना ही नहीं गणपति गणेश अग्रदेव, कार्तिकेय देवताओं के सेनापति और खुद इस सृष्टि की धारण शक्ति है. महादेव बनना सरल है यदि हम स्वाभाविक हैं. यदि हम अकिंचन हैं. हर स्थिति और परिस्थिति के लिए राजी हैं. मन, चित्त और बुद्धि में इसको लेकर कोई तरंग नहीं उठता हो.

चल रे कांवरिया शिव के धाम

डॉ हरेन्द्र सिन्हा

हिन्दू धर्म की पौराणिक मान्यताओं के अनुसार सावन महीने को देवों के देव महादेव भगवान शंकर का महीना माना जाता है. कहते हैं कि भगवान शिव को सावन माह अत्यंत प्रिय है और इसी कारण से सावन माह को भारतीय जनमानस में श्रद्धापूर्ण एवं आनंदमय माना जाता है. भगवान शिव की आराधना फाल्गुन की महाशिवरात्रि को भी किया जाता है और दोनों अवसरों पर शिव के भक्त अपने आराध्य देव के लिए, आमतौर से कांवर में गंगाजल लेकर, पदयात्रा कर निर्धारित शिवलिंग पर जाकर जलाभिषेक करते हैं. कांवर यात्रा का नाम कांवर के नाम पर रखा गया है, जो आमतौर पर बांस से बना एक एकल खंभा होता है जिसमें दो टोकरियों में मोटे तौर पर बराबर भार विपरीत सिरों से बांधे या लटकाए जाते हैं. कांवर को एक या दोनों कंधों पर डंडे के बीच के हिस्से को संतुलित करके ले जाया जाता है. कांवर मूल रूप से संस्कृत का शब्द है.

▪ इसलिए प्रिय सावन मास

यह भी मान्यता है कि माता पार्वती ने सावन माह में भगवान शिव को पति परमेश्वर के रूप में प्राप्त करने के लिए कठोर तपस्या की थी और तपस्या सफल होने पर उनसे विवाह किया था. यही कारण है कि शिवजी को सावन मास अत्यधिक प्रिय है. भगवान शिव को सावन का महीना प्रिय होने के अन्य कारण भी हैं कि भगवान शिव सावन के महीने में पृथ्वी पर अवतरित होकर अपनी ससुराल गए थे और वहां उनका स्वागत अर्घ्य और जलाभिषेक से किया गया था. माना जाता है कि प्रत्येक वर्ष सावन माह में भगवान शिव अपनी ससुराल आते हैं. भू-लोक वासियों के लिए शिव कृपा पाने का यह उत्तम समय होता है.

▪ महत्वपूर्ण है जल अर्पण

पौराणिक कथाओं के अनुसार एक अन्य मान्यता यह भी है कि सावन माह में ही भोलेनाथ ने समुद्र मंथन से निकले हलाहल को अपने कंठ में समाहित कर के संपूर्ण सृष्टि की रक्षा की थी. विषपान के कारण उनका कंठ नीलवर्ण हो गया और उन्हें नीलकंठ संज्ञा की प्राप्ति हुई. इस विष के प्रभाव को कम करने के लिए सभी देवी देवताओं ने उन्हें जल अर्पित किया, जिस कारण से सावन में शिवलिंग पर जल अर्पित करने का अत्यधिक महत्व है.

चार तरह की कांवर यात्रा

(क) सामान्य कांवर : गंगा नदी से जल उठाने के पश्चात् शिवलिंग तक पहुंचने के दौरान यात्री जहां चाहे रुककर आराम कर सकते हैं. लेकिन उन्हें एक ख़ास बात का ध्यान रखना होता है. आराम करने के दौरान कांवर जमीन से नहीं छूनी चाहिए. इस दौरान कांवर स्टैंड पर रखी जाती है.

(ख) डाक कांवर : यात्री जल लेने के बाद शुरुआत से शिव के जलाभिषेक तक बग़ैर रुके लगातार चलते रहते हैं. वहीं इस दौरान शरीर से उत्सर्जन की क्रियाएं भी वर्जित होती हैं.

(ग) खड़ी कांवर : भक्त खड़ी कांवर लेकर चलते हैं. उनकी मदद के लिए कोई-न-कोई सहयोगी उनके साथ चलता रहता है.

(घ) दांडी कांवर : भक्त नदी तट से शिवधाम तक की यात्रा दंडवत होकर पूरी करते हैं. यह बेहद मुश्किल यात्रा होती है, जिसमें कई दिन और कभी-कभी एक माह का समय भी लग जाता है. दक्षिण भारत में मुरुगन स्वामी की पूजा के लिए भी लगभग इसी प्रकार के कार्यकलापों का आयोजन होता है, जो जनवरी माह के आसपास होता है.

▪ रावण ने की थी कांवर यात्रा

जहां तक कांवर यात्रा के मूल का प्रश्न है, इस संबंध में विद्वान कहते हैं कि सबसे पहली कांवर यात्रा शिव के सच्चे भक्त रावण द्वारा की गई थी. वह कांवर में गंगाजल लेकर आया और उसी जल से उसने शिवलिंग का अभिषेक किया और तब जाकर भगवान शिव को इस विष से मुक्ति मिली.

▪ श्रवण कुमार की कांवर यात्रा

कुछ विद्वानों का कहना है कि सर्वप्रथम त्रेतायुग में श्रवण कुमार ने पहली बार कांवर यात्रा की थी. माता-पिता को तीर्थ यात्रा कराने के क्रम में श्रवण कुमार हिमाचल के ऊना क्षेत्र में थे जहां उनके अंधे माता-पिता ने उनसे मायापुरी यानि हरिद्वार में गंगा स्नान करने की इच्छा प्रकट की. माता-पिता की इस इच्छा को पूरी करने के लिए श्रवण कुमार अपने माता-पिता को कांवर में बैठा कर हरिद्वार लाए और उन्हें गंगा स्नान कराया. वापसी में वे अपने साथ गंगाजल भी ले गए. इसे ही कांवर यात्रा की शुरुआत माना जाता है. कुछ विद्वान भगवान श्री राम को भी कांवर यात्रा शुरू करने का श्रेय देते हैं. भगवान शिव की भक्ति में रमे भक्त सावन के माह में कांवर यात्रा करते हैं और झारखंड में मुख्यतः देवघर के अलावा, हरिद्वार, ऋषिकेश, नीलकंठ आदि अन्य राज्यों के दर्शनीय धार्मिक स्थलों पर जाकर भगवान शिव शंकर की स्तुति करते हैं.

▪ देवघर में कांवरिए

सावन मास में देवघर में कांवर लेकर पूरी दुनिया से लोग आते हैं और इस अवसर पर पूरे एक महीने देवघर में तिल धरने की जगह भी नहीं बचती है. कांवर यात्रा सावन के बाद भी कई-कई दिनों तक चलती है, जिसमें कांवरिए बांस की टोकरी से बने कांवर को कंधे पर रखकर और उसमें गंगा जल लेकर भगवान शिव को अर्पित करने जाते हैं.

झारखंड में सबसे महत्वपूर्ण शिव मंदिर देवघर में अवस्थित है, जिसे बाबा धाम या वैद्यनाथ धाम भी कहते हैं. देवघर को पूरे भारतवर्ष के 12 शक्तिपीठों में से एक जागृत शक्तिपीठ भी माना गया है. इसके अतिरिक्त भी झारखंड के कई अन्य शिव मंदिरों में भक्तगण जलाभिषेक करने जाते हैं.

देवघर में जलाभिषेक करने के लिए जो कांवरिए आते हैं, वो सबसे पहले सुल्तानगंज, बिहार में अजगैबी नाथ मंदिर के समीप से उत्तर वाहिनी गंगा का जल अपने कांवर में लेते हैं और उसे लेकर लगभग 105 किलोमीटर की दूरी पर अवस्थित देवघर पैदल यात्रा करके पहुंचते हैं. यहां जलाभिषेक पूर्ण करने के बाद ये कांवरिए समीप में ही स्थित बासुकीनाथ मंदिर (ज़िला : संताल परगना) भी जाकर आशीर्वाद प्राप्त करते हैं. इस यात्रा के दौरान जो भी स्त्री पुरुष आते हैं वो आपस में एक दूसरे को मौलिक नाम से नहीं संबोधित करते बल्कि भोला, भोली या बम कह कर पुकारते हैं और रास्ते भर बोल बम का मंत्र उच्चारण भी होता ही रहता है. बोल बम में बम शब्द ब्रह्मा, विष्णु, महेश एवं ओमकार का प्रतीक माना गया है. बोलबम सिद्ध मंत्र है, इसे बोलने से श्रद्धालु के शरीर में एक नई ऊर्जा का संचार होता है. इससे भक्त को अदृश्य शक्तियां मिलती हैं. शिवपुराण में उल्लेख है कि भगवान शिव स्वयं ही जल हैं. इसीलिए जल से उनके अभिषेक के रूप में आराधना का उत्तमोत्तम फल प्राप्त होती है.

▪ कांवरियों के नियम-परंपरा

कांवरियों को कुछ नियमों और परंपराओं का पालन करना पड़ता है. नियमों का पालन न करने पर उनकी यात्रा अधूरी या निष्फल मानी जाती है. श्रावण मास के दौरान उन्हें एक ऋषि की तरह रहना होता है. उन्हें नंगे पैर चलना पड़ता है. यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार का मांसाहार वर्जित है. इसके अलावा कोई भी व्यक्ति ईर्ष्या, द्वेष, झगड़ा आदि नहीं कर सकता या ऐसी भाषा में बात नहीं कर सकता, जो सही न हो. कांवरिए बिस्तर, सोफा और अन्य फर्नीचरों पर बैठने से भी गुरेज करते हैं.

शिव अराधना और जलाभिषेक के दौरान ध्यान रहे ये बातें

आचार्य अजय मिश्रा

भक्त सावन के पावन मास में शिव अराधना में लीन हैं. कहा जाता है यथा शक्ति तथा भक्ति. लेकिन पूजा पाठ के दौरान कुछ खास बातों का ध्यान जरूर रखना चाहिए. आइए शिव अराधना से जुड़ी ऐसी ही कुछ खास बातों/नियमों की करें चर्चा-

जलाभिषेक के समय रखें ध्यान

पूजा के दौरान अभिषेक के लिए हमेशा गंगाजल, साफ पानी या फिर गाय के दूध का ही इस्तेमाल करें. जलाभिषेक के समय आपका मुख पूर्व दिशा की ओर होना चाहिए. कभी सीधे खड़े होकर जलाभिषेक नहीं करें. बैठकर या झुककर ही शिवलिंग का जलाभिषेक करें. जलाभिषेक करते समय इस बात का ध्यान रखें कि जलधारा पतली और धीमी गति से शिवलिंग पर गिरे.

जब चढ़ाएं बेलपत्र

बेलपत्र 3 पत्तों वाला और साबुत होना चाहिए. बेलपत्र को हमेशा चिकने सतह की ओर से शिवलिंग पर चढ़ाएं. ध्यान रखें कि शिवलिंग पर भूल से भी तुलसी, सिंदूर, हल्दी, नारियल, शंख और केतकी के फूल आदि नहीं चढ़ाने चाहिए.

परिक्रमा के दौरान ध्यान रखें ये बात

शिवलिंग की पूजा के दौरान कभी भी शिवलिंग की पूरी परिक्रमा नहीं करें. शिवलिंग के बाईं ओर से परिक्रमा शुरू करें और अर्धचंद्राकार में चक्कर लगाने के बाद वापस अपने स्थान पर आ जाएं. शिवलिंग के जलहरी (अभिषेक के दौरान जहां से जल नीचे की तरफ गिरती है) को कभी भी लांघना नहीं चाहिए.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

ओलंपिक आंदोलन में विशिष्ट योगदान के लिए मिला सम्मान

ओलंपिक ऑर्डर से सम्मानित हुए अभिनव बिंद्रा

भाषा। पेरिस

भारतीय निशानेबाज अभिनव बिंद्रा को ओलंपिक आंदोलन में उनके विशिष्ट योगदान के लिए प्रतिष्ठित ओलंपिक ऑर्डर से सम्मानित किया गया. बीजिंग 2008 ओलंपिक खेलों में 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में शीर्ष स्थान हासिल करके भारत के पहले ओलंपिक व्यक्तिगत स्वर्ण पदक विजेता बने बिंद्रा को शनिवार को यहां अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के 142वें सत्र के दौरान यह सम्मान प्रदान किया गया. बिंद्रा ने कहा, जब मैं छोटा था तो ये ओलंपिक रिंग्स ही थे, जिन्होंने मेरे जीवन को अर्थ दिया. उन्होंने कहा, और दो दशक से अधिक समय तक अपने ओलंपिक सपने को पूरा करने में सक्षम होना मेरे लिए सौभाग्य की बात थी. खिलाड़ी के तौर पर अपने करियर के बाद, ओलंपिक आंदोलन में योगदान देने की कोशिश करना मेरे लिए बहुत बड़ा जुनून रहा है. यह मेरे लिए सौभाग्य और सम्मान की बात है. आईओसी खिलाड़ी आयोग के

उपाध्यक्ष 41 वर्षीय बिंद्रा ने कहा कि यह पुरस्कार उन्हें और भी अधिक मेहनत करने और ओलंपिक आंदोलन में योगदान देने के लिए प्रेरित करेगा. वर्ष 1975 में स्थापित ओलंपिक ऑर्डर ओलंपिक आंदोलन का सर्वोच्च पुरस्कार है. यह ओलंपिक आंदोलन में विशिष्ट योगदान के लिए दिया जाता है. बिंद्रा ने सिडनी 2000 से पांच ओलंपिक में हिस्सा लिया. उन्होंने पहली बार एथेंस 2004 में अपनी छाप छोड़ी जब उन्होंने पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल के फाइनल में जगह बनाई. बीजिंग 2008 में उन्होंने चीन के गत चैंपियन झू किनान को हराकर स्वर्ण पदक जीता. उन्होंने रियो 2016 में भी फाइनल में जगह बनाई, लेकिन चौथे स्थान पर रहे. बिंद्रा 2018 से आईओसी खिलाड़ी आयोग का हिस्सा हैं.

पेरिस ओलंपिक 2024 पदक तालिका

देश	गोल्ड	सिल्वर	कांस्य	कुल
1. चीन	40	27	24	91
2. अमेरिका	38	44	42	124
3. जापान	20	12	13	45
4. ऑस्ट्रेलिया	18	19	16	53
5. फ्रांस	16	25	22	63
6. नीदरलैंड	15	7	12	34
7. ब्रिटेन	14	22	29	65
8. द. कोरिया	13	9	10	32
9. इटली	12	13	15	40
10. जर्मनी	12	12	8	32
74. भारत	0	1	5	6

पेरिस ओलंपिक : टेबल टेनिस में चीन की महिला टीम को गोल्ड

चीन ने 300वां ओलंपिक स्वर्ण पदक जीता

एजेंसी। पेरिस

चीन ने शनिवार को पेरिस खेलों में टेबल टेनिस का महिला टीम स्पर्धा का खिताब जीतकर ओलंपिक इतिहास में देश का 300वां स्वर्ण पदक जीता. चीन ने महिला टीम स्पर्धा के फाइनल में जापान को 3-0 से हराकर लगातार पांचवां स्वर्ण पदक जीता. इससे पहले शुक्रवार को पुरुष टीम ने यह उपलब्धि हासिल की थी. दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी सुन यिंगशा ने कहा, हमारे में से प्रत्येक ने आज अपना सब कुछ झोंक दिया और सभी ने अच्छा प्रदर्शन किया. दक्षिण कोरिया ने जर्मनी पर 3-0 की जीत के साथ कांस्य पदक जीता जो 2008 में बीजिंग खेलों के बाद टीम स्पर्धा में उसका पहला पदक है. टेबल टेनिस में चीन प्रमुख शक्ति है जिसने पेरिस में पांचों ओलंपिक स्वर्ण पदक जीते. चीन ने 1988 में सियोल ओलंपिक में टेबल टेनिस को शामिल किए जाने के बाद से इस खेल में दिए गए 42 स्वर्ण पदक में से 37 जीते हैं.

मुक्केबाज लिन यू-टिंग ने स्वर्ण पदक जीता

पेरिस। ताइवान की लिन यू-टिंग ने पूरे पेरिस ओलंपिक मुक्केबाजी टूर्नामेंट के दौरान संयमित और शांत रहने की लड़ाई लड़ी और इन खेलों का अंत स्वर्ण पदक के साथ किया. वह तब भी संयमित रहीं जब ऐसा लग रहा था कि दुनिया के अधिकांश लोग उन्हें बदनाम कर रहे हैं, उन्हें गलत तरीके से प्रस्तुत कर रहे हैं और उनके अस्तित्व की प्रकृति पर ही सवाल उठा रहे हैं. यू-टिंग ने फाइनल में पोलैंड की जूलिया सेरेमेटा को 5-0 से हराकर अपने देश के लिए पहला ओलंपिक मुक्केबाजी स्वर्ण पदक जीता. इस फ्लाईवेट मुक्केबाज ने अपना सोशल मीडिया बंद कर दिया, अपनी ट्रेनिंग जारी रखी और एक के बाद एक शानदार जीत हासिल करने पर ध्यान केंद्रित किया. लेकिन जब उन्होंने पोडियम पर अपने गले में स्वर्ण पदक के साथ खड़े होकर ताइवान का राष्ट्रगान सुना तो यू-टिंग भावुक हो गईं. यू-टिंग ने शनिवार रात अपने भार वर्ग में वर्चस्व स्थापित किया. एक दिन पहले इमान खेलीफ के बाद उन्होंने भी रिंग के अंदर और दुनिया भर में उनके नारीत्व के बारे में गलत धारणाओं का शानदार जवाब दिया.

अमृतसर में भारतीय हॉकी टीम के खिलाड़ियों का गर्मजोशी से स्वागत

भाषा। चंडीगढ़

ओलंपिक कांस्य पदक विजेता भारतीय हॉकी टीम के सदस्यों का रविवार को अमृतसर हवाई अड्डे पर परिवार के सदस्यों और उत्साही प्रशंसकों ने ढोल बजाकर जश्न मनाते हुए जोरदार स्वागत किया. पेरिस खेलों में स्पेन को 2-1 से हराकर भारत ने ओलंपिक में लगातार दूसरा कांस्य पदक जीता. खिलाड़ियों के विमान से उतरने के तुरंत बाद परिवार के सदस्यों ने उनका फूल-माला पहनाकर स्वागत किया और गर्मजोशी से गले मिले. इसके बाद मंत्री कुलदीप सिंह धालीवाल और कांग्रेस सांसद गुरजीत सिंह औजला जैसे राज्य के राजनेताओं ने खिलाड़ियों को बधाई दी. भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह स्वागत से अभिभूत थे और उन्होंने भविष्य में अपने प्रदर्शन को बेहतर करने की उम्मीद जताई. अमृतसर के तिम्मोवाल गांव के रहने वाले हरमनप्रीत ने कहा, हम भविष्य में

अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे, ताकि इस खेल को और अधिक प्यार मिले. इस 28 वर्षीय खिलाड़ी को प्यार से 'सरपंच' कहा जाता है. हरमनप्रीत ने कहा कि वह भाग्यशाली हैं कि उन्हें इस भारतीय टीम का नेतृत्व करने का मौका मिला. उन्होंने समाज को एक व्यापक संदेश में युवाओं से खेल को अपनाने, अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने और नशीली दवाओं से दूर रहने का आग्रह किया.

हरमनप्रीत के साथ राज्य के अन्य खिलाड़ी जैसे मनदीप सिंह, मनप्रीत सिंह, जरमनप्रीत सिंह, शमशेर सिंह, गुरजंत सिंह और हार्दिक सिंह भी पहुंचे. बाद में खिलाड़ी प्रार्थना करने के लिए स्वर्ण मंदिर गए.

ब्रीफ खबरें

भारत में प्रतिस्पर्धा मेरा सपना: नीरज

नयी दिल्ली। स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा को उम्मीद है कि पेरिस ओलंपिक में रजत पदक जीतने के बाद वह जल्द ही भारत में अन्य प्रमुख अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्धा करते दिखेंगे. नीरज ने पेरिस में 89.45 मीटर के थ्रो के साथ रजत पदक जीता जबकि पाकिस्तान के अरशद नदीम ने 92.97 मीटर तक भाला फेंककर ओलंपिक रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया. ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स 88.54 मीटर के थ्रो से तीसरे स्थान पर रहे. स्पर्धा में जूलियन वेबर, याकूब वाडलेच और जूलियस येगो जैसे कुछ शीर्ष खिलाड़ी भी प्रतिस्पर्धा कर रहे थे. नीरज ने 'ओलंपिक.कॉम' द्वारा प्रशंसकों के साथ आयोजित एक बातचीत सत्र के दौरान कहा, भारत में अन्य अंतरराष्ट्रीय सितारों के साथ प्रतिस्पर्धा करना मेरा सपना है. उम्मीद है कि भारत में जल्द ही एक अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता होगी और मैं ऐसा कर पाऊंगा. टोक्यो में स्वर्ण के बाद पेरिस में रजत पदक के साथ लगातार दूसरा ओलंपिक पदक जीतने वाले नीरज ने कहा कि वह अपने खेल के कुछ क्षेत्रों पर काम करना चाहते हैं.

सिफान हसन ने जीती पेरिस ओलंपिक की महिला मैराथन

पेरिस। सिफान हसन ने रविवार को यहां पेरिस खेलों में ओलंपिक रिकॉर्ड के साथ महिला वर्ग की मैराथन रेस जीत ली. उन्होंने दो घंटे, 22 मिनट और 55 सेकेंड का समय निकालकर ओलंपिक रिकॉर्ड बनाया और टिग्स्ट असेफा को पीछे छोड़ते हुए पहला स्थान हासिल किया. यह सिफान हसन का पेरिस ओलंपिक में तीसरा पदक है. उन्होंने 5,000 और 10,000 मीटर का भी कांस्य पदक जीता है. असेफा को रजत और कीनिया की हेलेन ओबिरी ने कांस्य पदक अपने नाम किया. सिफान हसन इस तरह छह ओलंपिक पदक जीत चुकी हैं. उन्होंने टोक्यो ओलंपिक में 5,000 मीटर और 10,000 मीटर रेस जीती थी जबकि 1500 मीटर में तीसरे स्थान पर रही थीं.

कोच की जान बचाए जाने के बाद मुक्केबाजी रिंग में उज्बेकिस्तान का दबदबा

पेरिस। उज्बेकिस्तान के प्रिय मुख्य मुक्केबाजी कोच तुलकिन किलिचेव को पेरिस ओलंपिक में अपनी टीम के पहले स्वर्ण पदक का जश्न मनाने के बाद ब्रिटेन के ट्रेनिंग स्टाफ के दो सदस्यों ने दिल का दौरा पड़ने से बचाया. देश के मुक्केबाजों ने इसकी पुष्टि की. उज्बेकिस्तान की टीम ने पेरिस खेलों में पांच स्वर्ण पदक जीते जो 20 वर्षों में किसी भी ओलंपिक टीम का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है. इस तरह किलिचेव के मुक्केबाजों ने अपने कोच को जश्न मनाने का मौका दिया, जो पेरिस के एक

अस्पताल में भर्ती हैं. बखोदिर जलोलोव ने अपना दूसरा सुपर हैवीवेट स्वर्ण पदक जीतने के बाद कहा, (किलिचेव) वास्तव में एक कोच या पिता से कहीं अधिक हैं. उन्होंने कहा, उन्होंने हमें पाला है. उन्होंने हमें शिक्षित किया है. उन्होंने हम तक खेल भावना पहुंचाई है. वह हमेशा मेरे दिल में रहे हैं और कल हम उनसे अस्पताल में मिलने जाएंगे. फ्लाईवेट वर्ग में हसनबाय दुसमातोव के गुरुवार को उज्बेकिस्तान का पहला स्वर्ण पदक जीतने के बाद किलिचेव बीमार पड़ गए. ग्रेट ब्रिटेन मुक्केबाजी के अनुसार टीम के डॉक्टर हरज सिंह और फिजियोथेरेपिस्ट रॉबी लिलीस ने किलिचेव को जानलेवा संकट में पाया. उन्होंने कोच को सीपीआर दिया और लिलीस ने डिफाइब्रिलेटर (हृदय गति सामान्य करने के लिए इस्तेमाल होने वाली मशीन) का भी इस्तेमाल किया.

पाकिस्तान वापसी पर नदीम का भव्य स्वागत

भाषा। लाहौर

पाकिस्तान के पहले व्यक्तिगत ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता अरशद नदीम का स्वदेश वापसी पर प्रशंसकों ने जोरदार स्वागत किया और वह अपने परिवार से मुलाकात के दौरान काफी भावुक नजर आए. नदीम जब यहां पहुंचे तो उनका स्वागत वाटर कैनन सैल्यूट से किया गया. यह एक राष्ट्रीय नायक का स्वागत था क्योंकि हजारों प्रशंसक नदीम की एक झलक पाने के लिए बेताब थे और धक्का-मुक्की के बीच उनके नाम के नारे लगा रहे थे. नदीम ने पेरिस खेलों की भाला फेंक स्पर्धा में 92.97 मीटर की दूरी तय करके स्वर्ण पदक जीता था. यहां पहुंचने पर नदीम ने अपनी मां, पिता और बड़े भाई को गले लगाया. अल्लामा इकबाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के लाउंज के अंदर एक

भावनात्मक पुनर्मिलन के दौरान उनके परिवार उन्हें माला पहनाई. बाद में उन्होंने अपने परिवार के अन्य सदस्यों और कुछ ग्रामीणों से भी मुलाकात की जो पंजाब प्रांत के ग्रामीण खानेवाल क्षेत्र में उनके गृह नगर मियां चन्नू से आए थे. जैसे ही नदीम और उनका परिवार टर्मिनल के निकास द्वार पर पहुंचा तो जो तख्तियां और पोस्टर लिए हुए लोग उन्हें माला पहनाने के लिए दौड़ पड़े और उन्हें अपने कंधों पर उठाने की कोशिश करने लगे. भीड़ के कारण सुरक्षा अधिकारियों को उन्हें वापस लाउंज में ले जाना पड़ा. प्रशंसक स्थानीय समयानुसार रात नौ बजे से ही हवाई अड्डे के आगमन टर्मिनल के पास इंतजार कर रहे थे। हालांकि उनकी उड़ान इस्तांबुल से सुबह एक बजकर 29 मिनट के आसपास उतरने वाली थी.

सेंट लुई रेपिड टूर्नामेंट में बेहतर प्रदर्शन की प्रज्ञानानंदा को उम्मीद

भाषा। सेंट लुई (अमेरिका)

भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा यहां शुरू हो रहे सेंट लुई रेपिड व ब्लिट्ज शतरंज टूर्नामेंट में एक बार फिर दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों से भिड़ेंगे. हाल के टूर्नामेंट में प्रदर्शन में थोड़ी गिरावट के बावजूद प्रज्ञानानंदा ग्रैंड शतरंज टूर की अंतिम तालिका में पोडियम पर जगह बनाना चाहेंगे. इससे उन्हें बोनस नकद पुरस्कार राशि भी मिलेगी. अब तक के समग्र टूर परिणामों में तीसरे स्थान पर चल रहे प्रज्ञानानंदा के पास अपनी स्थिति सुधारने के लिए लगातार दो टूर्नामेंट हैं. वह रेपिड एवं ब्लिट्ज टूर्नामेंट के तुरंत बाद वह सिंकफील्ड कप में हिस्सा लेंगे, जहां उनके साथ हमवतन और विश्व चैंपियनशिप के

चैलेंजर डी गुकेश भी चुनौती पेश करेंगे. रोमानिया के बुखारेस्ट और क्रोएशिया के जाग्रेब में दो लगातार जीत के साथ पिछले साल के टूर विजेता अमेरिका के फैबियानो करुआना 22.25 अंक के साथ शीर्ष पर हैं. फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा 17.58 अंक के साथ दूसरे जबकि प्रज्ञानानंदा 16.25 अंक के साथ तीसरे पायदान पर हैं. गुकेश भी उनसे बहुत पीछे नहीं हैं। वह 14.25 अंक जुटाकर चौथे स्थान पर हैं.

ताहिला मैकग्रा के अर्धशतक से जीती टीम

ऑस्ट्रेलिया 'ए' ने भारत 'ए' को 7 विकेट से हराया

भाषा। ब्रिसबेन

ताहिला मैकग्रा की नाबाद अर्धशतकीय पारी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया महिला 'ए' टीम ने रविवार को यहां तीसरे और अंतिम टी20 क्रिकेट मैच में भारत 'ए' को सात विकेट से हराकर श्रृंखला में 3-0 से क्लीन स्वीप किया. ऑस्ट्रेलिया ने पहले दो मैच क्रमशः पांच रन और आठ विकेट से जीते थे. भारत के 121 रन के छोटे लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने ताहिला की 22 गेंद में आठ चौकों और दो छक्कों से नाबाद 51 रन की पारी के बदौलत सिर्फ 13.5 ओवर में तीन विकेट पर 121 रन बनाकर जीत दर्ज की. ताहिला ने तेज गेंदबाज शबनम शकील की गेंदों पर लगातार तीन

चौके लगाकर अपनी टीम को जीत दिलाई. ताहिला ने चार्ली नॉट (19) के साथ तीसरे विकेट के लिए 48 रन भी जोड़े. सलामी बल्लेबाज ताहिला विल्सन (39 रन, 26 गेंद, पांच चौके, एक छक्का) ने भी उपयोगी पारी खेली. इससे पहले किरण नवगिरे (38, 20 गेंद, छह चौके, एक छक्का) ही टिककर बल्लेबाजी कर पाईं जिससे भारत 'ए' आठ विकेट पर 120 रन ही बना सका. कप्तान मीनू मनि ने 22 रन का योगदान दिया. भारत ने 47 रन पर पांच विकेट गंवा दिए थे, जिससे टीम उबरने में नाकाम रही. किरण और मीनू ने छठे विकेट के लिए 57 रन जोड़कर टीम का स्कोर 100 रन के पार पहुंचाया. ऑस्ट्रेलिया की ओर से निकोला हैंकॉक, ग्रेस पार्सन्स और मैटलन ब्राउन ने दो-दो विकेट लिए. भारत 'ए' 22 अगस्त से एकमात्र अनौपचारिक टेस्ट से पहले मेजबान टीम के खिलाफ तीन एकदिवसीय मैच की श्रृंखला खेलेगा.

साक्षात्कार गोलकीपर के रूप में मेरा विकल्प खोजने के लिए प्रतिभा मौजूद

नहीं पता कि मैं हॉकी के अलावा क्या करूंगा: श्रीजेश

भाषा। पेरिस

लगभग दो दशक तक भारतीय गोल पोस्ट के सामने दीवार की तरह खड़े रहने के बाद दूसरे ओलंपिक कांस्य पदक के साथ हाल ही में संन्यास लेने वाले गोलकीपर पीआर श्रीजेश का मानना है कि भारतीय हॉकी में उनका उपयुक्त विकल्प खोजने के लिए काफी प्रतिभा मौजूद है. पेरिस ओलंपिक में 36 वर्षीय श्रीजेश ने शानदार प्रदर्शन किया और कांस्य पदक के मैच में भारत की स्पेन के खिलाफ 2-1 की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. यहां इंडिया हाउस में पीटीआई को दिए साक्षात्कार में दिग्गज गोलकीपर श्रीजेश ने कहा, कोई खालीपन नहीं होगा. मेरी जगह कोई और आएगा. सभी खेलों में ऐसा ही होता है. सचिन तेंदुलकर थे और अब विराट कोहली हैं और कल कोई और उनकी जगह लेगा. इसलिए श्रीजेश कल थे लेकिन कल कोई और आएगा और उनकी जगह लेगा. श्रीजेश को भारतीय जूनियर टीम में मार्गदर्शक (मेंटर) की भूमिका निभाने का प्रस्ताव दिया गया है. उन्होंने कहा कि इतने वर्षों में उनका जीवन हॉकी के इर्द-गिर्द घूमता रहा है और अब जब वह संन्यास ले चुके हैं तो उन्हें नहीं पता कि वे क्या करेंगे.

उन्होंने कहा, यह जीवन की कमी खलना जैसे है. मैं हॉकी के अलावा कुछ नहीं जानता. 2002 में जब मैं पहले दिन शिविर में गया था, तब से लेकर अब तक मैं उनके साथ रहा हूं.

श्रीजेश ने कहा, मुझे नहीं पता कि मुझे किन चीजों की कमी खलेगी, शायद जब मैं घर पहुंचू तो मुझे पता चले. सुबह से ही मैं उनके साथ बाहर रहता हूं - ट्रेनिंग, जिम, मैदान पर - हमेशा एक मजेदार माहौल होता है. उत्साहवर्धक बातचीत, टीम बैठक, आपको उन पर चिल्लाना पड़ता है, यहां तक कि उन्हें बुरा-भला भी कहना पड़ता है. जीत के बाद जश्न मनाना या हार के बाद साथ में रोना, यह मेरी जिंदगी रही है. शायद हम नहीं जानते कि इससे बाहर रहना कैसा होता है. भारत ने यहां अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन अंतिम आठ के मुकाबले में किया जब टीम ने दूसरे क्वार्टर में 10 खिलाड़ियों तक सिमट जाने के बावजूद ब्रिटेन को पेनल्टी में 4-2 से हराया. हालांकि टीम सेमीफाइनल में विश्व चैंपियन और अंततः रजत पदक जीतने वाले जर्मनी से 2-3 से हार गई और उसे कांस्य पदक के लिए खेलना पड़ा.

श्रीजेश ने कहा, हां, सेमीफाइनल में जर्मनी से हारना थोड़ा निराशाजनक था, लेकिन हम कम से कम पदक लेकर लौट रहे हैं, जो बड़ी बात है. श्रीजेश ने कहा कि हॉकी इंडिया द्वारा जूनियर राष्ट्रीय कोच की नौकरी की पेशकश करने से पहले वह अपने परिवार से बात करेंगे. हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की और महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा है कि श्रीजेश जूनियर इंडिया टीम के कोच बनने के लिए तैयार हैं. मुझे अभी प्रस्ताव मिला है। मैंने भोला सर से बात की है. अब बस घर वापस जाने, अपने परिवार से बात करने और कोई फैसला लेने का समय आ गया है.

रूबलेव शीर्ष वरीय सिनर को हराकर सेमीफाइनल में

मांट्रियल। पांचवें वरीय आंद्रे रूबलेव ने शनिवार को यहां शीर्ष वरीय गत चैंपियन यानिक सिनर को कड़े मुकाबले में 6-3, 1-6, 6-2 से हराकर वर्षा से प्रभावित नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया. रूबलेव ने इससे पहले शनिवार को ही ब्रेंडन नाकाशिमा को 6-2, 6-2 से हराया था, जबकि सिनर ने एलेजांद्रो तेबिलो को 6-4, 6-3 से शिकस्त दी थी. उष्णकटिबंधीय तूफान डेबी के कारण हुई बारिश से गुरुवार रात और शुक्रवार को मैच नहीं खेले जा सके थे और इन्हें शनिवार को खेला गया.

दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज पर 154 रन की बढ़त बनाई

एजेंसी। पोर्ट ऑफ स्पेन (त्रिनिदाद)

दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज के खिलाफ शनिवार को यहां पहले टेस्ट मैच के वर्षा से प्रभावित चौथे दिन 154 रन की कुल बढ़त हासिल कर ली लेकिन ड्रॉ से बचने के लिए उसे अनुकूल मौसम की जरूरत होगी. शनिवार को शुरुआती छह घंटे का खेल बारिश के कारण धुलने के बाद दक्षिण अफ्रीका ने मेजबान टीम को 233 रन पर आउट करके पहली पारी में 124 रन की बढ़त हासिल की और फिर दिन का खेल खत्म होने तक बिना विकेट खोए 30 रन बनाकर 154 रन की कुल बढ़त हासिल की. वेस्टइंडीज ने चार विकेट पर 145 रन से आगे खेलना शुरू किया, लेकिन आखिरी छह विकेट सिर्फ 60

रन जोड़कर 233 रन तक गंवा दिए, जिससे दक्षिण अफ्रीका की जीत की उम्मीद बंधी. दक्षिण अफ्रीका को हालांकि जीत दर्ज करने के लिए अंतिम दिन बारिश नहीं होने की प्रार्थना करनी होगी. दक्षिण अफ्रीका की ओर से केशव महाराज ने 19 रन देकर चार विकेट चटकाए. दिन का खेल खत्म होने पर टोनी डी जॉर्जी 14 जबकि एडेन मार्करम नौ रन बनाकर खेल रहे थे.

ब्रीफ खबरें

ट्रेन की चपेट में आने से अधेड़ की मौत

पूर्वी चंपारण। जिला मुख्यालय मोतिहारी शहर के बलुआ ओवरब्रिज के समीप शनिवार को अप सप्तक्रांति एक्सप्रेस की चपेट में आकर एक अधेड़ की मौत हो गयी. मृतक की पहचान मलाही थाना के नगदाहां गांव निवासी विंध्याचल प्रसाद (59) के रूप में हुई है. बताया गया कि बलुआ आरओबी के समीप विंध्याचल प्रसाद अप सप्तक्रांति एक्सप्रेस की चपेट में आ गए. ट्रेन की चपेट में आने से उनका शरीर कमर के पास से दो हिस्सों में विभक्त हो गया, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गयी.

अवैध चुंगी वसूलने वाला युवक गिरफ्तार

नवादा। नवादा जिला के रजौली थाना क्षेत्र के बजरंगबली चौक, पुरानी बस स्टैंड समेत मुख्यालय स्थित सभी फुटपाथी दुकानदारों से कुछ लोगों द्वारा दैनिक चुंगी के नाम से अवैध पैसे की वसूली लम्बे समय से की जा रही थी. पुलिस ने मौके से रविवार को एक युवक को गिरफ्तार किया,जबकि दो लोग फरार हो गए. बीते वर्ष रजौली व्यवसायिक संघ बनाया गया एवं संघ के अध्यक्ष संदीप कुमार द्वारा इसका विरोध किया जाने लगा. संघ के अध्यक्ष ने डीडीसी नवादा एवं एसडीओ रजौली के अलावे सांसद व जिला प्रभारी मंत्री के पास भी लिखित शिकायत की गई.

नवादा में विशेष तिरंगा यात्रा निकाली गई

नवादा। हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने के लिए रविवार को नवादा में विशेष तिरंगा यात्रा निकाली गई. आजादी के अमृत महोत्सव के तहत निकाली गई तिरंगा यात्रा में भाजपा मंडल अध्यक्ष गौरव शांडिल्य गगन के नेतृत्व में बड़ी संख्या में युवाओं ने जोश के साथ भाग लिया. मंडल अध्यक्ष गौरव शांडिल्य गगन ने बताया कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर हर-घर तिरंगा यात्रा कार्यक्रम के मद्देनजर रजौली में भाजपा कार्यकर्ताओं ने उत्साह के साथ मोटरसाइकिल से हाथ में तिरंगा लिये रजौली के विभिन्न पंचायतों का भ्रमण किया.

पटना में अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए राजकीय समारोह का किया गया आयोजन

शहीदों को याद कर दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

संवाददाता। पटना

शहीद दिवस के अवसर पर 11 अगस्त 1942 को आजादी के मतवाले सात अमर शहीद यथा उमाकांत प्रसाद सिंह, रामानन्द सिंह, सतीश प्रसाद झा, जगतपति कुमार, देवीपद चौधरी, राजेन्द्र सिंह व राम गोविन्द सिंह की दी गई कुर्बानियों को याद किया गया और उन्हें शत-शत नमन करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की गई. अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए राजकीय समारोह का आयोजन शहीद स्मारक परिसर, पटना में किया गया. राजकीय समारोह में राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर तथा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शहीदों की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की.

इस अवसर पर बिहार विधानसभा के अध्यक्ष नन्द किशोर यादव, उप

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, जल संसाधन एवं संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, सूचना एवं जनसम्पर्क मंत्री महेश्वर हजारी, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण मंत्री जनक राम, सांसद संजय कुमार झा, विधानसभा उपाध्यक्ष रेन्द्र नारायण यादव, विधान पार्षद संजय कुमार सिंह उर्फ गांधीजी, विधान पार्षद कुमुद वर्मा, विधान पार्षद रवीन्द्र कुमार सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, अमर शहीदों के परिजन एवं गणमान्य व्यक्तियों ने अमर शहीदों की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की.

इसके बाद राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, बिहार विधानसभा के अध्यक्ष नन्द किशोर यादव, उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने सचिवालय प्रांगण स्थित शहीद पार्क में जाकर अमर ज्योति के समक्ष पुष्प चक्र अर्पित किया एवं स्वतंत्रता संग्राम के तमाम अमर शहीदों को नमन करते हुए अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की.

मिस यूनिवर्स बिहार बनीं काजल ने नीतीश कुमार से की मुलाकात

पटना। मिस यूनिवर्स बिहार बनी काजल रानी ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से शिष्टाचार मुलाकात की. काजल की मुलाकात सीएम के एक अणे मार्ग स्थित 'संकल्प' में हुई. सीएम ने काजल को शुभकामनाएं दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की. इस अवसर पर जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, जदयू के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय कुमार झा, मिस यूनिवर्स बिहार संस्था की निदेशक नीतू कुमारी एवं परिवार के सदस्य मौजूद थे.

विश्व के सबसे बड़े ब्यूटी कॉन्टेस्ट मिस यूनिवर्स के लिए मिस यूनिवर्स इंडिया के लिए पटना के निफ्ट में पहली बार ऑफिशियल ऑडिशन का आयोजन किया गया था. जिसमें काजल रानी मिस यूनिवर्स बिहार चुनी गई. दिल्ली में आयोजित होने वाली इस प्रतियोगिता में काजल बिहार का प्रतिनिधित्व करेंगी. इस प्रतियोगिता में काजल का चयन होने पर उनके गांव शेखपुरा के बरबीघा प्रखंड के केवटी पंचायत के डीह में खुशी का माहौल है.

राजद का मंसूबा कभी पूरा नहीं होगा, ललन सिंह ने किया बड़ा पलटवार

ख्याली पुलाव पकाते रह जाएंगे तेजस्वी : ललन सिंह

संवाददाता। पटना

बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ख्याली पुलाव पकाते हैं. तेजस्वी यादव जो सपना देख रहे हैं वह सिर्फ सपना ही रहेगा. तेजस्वी यादव को लेकर रविवार को केंद्रीय मंत्री ललन सिंह ने यह टिप्पणी की. बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सबसे करीबी नेताओं में एक जदयू सांसद ललन सिंह ने तेजस्वी यदव के उस दावे पर पलटवार किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि विधानसभा चुनाव में आरजेडी की सरकार बनेगी और सीटें चार गुना बढ़ जाएंगी. तेजस्वी ने नीतीश कुमार पर तंज कसते हुए कहा है कि हमारे लिए अच्छा है कि चाचा उधर हैं, उधर रहने से चार गुना सीटें हमारी बढ़ेंगी. तेजस्वी के इस बयान पर ललन सिंह ने पलटवार किया है.

इसी को लेकर ललन सिंह ने कहा कि ख्याली पुलाव बनाना उनका काम है. उनके जन्म कुंडली में उनकी यह चाहत नहीं लिखी हुई है. ललन सिंह ने यह भी कहा कि तेजस्वी कभी भी मुख्यमंत्री नहीं बनेंगे और 2025 में एक बार फिर बिहार में एनडीए की सरकार बनेगी. तेजस्वी ने कहा था यदि नीतीश कुमार इंडिया गठबंधन के साथ रहते तो बीजेपी हवा में उड़ जाती. तेजस्वी ने यह टिप्पणी हालिया संपन्न लोकसभा चुनावों में बिहार में एनडीए के प्रदर्शन पर किया था.

वहीं ललन सिंह ने दिल्ली से पटना लौटते ही तेजस्वी को करार जवाब किया. उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव जो सपना देख रहे हैं वह सिर्फ सपना ही रहेगा.

ललन सिंह ने आगे यह भी कहा कि तेजस्वी यादव के जन्म कुंडली में वह नहीं लिखा है जो उनकी चाहत है. ललन ने कहा की अगले वर्ष होने वाले विधानसभा चुनाव में भी फिर से एक बार बिहार में एनडीए को पूर्ण बहुमत के साथ सरकार में आने का मौका मिलेगा. तेजस्वी यादव का सपना सपना ही रहेगा. दरअसल, बिहार विधानसभा के चुनाव को लेकर आरजेडी ने अपनी तैयारी शुरू कर दी है. बीते दिनों पटना में आयोजित अल्पसंख्यक मोर्चा का सम्मेलन था जिसमें तेजस्वी यादव मौजूद थे. उन्होंने कहा कि आप लोग साथ देंगे तो हम विश्वास दिलाते हैं कि 2025 जो सरकार होगी वह आरजेडी महागठबंधन की होगी. अल्पसंख्यक को उचित भागीदारी मिलेगी.

यात्रा निकाल कर माफी मांगें तेजस्वी: संजय सिंह

भागलपुर। बिहार भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सह पूर्वी चंपारण के लोकसभा सांसद संजय जयसवाल रविवार को भागलपुर पहुंचे. जहां उन्होंने प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि 15 अगस्त को आप सभी अपने-अपने घरों पर तिरंगा जरूर फहराएं. इस दौरान उन्होंने बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष सह पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को घेरते नजर आए. संजय जायसवाल ने कहा कि तेजस्वी यादव को बिल्कुल यात्रा निकालनी चाहिए. उन्हें अपने माता-पिता के कुकर्मो की माफी लोगों से मांगनी चाहिए. इस बात की माफी मांगे कि अब मुख्यमंत्री आवास से किसी को भी अपहरण या रंगदारी नहीं मांगी जाएगी.

महिला ने तीन बच्चों को दिया जन्म, जच्चा और बच्चा स्वस्थ

संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर के जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज अस्पताल में एक महिला ने एक साथ तीन स्वस्थ बच्चों को जन्म दिया है. इसे कुदरत का करिश्मा कहिए या फिर लक्ष्मी देवी की किस्मत. लक्ष्मी देवी की सुनी गोद शादी 7 साल बाद आठवें साल भरी है. जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज अस्पताल में देर रात प्रसूति विभाग तीन तीन बच्चों की किलकारी से गूंज गया. लेबर वार्ड में भर्ती जिले के ममलखा की रहने वाली लक्ष्मी देवी ने दो बेटे एक बेटी को जन्म दिया. मां के साथ साथ तीनों बच्चे स्वस्थ हैं. लक्ष्मी के परिवार में खुशी का माहौल है. लक्ष्मी की शादी 2016 में झारखंड के साहेबगंज के राम कुमार से हुई थी. शादी के कई साल बाद भी बच्चा नसीब नहीं हुआ तो उसके मायके वालों ने कई जगह जांच करवायी. बड़े-बडे अस्पताल गए, लेकिन भगवान से मिन्नतें की. इसके बाद तीन-तीन बच्चों से लक्ष्मी का सूना घर चहक उठा है.

किराना कारोबारी से 50 हजार और मोबाइल की लूट

अररिया। सिमराहा थाना क्षेत्र के औराही पूरब वार्ड संख्या एक में शनिवार की देर शाम तीन की संख्या में बैखोफ बदमाशों ने किराना कारोबारी से नगद 50 हजार रुपये और मोबाइल लूट लिया. घटना सिमराहा थाना क्षेत्र के सिमराहा से बारा जाने वाले रास्ते में औराही पूरब वार्ड संख्या एक के समीप हुई। लूटपाट के दौरान बदमाशों ने किराना कारोबारी के सर पर लाठी डंडे से प्रहार कर उनका सर भी फोड़ दिया. घायल कारोबारी घटना पश्चात किसी तरह अपने घर तक पहुंचे और लूटपाट होने की जानकारी परिजन के साथ साझा किया, जिसके बाद थाना को सूचना दी गई. घटना के संदर्भ में पीड़ित किराना कारोबारी वार्ड संख्या 12 निवासी बबलू कुमार मंडल पिता कृष्ण देव मंडल ने बताया कि सिमराहा मिडिल स्कूल के समीप उनका किराना का दुकान है.

उप सभापति हरिवंश ने डॉ भीम सिंह लिखित पुस्तक का किया लोकार्पण

पटना/दिल्ली। भाजपा के राज्यसभा सांसद डॉ भीम सिंह द्वारा लिखित ₹ भारत के 75 महान क्रांतिकारी ₹ नामक पुस्तक का विमोचन रविवार को राज्यसभा के उप सभापति हरिवंश ने किया. दिल्ली के कंस्टीट्यूशन क्लब में लोकार्पण समारोह आयोजित किया गया. इस पुस्तक में भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष में क्रांतिकारियों के देश प्रेम तथा देश के लिए उनके संघर्ष व बलिदान को बड़े विस्तार से रेखांकित किया किया गया है. समारोह को संबोधित करते हुए हरिवंश ने डॉ भीम सिंह को इस बात के लिए प्रशंसा की कि उन्होंने लेसर नोन हीरोज पर लेखनी उठायी. हरिवंश ने इस बात के लिया खेद प्रकट किया कि स्वतंत्रता संघर्ष के क्रांतिकारी आंदोलन के पक्ष को कम कर आंका गया है. उन्होंने प्रधानमंत्री की प्रशंसा कि वे इतिहास के गुमनाम पक्ष को भी उजागर कर रहे हैं.

कारोबार

ओयो ने निवेशकों से 1,457 करोड़ रु जुटाये

नयी दिल्ली। होटल कारोबार से जुड़े मंच ओयो की मूल कंपनी ओरेवल स्टेज लिमिटेड ने वित्त पोषण के हालिया चरण में निवेशकों से 1,457 करोड़ रुपये जुटाए हैं. यूनिकॉर्न कंपनी ओयो अपना आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की तैयारी में है. एक अरब डॉलर से अधिक मूल्यांकन वाले स्टार्टअप को यूनिकॉर्न कहा जाता है. कंपनी ने धन जुटाने के हालिया 'सीरीज जी' चरण में करीब 1,040 करोड़ रुपये जुटाए हैं. इससे पहले इसी श्रृंखला में 416.85 करोड़ रुपये जुटाए गए थे, जिसके बाद यह चरण पूरा हो गया है.

इस्पात की कीमतें तीन साल के निचले स्तर पर: रिपोर्ट

नयी दिल्ली। आयात बढ़ने के कारण घरेलू इस्पात की कीमतें तीन साल के निचले स्तर पर आ गई हैं. एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है. बाजार शोध कंपनी बिगमिंट ने एक रिपोर्ट में कहा कि हॉट रोल्ड कॉइल्स (एचआरसी) की कीमत गिरकर अब 51,000 रुपये प्रति टन पर आ गई हैं, जो अप्रैल, 2022 में 76,000 रुपये प्रति टन थीं. रिपोर्ट के मुताबिक, कोल्ड रोल्ड कॉइल्स (सीआरसी) की कीमत अप्रैल, 2022 में 86,300 रुपये प्रति टन से गिरकर 58,200 रुपये प्रति टन हो गई है.

कोयला आयात 7.52 करोड़ टन रहा

नयी दिल्ली। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में भारत का कोयला आयात 5.7 % बढ़कर 7.52 करोड़ टन हो गया, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 7.11 करोड़ टन कोयला आयात हुआ था. ई-कॉमर्स मंच एमजंक्शन सर्विसेज लिमिटेड के जुटाए आंकड़ों के मुताबिक, जून में देश का कोयला आयात भी 6.59 % बढ़कर 2.29 करोड़ टन रहा, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 2.15 करोड़ टन कोयला आयात हुआ था. एमजंक्शन के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी विनय वर्मा ने कहा कि उपलब्ध अधिशेष कोयले और मानसून के दौरान औद्योगिक गतिविधियों में सुस्ती को देखते हुए आने वाले महीने में आयात की मांग कम रह सकती है.

सेंसेक्स की टॉप 10 में से आठ कंपनियों का एमकैप 1.66 लाख करोड़ घटा

रिलायंस को 33,930 करोड़ का घाटा

एजेंसी। नयी दिल्ली

घरेलू शेयर बाजार में बीते सप्ताह भारी गिरावट देखने को मिली. कमजोर वैश्विक रुझानों के कारण बीएसई में लिस्टेड सेंसेक्स 1,276.04 अंक यानी 1.57 प्रतिशत टूटकर बंद हुआ. शेयर बाजार में आयी गिरावट के कारण सेंसेक्स की टॉप 10 कंपनियों में से 8 कंपनियों का मार्केट कैप संयुक्त रूप से 1,66,954.07 करोड़ घट गया. इसका सबसे ज्यादा नुकसान रिलायंस इंडस्ट्रीज और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के निवेशकों को झेलना पड़ा. देश की सबसे मूल्यवान कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) का बाजार पूंजीकरण 33,930.56 करोड़ घटकर 19,94,765.01 करोड़ रह गया. वहीं देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी एलआईसी के बाजार मूल्यांकन में भी 30,676.24 करोड़ की गिरावट आयी और यह घटकर 7,17,001.74 करोड़ रह गया. इस तरह बीते सप्ताह रिलायंस और एलआईसी को शीर्ष 10 कंपनियों में से सर्वाधिक नुकसान हुआ.

केवल हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी फायदे में रही : बीएसई

इन कंपनियों के मार्केट वैल्यूएशन में भी आयी गिरावट

बीएसई के डाटा के अनुसार, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का मूल्यांकन 21,151.33 करोड़ घटकर 7,35,566.52 करोड़ रुपये रह गया. वहीं सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनी इंफोसिस का मार्केट वैल्यूएशन 20,973.19 करोड़ कम होकर 7,35,277.28 करोड़ रहा. टाटा समूह की आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का एमकैप 19,157.77 करोड़ की गिरावट आयी और यह 15,30,469.11 करोड़ रह गया. इसी तरह भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 16,993.56 करोड़ घटकर 8,33,396.32 करोड़ और आईसीआईसीआई बैंक का 16,975.55 करोड़ घटकर 8,25,201.23 करोड़ रह गया. निजी क्षेत्र के एचडीएफसी बैंक का बाजार मूल्यांकन भी 7,095.87 करोड़ कमहोकर 12,56,505.53 करोड़ रह गया.

के डाटा के अनुसार, बीते सप्ताह केवल हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी का मार्केट कैप में बढ़ोतरी देखने को मिली.

हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार पूंजीकरण 12,946.24 करोड़ बढ़कर 6,45,808.65 करोड़ पर पहुंच गया. वहीं आईटीसी का मार्केट वैल्यूएशन 8,406.26 करोड़ बढ़कर 6,19,829.37 करोड़ हो गया. पिछले हफ्ते बड़ा नुकसान उठाने के बावजूद रिलायंस इंडस्ट्रीज ने देश की सबसे मूल्यवान कंपनी का खिताब बरकरार रखा है. इसके बाद टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, एसबीआई, इंफोसिस, एलआईसी, हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी का स्थान रहा.

रिलायंस की चालू वित्त वर्ष में पहली सौर गीगा-फैक्टरी चालू करने की योजना

नयी दिल्ली। देश की सबसे मूल्यवान कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड चालू वित्त वर्ष में अपनी पहली सौर गीगा-फैक्टरी चालू करने की योजना बना रही है. कंपनी वर्ष 2035 तक परिचालन से शुद्ध-शून्य कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य हासिल करने के दिशा में बढ़ रही है. रिलायंस ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में कहा है कि उसका लक्ष्य वित्त वर्ष 2024-25 के अंत तक सौर फोटोवोल्टिक (पीवी) विनिर्माण संयंत्र के पहले चरण को चालू करना और 2026 तक चरणबद्ध तरीके से इसे 20 गीगावाट तक बढ़ाना है. सौर गीगा-फैक्टरी में एक ही स्थान पर पीवी मॉड्यूल, सेल, वेफर्स और सिल्लियां, पॉलीसिलिकॉन और ग्लास का निर्माण होगा. कंपनी ने 2025 में मेगावाट स्तर पर सोडियम-आयन सेल उत्पादन का औद्योगिकीकरण करने और 2026 में पहली बार 50 मेगावाट घंटा (एमडब्ल्यूएच) प्रति वर्ष लिथियम बैटरी सेल बनाने का लक्ष्य भी तय किया है. रिलायंस ने 2021 में घोषणा की थी कि वह वर्ष 2030 तक 100 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता पर आधारित एक नया ईंधन व्यवसाय तैयार करने के लिए तीन वर्षों में 10 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करेगी.

'झारखंड की सामुदायिक भूमि का मूल्य सालाना 377,200 करोड़'

संवाददाता। रांची

झारखंड में भूमि कॉमन्स के आर्थिक मूल्य का हाल ही में प्रस्तुत एक संक्षिप्त विवरण, जिसे फाउंडेशन फॉर इकोलॉजिकल सिक्योरिटी और कॉमन ग्राउंड द्वारा विकसित किया गया है, ने बताया है कि झारखंड की भूमि कॉमन्स का मूल्य सालाना 377,200 करोड़ है. यह संक्षिप्त विवरण झारखंड में भूमि कॉमन्स का आर्थिक मूल्यांकन शीर्षक के तहत प्रस्तुत किया गया था और रांची में आयोजित पंचायत सम्मेलन 2.0 में जारी किया गया है.

ये तमाम आंकड़े और जानकारी संधू और अन्य (2023) के इकोनोमिक वैल्यूएशन स्टडी ऑफ़ कॉमन्स इन इंडिया और यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ ऑस्ट्रेलिया, आईएफपीआरआई एवं फाउंडेशन फॉर इकोलॉजिकल सिक्योरिटी से ली गई है. इन शोध पत्रों की प्रकाशन तिथि के अनुरूप मार्च 2023 की दरों के आधार पर 82 रुपये प्रति अमेरिकी डॉलर की विनिमय दर पर मूल्य तय किए गए हैं. इसमें हरपिंदर संधू, वीई झांग, रूथ मेनजेन-डिक, हैगर एलदीदी, साइका परवीन, जानवी शर्मा, जपनीत कौर और

पंचायत सम्मेलन

- झारखंड के भूमि कॉमन्स का सालाना मूल्य 377,200 करोड़ है
- शोध पत्रों के आधार पर जारी की गयी है रिपोर्ट

प्रतिति प्रियदर्शिनी ने काम किया है. भूमि कॉमन्स में वन, चरागाह, और बंजर भूमि जैसे साझा संसाधन शामिल हैं जो सभी समुदाय के सदस्यों के लिए उपलब्ध होते हैं. ये संसाधन न केवल आजीविका का समर्थन करते हैं, बल्कि महत्वपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र सेवाएं भी प्रदान करते हैं. झारखंड के भूमि कॉमन्स का सालाना मूल्य 377,200 करोड़ है, जो इस क्षेत्र की आर्थिक और पर्यावरणीय महत्वता को दर्शाता है. संक्षिप्त विवरण में भूमि के आर्थिक मूल्य को नीति-निर्माण और भूमि अधिग्रहण प्रक्रियाओं में शामिल करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया है. इसका उद्देश्य स्थायी प्रबंधन और सुरक्षा सुनिश्चित करना है.

सम्मेलन ने विकेंद्रीकृत शासन को मजबूत करने और अति-स्थानीय जलवायु कार्य योजनाओं को प्रोत्साहित करने पर ध्यान केंद्रित किया। यह सम्मेलन स्थानीय, क्षेत्रीय, और राष्ट्रीय स्तर पर प्रमुख हितधारकों को एकजुट करने का प्रयास करता है ताकि स्थानीय स्तर पर नेतृत्व वाली जलवायु कार्रवाइयों को बढ़ावा दिया जा सके. पर्यावरण अनुसंधान पत्रों में प्रकाशित हरपिंदर संधू एट अल द्वारा लिखित 'भारत में लैंड कॉमन्स द्वारा प्रदान की जाने वाली पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं का मूल्यांकनः अनुसंधान और नीति के लिए निहितार्थ' पेपर से डेटा और अंतर्दृष्टि पर आधारित है.

आशंका

साइबर अपराधियों के लिए भी परिष्कृत हमलों में एआई का दुरुपयोग के रास्ते खुल गये हैं

एआई आने से कारोबारों का साइबर जोखिम बढ़ा

भाषा। नेगोम्बो (श्रीलंका)

कृत्रिम मेधा (एआई) को तेजी से अपनाने से वृद्धि को बढ़ावा मिला है, लेकिन इसके साथ साइबर अपराधियों के लिए भी परिष्कृत हमलों में एआई का दुरुपयोग करने के रास्ते खुल गए हैं. वैश्विक साइबर सुरक्षा और डिजिटल प्राइवेसी कंपनी कैस्परस्काई ने इन जोखिमों का जिक्र करते हुए कहा है कि उसने नए युग की चुनौतियों का सामना करने के लिए व्यवसायों के सक्रिय साइबर सुरक्षा में निवेश करने की जरूरत पर प्रकाश डाला है. कैस्परस्काई ने कहा कि वह अपने उत्पादों में एआई का समावेश कर रही है तथा खतरों का मुकाबला करने व प्रौद्योगिकियों

को साइबर हमलों के नए और उभरते रूपों के प्रति अधिक प्रतिरोधी बनाकर उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा के लिए एआई मॉडलों का उपयोग कर रही है.

साइबर सुरक्षा कंपनी ने चेतावनी देते हुए कहा कि साइबर अपराधी दुर्भावनापूर्ण सॉफ्टवेयर लाने और कई उपयोगकर्ताओं के विरुद्ध स्वचालित हमले करने के लिए नए तरीकों से एआई का उपयोग कर रहे हैं. इनमें चैटजीपीटी के उपयोग से लेकर उपयोगकर्ताओं के स्मार्टफोन इनपुट की निगरानी के लिए एआई प्रोग्राम का दुरुपयोग करना (संभावित रूप से संदेश, पासवर्ड और बैंक कोड कैप्चर करना) तक शामिल है. कंपनी ने 2023 के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि उसने दुनिया भर में 2,20,000 कारोबारों को इन जोखिमों से बचाने में मदद की और अपने समाधानों और उत्पादों के साथ लगभग 6.1 अरब हमलों को रोका। इस दौरान, 3,25,000 विशिष्ट उपयोगकर्ताओं को बैंकिंग ट्रोजन पर आधारित संभावित धन चोरी से बचाया गया.

कंपनी ने 2024 में हर दिन औसतन 4,11,000 से अधिक दुर्भावनापूर्ण नमूनों का पता लगाया है, जबकि एक साल पहले यह संख्या 4,03,000 थी. कैस्परस्काई में वैश्विक शोध एवं विश्लेषण टीम के साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ विटाली कामलुक ने पीटीआई-भाषा से कहा, जितने साइबर हमले हो रहे हैं, वे केवल मानव संसाधनों से संभव नहीं हैं. हमलावर स्वचालन का उपयोग करते हैं... एआई का लाभ उठाने का प्रयास करते हैं. इसके साथ ही उपयोगकर्ताओं को साइबर जोखिम से बचने के लिए अपना पासवर्ड भी पर्याप्त मजबूत रखने की जरूरत है. कैस्परस्काई के प्रमुख डेटा वैज्ञानिक एलेक्सी एंटोनोव ने कहा, करीब 32 प्रतिशत उपयोगकर्ताओं के पासवर्ड पर्याप्त मजबूत नहीं हैं. उन्हें सरल ब्रूट-फोर्स एल्गोरिदम और आधुनिक जीपीयू 4090 का उपयोग करके 60 मिनट से भी कम समय में हासिल किया जा सकता है.

विदेशों में पाम, सोयाबीन ऑयल चढ़ा, तेल-तिलहनों में सुधार

भाषा। नयी दिल्ली

बीते सप्ताह विदेशों में कच्चा पामतेल (सीपीओ) और सोयाबीन तेल के दाम बढ़ने से देश के तेल-तिलहन बाजारों में सभी तेल तिलहन कीमतों में सुधार दर्ज हुआ. बाजार के जानकार सूत्रों ने कहा कि समीक्षाधीन सप्ताह में विदेशों में पाम तेल का भाव पिछले सप्ताह के 985-990 डॉलर प्रति टन से बढ़कर 990-995 डॉलर प्रति टन हो गया जबकि सोयाबीन तेल का दाम अपने पिछले सप्ताह के 995-1,000 डॉलर प्रति टन से बढ़कर 1,015-1,020 डॉलर प्रति टन हो गया. हालांकि देश में खाद्यतेलों का अत्यधिक आयात होने से बंदरगाहों पर आयातक अपनी लागत से दो-तीन प्रतिशत कम दाम पर सभी आयातित तेलों को बेच रहे हैं. इन कच्चेतेलों के प्रसंस्करण, आयात शुल्क और मार्जिन जोड़ने के बाद आने वाली लागत लगभग एक जैसा बैठती है.

उन्होंने कहा कि प्रसंस्करण, आयात शुल्क और मार्जिन जोड़कर सोयाबीन तेल का थोक भाव 94 रुपये प्रति किलो, पामतेल का भाव 94.5 रुपये किलो और सूरजमुखी तेल का थोक दाम 95 रुपये किलो बैठता है. इस तरह इन सभी खाद्यतेलों के बीच भाव का अंतर काफी कम रह गया है और खुदरा बाजार में इन सभी तेलों को 100-105 रुपये प्रति लीटर के भाव बिकना चाहिये. लेकिन खुदरा बाजार में पामतेल 105 रुपये लीटर और सूरजमुखी तेल 140-170 रुपये लीटर के भाव बिक रहा है.

ब्रीफ खबरें

विमान दुर्घटना में सभी मृतकों के अवशेष मिले

विन्हेडो। ब्राजील के साओ पाउलो प्रांत में शुक्रवार को हुए विमान हादसे में मारे गए सभी 62 लोगों के अवशेष बरामद होने के साथ ही बचाव अभियान समाप्त कर दिया गया. परिजन अपने प्रियजनों की शिनाख्त करने और उन्हें दफनाने के लिए साओ पाउलो पहुंच रहे हैं. दुर्घटनाग्रस्त 'एटीआर72' विमान में 58 यात्री और चालक दल के चार सदस्य सवार थे. उसने बताया कि विमान ग्वारूलोस में साओ पाउलो के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की ओर जा रहा था, तभी यह विन्हेडो में दुर्घटनाग्रस्त हो गया.

एनटीसीए ने दी बाघों के स्थानांतरण को मंजूरी

भोपाल। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) ने मध्य प्रदेश से कुछ बाघों को छत्तीसगढ़, राजस्थान व ओडिशा स्थानांतरित करने की मंजूरी दे दी है. एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी. वन्यजीव विशेषज्ञों के अनुसार इस कवायद से अन्य राज्यों में बाघों के 'जीन पूल' को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी. वर्ष 2022 की बाघ जनगणना के अनुसार मध्य प्रदेश में सबसे अधिक 785 बाघ हैं. 'एनटीसीए की तकनीकी समिति ने मंजूरी दी है. सरकार की मंजूरी के बाद स्थानांतरण शुरू हो जाएगा...'

डॉक्टरों ने केरल में प्रदर्शन की घोषणा की

तिरुवनंतपुरम। केरल के चिकित्सक, स्नातकोत्तर चिकित्सक और चिकित्सा शिक्षक कोलकाता के एक सरकारी अस्पताल में स्नातकोत्तर छात्रा एवं प्रशिक्षु चिकित्सक के यौन उत्पीड़न और हत्या की घटना के खिलाफ सोमवार को राज्य भर के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में विरोध प्रदर्शन करेंगे. सरकारी मेडिकल कॉलेज के शिक्षकों के संगठन 'केजीएमसीटीए' ने रविवार को स्नातकोत्तर (पीजी) छात्रा की निर्मम हत्या की कड़ी निंदा की.

विमान दुर्घटनाग्रस्त दो पायलट घायल

गुना। मध्य प्रदेश के गुना जिले में एक हवाई पट्टी पर एक निजी विमानन अकादमी का एक प्रशिक्षण विमान रविवार को दुर्घटनाग्रस्त हो गया जिससे दो पायलट घायल हो गए. गुना कैंट पुलिस थाने के प्रभारी ने बताया कि दो सीट वाला सेसना 152 विमान दोपहर करीब डेढ़ बजे दुर्घटनाग्रस्त हो गया. ऐसी आशंका है कि इंजन में खराबी के कारण विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया. दुर्घटना से पहले उसने करीब 40 मिनट तक उड़ान भरी थी. विमान में सवार दो पायलट को चोटें आयी हैं, लेकिन वे खतरे से बाहर हैं.

मणिपुर में गोलीबारी में चार लोगों की मौत

इंफाल। मणिपुर के तेंगनौपाल जिले में उग्रवादियों और एक ही समुदाय के ग्रामीण स्वयंसेवकों के बीच गोलीबारी में चार हथियारबंद लोगों की मौत हो गयी. वहीं कांगपोकपी जिले में एक बम धमाके में एक पूर्व विधायक की पत्नी की मौत हो गई. शुक्रवार को मोलनोम इलाके में मुठभेड़ में यूकेएलएफ के एक उग्रवादी और एक ही समुदाय के तीन ग्रामीण स्वयंसेवकों की मौत हो गयी. इसके जवाब में ग्रामीण स्वयंसेवकों ने यूकेएलएफ के स्वयंभू प्रमुख एस एस हाओकिप के आवास को फूंक दिया.

आफत की बारिश, भूस्खलन व अचानक बाढ़ आने से बढ़ी परेशानी

पहाड़ से मैदान तक तबाही

लगातार न्यूज नेटवर्क। दिल्ली

पहाड़ों से लेकर लेकर मैदानी इलाकों तक मॉनसूनी बारिश आफत बनकर बरस रही है. पिछले 24 घंटों के दौरान देशभर में बरसात जनित घटनाओं में कई लोगों की मौत हो गई. वहीं नदियों और बांधों में जलस्तर के खतरे के निशान को पार कर जाने पर चेतावनी जारी की गई है. हिमाचल प्रदेश में पिछले दो दिन से भारी बारिश के कारण भूस्खलनों और अचानक आयी बाढ़ के कारण 280 से अधिक सड़कें बंद रहीं. ऊना में उफान पर बह रहे नालों का पानी कई घरों में घुस गया है जबकि लाहौल और स्पीति पुलिस ने निवासियों तथा यात्रियों को अत्यधिक सावधानी बरतने और जाहलमान नाले का जल स्तर 'तेजी से' बढ़ने के कारण उसे पार न करने की सलाह दी है. कुल्लू, मंडी और शिमला जिले में 31 जुलाई को अचानक आयी बाढ़ के बाद लापता हुए करीब 30 लोगों का पता लगाने के लिए बचाव अभियान चलाया जा रहा है लेकिन अभी कोई बड़ी सफलताा हाथ नहीं लगी है. अभी तक 28 शव बरामद किए गए हैं. राज्य में 27 जून से नौ अगस्त के बीच बारिश से जुड़ी घटनाओं में 100 से अधिक लोगों की मौत हो गयी है और राज्य को करीब 842 करोड़ रुपये का नुकसान पहुंचा है.

हिमाचल में 288 सड़कें बंद : अधिकारियों ने बताया कि 288 सड़कें बंद हैं जिनमें से 138 सड़कें शुक्रवार और 150 शनिवार को बंद हुईं. राज्य आपात अभियान केंद्र के आंकड़ों के अनुसार, मंडी में 96 सड़कें, शिमला में 76 सड़कें, कुल्लू में 37, सिरमौर में 33, चंबा में 26, लाहौल और स्पीति में सात, हमीरपुर में पांच और कांगड़ा तथा किन्नौर में चार-चार सड़कें बंद रहीं. पूह और कौरिक के बीच अचानक आयी बाढ़ और नेगुलसरिन के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग-5 पर भूस्खलन के बाद किन्नौर का राज्य की राजधानी शिमला से संपर्क टूट गया है. अधिकारियों ने बताया कि राज्य में 458 बिजली और 48 जल आपूर्ति योजनाएं भी प्रभावित हुई हैं. क्षेत्रीय मौसम विज्ञान कार्यालय ने 'ऑरेंज अलर्ट' जारी करते हुए पांच जिलों - बिलासपुर, चंबा, हमीरपुर, कुल्लू, कांगड़ा, मंडी, शिमला, सोलन, सिरमौर और ऊना में कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी दी है. गरज के साथ तूफान आने, बिजली गिरने और बारिश आने का पूर्वानुमान है. इसके साथ ही चंबा, हमीरपुर, कुल्लू, मंडी, सिरमौर और शिमला जिलों के कुछ स्थानों में अचानक बाढ़ आने की भी चेतावनी दी है.

चमोली

गुरुग्राम

कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में चेतावनी जारी

तुंगभद्रा बांध

कर्नाटक के कोप्पल में तुंगभद्रा नदी पर स्थित पंपा सागर बांध के 19वें फाटक की चेन टूट जाने के बाद भारी मात्रा में पानी बाहर आने पर बाढ़ की चेतावनी जारी की गई है. जल संसाधन विभाग के सूत्रों ने बताया कि उन्हें जलाशय के मरम्मत कार्य के लिए बांध की कुल मौजूदा क्षमता 105 टीएमसी के मुकाबले जल स्तर को घटाकर 65 से 55 टीएमसी तक करना होगा. विभाग ने जलाशय का मरम्मत कार्य शुरू करने के लिए पांच फाटकों को छोड़कर अन्य सभी खोल दिए हैं. वहीं आंध्र प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एपीएसडीएमए) ने तुंगभद्रा बांध का द्वार बह जाने के बाद कृष्णा नदी के किनारे रह रहे लोगों को रविवार को सतर्क रहने की सलाह जारी की. एपीएसडीएमए के प्रबंध निदेशक आर कुर्मानाध ने बताया कि चेन की एक कड़ी टूटने के कारण द्वार संख्या 19 पानी के बहाव में बह गया. यह हादसा होसपेट में शनिवार रात को हुआ. वहीं भारी बारिश व मध्य प्रदेश के ओंकारेश्वर बांध से पानी छोड़े जाने पर गुजरात के नर्मदा जिले में स्थित सरदार सरोवर बांध का जल स्तर बढ़ गया जिसके कारण वडोदरा प्रशासन को एहतियात के तौर पर रविवार को जिले के 25 गांवों को सतर्क करना पड़ा. निवासियों को नर्मदा नदी के तटवर्ती इलाकों में नहीं जाने के लिए कहा गया है. बांध का जलस्तर बढ़ने से इसके नौ 'रेडियल' फाटकों को 1.50 मीटर तक खोल दियागया है. रविवार सुबह बांध में पानी का स्तर 134.75 मीटर दर्ज किया गया, जबकि जलाशय की कुल जलधारण क्षमता 138.68 मीटर है. पिछले 24 घंटे में बांध का जलस्तर 3.5 मीटर बढ़ गया.

पंजाब में उफनती नदी में वाहन के बहने से एक ही परिवार के सात की मौत

पंजाब के होशियारपुर से लगभग 34 किलोमीटर दूर जैजों में पानी से लबालब छोटी बरसाती नदी में एक वाहन के बह जाने से एक परिवार के सात सदस्यों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लापता हो गए. पंजाब और अन्य इलाकों में हुई भारी बारिश के कारण नदी उफान पर है. पुलिस अधिकारियों ने बताया कि परिवार के दस सदस्य स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) चालक के साथ हिमाचल प्रदेश के मेहतपुर के निकट देहरा से विवाह समारोह में शामिल होने एसबीएस नगर के मेहरोवाल जा रहे थे. मेहरोवाल के निकट वाहन उफनती नदी में बह गया. कई स्थानीय व्यक्तियों ने वाहन में सवार एक व्यक्ति को किसी तरह बचा लिया और जैजों में सरकारी चिकित्सालय ले गए. दो महिलाओं समेत सात व्यक्तियों के शव नदी से बरामद कर लिए गए हैं. तीन लापता व्यक्तियों की तलाश जारी है.

राजस्थान : करौली में भारी बारिश से मकान ढहा, पिता-पुत्र की मौत

राजस्थान के करौली जिले में रविवार तड़के भारी बारिश के कारण एक मकान ढह जाने से उसके मलबे में दबकर 40 वर्षीय एक व्यक्ति और उसके बेटे की मौत हो गई तथा दो अन्य लोग घायल हो गए. अधिकारियों ने बताया कि यह घटना शहर के डोलीखर मोहल्ले में उस समय हुई, जब परिवार के लोग अपने घर में सो रहे थे. भारी बारिश के कारण मकान ढहने उसके मलबे में दबकर दो लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए. जिला अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधिकारी के अनुसार, मृतकों की पहचान जाकिर खान (40) और उसके बेटे राशिद खान (12) के रूप में हुई है. उन्होंने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए जाएंगे.

जालौन में मकान की छत गिरी, मलबे में दबने से मां-बेटे की मौत, पिता-पुत्री गंभीर रूप से घायल

उत्तर प्रदेश के जालौन जिले के कोच पुलिस थाना क्षेत्र के एक गांव में रविवार तड़के एक मकान की छत गिर जाने से उसके नीचे सो रहे मां-बेटे की मलबे में दबकर मौत हो गई, जबकि पिता-पुत्री गंभीर रूप से घायल हो गए. एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह हादसा कोतवाली कोच के महलुबा गांव में तड़के करीब साढ़े पांच बजे हुआ, जब अखिलेश नामक व्यक्ति अपनी पत्नी और बच्चों के साथ घर में सो रहा था. प्रथम दृष्टतया ऐसा प्रतीत होता है कि अधिक बारिश के कारण मकान की पुरानी छत में नमी आ गई और वह भरभराकर गिर पड़ी. इस हादसे में छत के नीचे सो रहा अखिलेश (35), उसकी पत्नी मोहिनी (32), बेटा देबू (सात) और बेटी अदिति (10) मलबे में दब गए. पुलिस चारों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, कोच ले गई, जहां चिकित्सकों ने देबू और मोहिनी को मृत घोषित कर दिया, जबकि गंभीर रूप से घायल अखिलेश और अदिति को मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया.

सेबी चीफ व गौतम अडानी पर हिंडनबर्ग रिसर्च का क्या है दावा

लगातार न्यूज नेटवर्क। बीते साल की शुरुआत में अरबपति गौतम अडानी को लेकर अपनी रिसर्च रिपोर्ट जारी करने के बाद अब अमेरिकी शॉर्ट सेलर फर्म हिंडनबर्ग ने भारत के मार्केट रेग्युलेटर सेबी की चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच पर निशाना साधा है और ये भी अडानी मामले से ही जुड़ा हुआ है. शनिवार को जारी रिपोर्ट में हिंडनबर्ग ने दावा किया है कि सेबी चेयरमैन और उनके पति धवल बुच के पास गौतम अडानी के पैसे की हेराफेरी में इस्तेमाल किए गए दो ऑफशोर फंड में हिस्सेदारी थी.

समझना चाहते हैं पूरी रिपोर्ट, इन 10 पॉइंट्स में जानिए सब कुछ

1. ऑफशोर फंड क्या होता है

हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, सेबी चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच और उनके पति ने बरमूडा और मॉरीशस ऑफशोर फंडों में हिस्सेदारी रखी थी, जिनका इस्तेमाल अडानी ग्रुप की ओर से किया गया था. ऑफशोर फंड्स को इंटरनेशनल फंड्स भी कहा जाता है. विदेशी बाजार में निवेश करने वाली म्यूचुअल फंड की स्कीम की तरह ही है, जो किसी स्पेशल सेक्टर या कंपनियों अथवा नियमित आय की सिक्योरिटीज में निवेश करती है.

2. ऑफशोर बैंकिंग का मतलब

ऑफशोर बैंकिंग वह बैंकिंग है, जो आपके देश के बाहर होती है. ऑफशोर बैंक अकाउंट से फॉरेन करेंसियों में व्यापार करना आसान हो जाता है. यह आपको किसी दूसरे देश द्वारा दी जाने वाली किसी भी फाइनेंशियल सिक्योरिटी या टैक्स बेनेफिट्स का लाभ उठाने की अनुमति भी देती है. यहां बता दें कि ऑफशोर बैंकिंग का ज्यादातर इस्तेमाल उन बिजनेस में होता है, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काम करते हैं.

3. कैसे काम करते हैं ऑफशोर फंड

ये ऑफशोर फंड्स निवेशकों के प्रतिनिधि के रूप में इंटरनेशनल मार्केट में पैसा लगाते हैं. ये या तो सीधे विदेशी कंपनियों के शेयरों में निवेश करते हैं या फिर किसी अन्य विदेशी म्यूचुअल फंड्स में इन्वेस्ट करते हैं. किसी फंड द्वारा अन्य फंड्स में निवेश को फीडर रूट कहा जाता है. विदेशी शेयरों में निवेश घरेलू शेयरों में निवेश से ज्यादा जोखिम भरा है. आपका रिटर्न इस बात से भी प्रभावित होता है कि देश की करेंसी किसी विदेशी मुद्रा की तुलना में कितना मजबूत और कमजोर पड़ती है.

4. मनी साइफनिंग क्या है

हिंडनबर्ग की रिपोर्ट में अडानी मनी शाइफनिंग स्कैंडल का जिक्र किया गया है, तो इसे पैसों की हेरा-फेरी ही कहा जाता है. दरअसल, मनी साइफनिंग को विस्तार से समझें तो अगल बैंकों या फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशन से लिए गए कर्ज का इस्तेमाल संबंधित कंपनी किसी ऐसे उद्देश्य के लिए करती है, जिसके बारे में लैंडर को जानकारी नहीं होती और इससे उसकी वित्तीय स्थिति को नुकसान पहुंचता है, तो इसे मनी साइफनिंग कैटेगरी में रखा जाता है.

5. टैक्स हेवन क्या है

टैक्स हेवन देश उन्हें कहा जाता है, जहां अन्य देशों की अपेक्षा बहुत कम कर लगता है या टैक्स फ्री रहता है. ये ऐसे देश होते हैं जो विदेशी नागरिकों, निवेशकों और बिजनेसमैन को यह सुविधा प्रदान करते हैं कि वे उस देश में रहकर जो इनवेस्टमेंट करेंगे तो उस पर उनको टैक्स नहीं देना होगा या बहुत ही कम देना होता है. खासतौर पर ये टैक्स हैवन देश उन लोगों के लिए स्वर्ग ही होते हैं, जो जो टैक्स चोरी करके पैसे इन देशों में जमा कर देते हैं. हिंडनबर्ग की रिपोर्ट में जिन बरमूडा और मॉरिशस का जिक्र किया गया है और ये दोनों देश भी टैक्स हैवेन देशों में शामिल हैं. इसके अलावा साइप्रस और पनामा जैसे तमाम देश इसमें आते हैं.

6. हिंडनबर्ग क्या है

हिंडनबर्ग अमेरिका की कनेक्टिकट यूनिवर्सिटी से इंटरनेशनल बिजनेस में ग्रेजुएट नाथन एंडरसन द्वारा संचालित शॉर्ट सेलर फर्म है. साल 2017 में इसकी स्थापना की गई थी. इसका नाम 6 मई 1937 में न्यू जर्सी के मैनचेस्टर टाउनशिप में हुए हिंडनबर्ग एयरशिप एक्सीडेंट के नाम पर रखा गया. कंपनी का काम शेयर मार्केट, इक्विटी, क्रेडिट और डेरिवेटिव्स पर रिसर्च करना है. इस रिसर्च के जरिए कंपनी पता लगाती है कि क्या स्टाक मार्केट में कहीं गलत तरह से पैसों की हेरा-फेरी हो रही है और इसे लेकर रिसर्च रिपोर्ट जारी करती है.

7. शॉर्ट सेलर फर्म क्या होती है

हिडनबर्ग कंपनी एक इन्वेस्टमेंट फर्म होने के साथ ही शॉर्ट सेलर कंपनी भी है. एक एक्टिविस्ट शॉर्ट सेलर रूप में ये मोटी कमाई करती है. दरअसल, शॉर्ट सेलिंग एक तरह की ट्रेडिंग या इन्वेस्टमेंट स्ट्रेटजी है. इसमें कोई किसी खास कीमत पर स्टॉक या सिक्योरिटीज खरीदी जाती हैं और फिर कीमत ज्यादा होने पर उसे बेच देता है, जिससे उसे जोरदार फायदा होता है.

8. शेल कंपनियां क्या होती हैं

शेल कंपनियां ऐसी फर्में होती हैं, जो सिर्फ कागजों पर चलती हैं. इनका कोई आधिकारिक कारोबार नहीं होता है. आमतौर पर इन कंपनियों का इस्तेमाल मनी लॉन्ड्रिंग के लिए ही किया जाता है. यानी दूसरी शब्दों में कहें तो ये कंपनियां एक जरिया होती हैं, ब्लैक मनी को व्हाइट करने के लिए. इन कंपनियों में टैक्स को बचाने की व्यवस्था होती है. इसमें पूरे पैसे को एक्सपेंस के तौर पर दिखाया जाता है, जिससे टैक्स भी नहीं लगता है. इसे मनी लॉन्ड्रिंग का आसान तरीका भी माना जाता है.

9. सेबी कैसे और क्या काम करती है

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड यानी सेबी की स्थापना वर्ष 1992 में एक मार्केट रेग्युलेटर के रूप में की गई थी. इसका काम निवेशकों के हितों की रक्षा करने के साथ ही उन्हें उचित मार्गदर्शन देना भी है. पूंजी बाजार में व्यापार से संबंधित हेर-फेर और धोखाधड़ी को रोकना भी इसके जिम्मे होता है.

10. सेबी चेयरपर्सन की नियुक्ति

सेबी के अध्यक्ष की नियुक्ति केंद्र सरकार करती है. फिलहाल, माधबी पुरी बुच भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) की अध्यक्ष हैं और मार्केट रेग्युलेटर की पहली महिला अध्यक्ष हैं. उन्हें मार्च 2022 को अध्यक्ष नियुक्त किया गया था. फिलहाल बुच और उनके पति हिंडनबर्ग के निशाने पर हैं और उन पर भारतीय अरबपति गौतम अडानी से लिंक के आरोप शॉर्ट सेलर फर्म द्वारा लगाए गए हैं.

उप्र : बसपा 10 विस सीटों पर लड़ेगी उपचुनाव : मायावती

एजेंसी। लखनऊ

बसपा अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने रविवार को ऐलान किया कि निकट भविष्य में राज्य की 10 रिक्त विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनावों में उनकी पार्टी अपने उम्मीदवार उतारेगी और पूरे दमखम से चुनाव लड़ेगी. मायावती ने लखनऊ में प्रदेश कार्यालय में पार्टी की उत्तर प्रदेश इकाई के सभी वरिष्ठ पदाधिकारियों और जिलाध्यक्षों की एक समीक्षा बैठक में उपचुनाव लड़ने की घोषणा की. अमूमन उपचुनावों से दूर रहने वाली बसपा ने इस उपचुनाव को पूरे दमखम से लड़ने का फैसला किया है. बसपा मुख्यालय से जारी बयान के मुताबिक, मायावती ने कहा कि खासकर सत्तारूढ़ भाजपा और उसकी सरकार द्वारा इसे (उपचुनाव को) प्रतिष्ठा का प्रश्न बना लेने के कारण इन उपचुनावों में लोगों की रुचि काफी बढ़ी है, लिहाज़ा बसपा ने भी इन उपचुनावों में पूरे दमखम के साथ चुनाव लड़ने का फैसला किया है.

'मालदीव हिंद महासागर क्षेत्र में भारत का प्रमुख साझेदार'

एजेंसी। माले

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रविवार को कहा कि मालदीव हिंद महासागर क्षेत्र में भारत का एक प्रमुख साझेदार है तथा दोनों देश अपने सहयोग को आधुनिक साझेदारी में बदलने की आकांक्षा रखते हैं. जयशंकर ने अड्डू पुनर्ग्रहण और तट संरक्षण परियोजना का हस्तांतरण समारोह और एक्जिम बैंक की ऋण सहायता के तहत भारत सरकार की मदद से बनाई गई 4-लेन डेटोर लिंक सड़क परियोजना के उद्घाटन के अवसर पर यह बात कही. इस अवसर पर मालदीव के विदेश मंत्री मूसा जमीर भी मौजूद थे. जयशंकर ने कहा, 'मालदीव हमारे लिए हिंद महासागर क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण साझेदार है. यह 'पड़ोसी प्रथम' की हमारी नीति के केंद्र में है. और इसलिए यह बहुत ही स्वाभाविक है कि हमारे दोनों देशों के बीच सहयोग पारंपरिक भूमिका से आगे बढ़ गया है तथा आज वास्तव में एक आधुनिक साझेदारी बनने की आकांक्षा है.' उन्होंने कहा, 'विकास के क्षेत्र में हमारे सहयोग का उद्देश्य लोगों के जीवन के सभी पहलुओं को छूना और उनके जीवन में इसके ठोस लाभ लाने के तरीके खोजना है.' जयशंकर ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में भारत ने मालदीव में लगभग 22 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश किया है.

मुइज्जू सरकार की भारत नीति में बदलाव सराहनीय

वहीं मालदीव के मुख्य विपक्षी दल मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी (एमडीपी) ने राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू नीत सरकार द्वारा अपनी भारत नीति में 'अचानक किए गए बदलाव' का स्वागत किया और कहा कि माले इस बात को लेकर हमेशा आश्वस्त रहा है कि देश पर जब भी संकट आएगा और वह मदद के लिए पुकारेगा तो नई दिल्ली सबसे पहले सहायता करेगा. एमडीपी के अध्यक्ष अब्दुल्ला शाहिद ने शनिवार को यहां भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात के बाद यह बात कही.

नेपाल की दो दिनी यात्रा पर पहुंचे विदेश सचिव

काठमांडू। भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री दो दिवसीय यात्रा पर रविवार को नेपाल पहुंचे. इस दौरान वह भारत और नेपाल के बीच संबंधों को और मजबूत करने तथा पारस्परिक रूप से लाभकारी संबंधों को आगे बढ़ाने के तरीकों पर देश के नेतृत्व और अधिकारियों के साथ चर्चा करेंगे. नेपाल की विदेश सचिव सेवा लमसल ने उनका स्वागत किया. भारतीय दूतावास ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'यह यात्रा भारत की 'पड़ोसी प्रथम' नीति के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है.'

अध्ययन जिन बच्चों के भाई-बहन होते हैं, उनमें सहानुभूति व एक-दूसरे के विचारों व भावनाओं की बेहतर समझ होती है

भाई-बहन के बीच सकारात्मक रिश्ते को ऐसे बढ़ावा दें माता-पिता

कैलगरी (द कन्वरसेशन)

भाई-बहन का रिश्ता हमारे जीवन में सबसे लंबे समय तक कायम रहने वाले रिश्तों में से एक है. दुनिया भर में लगभग 80 प्रतिशत लोगों के पास कम से कम एक भाई या बहन है. एक अध्ययन में पाया गया कि युवा अवस्था में भाई-बहन के रिश्तों की गुणवत्ता 65 वर्ष की आयु में खुशहाल रहने के सबसे मजबूत संकेतकों में से एक थी. जैसे-जैसे हम बड़े होते हैं तो भाई-बहन के रिश्ते भी बदलते हैं. भाई-बहन का रिश्ता न केवल अनोखा होता है, बल्कि यह बच्चे के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. जिन बच्चों के भाई-बहन होते हैं, उनके अपने साथियों के साथ बेहतर रिश्ते होते हैं, वे रचनात्मक खेलों में अधिक शामिल होते हैं और उनमें सहानुभूति तथा एक-दूसरे के विचारों व भावनाओं की बेहतर समझ होती है. वे अक्सर उन लोगों की तुलना में बहुत पहले ही सामाजिक कौशल विकसित कर लेते हैं, जिनके भाई-बहन नहीं होते हैं. कुछ अध्ययनों से पता चला है कि भाई-बहन के सकारात्मक रिश्ते भी कठिन समय में, जैसे कि जीवन में तनाव और माता-पिता के बीच वैवाहिक मतभेदों के दौरान, एक सुरक्षात्मक कारक के रूप में काम करते हैं.

भाई-बहन का झगड़ा, प्रतिद्वंद्विता : जब हम बच्चे होते हैं, तो भाई-बहन के रिश्ते प्रतिद्वंद्विता से भरे हो सकते हैं. किशोरावस्था में, जब हम साथियों के साथ नये रिश्ते और अपनी पहचान तलाशते हैं तो भाई-बहन के रिश्तों में दरार आ जाती है. यह शायद कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि भाई-बहन के रिश्तों पर शोध का एक प्रमुख विषय झगड़ा है. भाई-बहन का झगड़ा काफी आम है और कुछ हद तक, वास्तव में बच्चों के विकास के लिए अच्छा हो सकता है. भाई-बहन का रिश्ता बच्चों के लिए झगड़ा सुलझाने के लिए एक अनूठा संदर्भ प्रदान करता है, क्योंकि दोस्ती के विपरीत, भाई-बहन का रिश्ता सिर्फ झगड़े के बाद खत्म नहीं हो सकता है. भाई-बहनों के साथ झगड़े को सुलझाकर, बच्चे मूल्यवान कौशल सीख सकते हैं, जैसे कि दूसरों के दृष्टिकोण को समझना, सहानुभूति विकसित करना, सुनने के कौशल में सुधार करना, सीमाएं निर्धारित करना और अपने हितों के लिए खड़े होना.

80 प्रतिशत लोगों के पास कम से कम एक भाई या बहन है दुनिया भर में
अध्ययन के अनुसार, यह रिश्ता बच्चे के विकास में निभाता है भूमिका

65 वर्ष की आयु में खुशहाल रहने के सबसे मजबूत संकेतकों में से एक है युवा अवस्था में
भाई-बहन के रिश्तों की गुणवत्ता. बड़े होने के साथ भाई-बहन के रिश्ते भी बदलते हैं.

परवरिश में निष्पक्ष रहें, वैज्ञानिक तरीके अपनाएं

अधिकांश माता-पिता कहते हैं कि भाई-बहन के बीच कोई उनका ज्यादा पसंदीदा नहीं होता और वे सभी से समान प्यार करते हैं, लेकिन 85 प्रतिशत बच्चों का मानना है कि उनके माता-पिता उनमें से किसी एक को ज्यादा चाहते हैं. ऐसे में माता-पिता को भाई-बहनों को समान दुर्व्यवहार के लिए समान दंड सुनिश्चित करके अपनी परवरिश में यथासंभव निष्पक्ष रहने का प्रयास करना चाहिए. विज्ञान-समर्थित ऐसे कई तरीके हैं, जिनसे माता-पिता भाई-बहन के बीच मजबूत, सकारात्मक और सहयोगात्मक रिश्ते बनाने में मदद कर सकते हैं.

1. सकारात्मक जुड़ाव को प्रोत्साहित करें.
2. पहचानें कि बच्चों क्या अच्छा चल रहा है.
3. साझा अनुभवों में संलग्न रहें अभिभावक.
4. भावनाओं को नियंत्रित करें.
5. सामाजिक और भावनात्मक समझ को सुगम बनाएं.
6. बच्चों के अवांछनीय व्यवहार से निपटना.
7. बच्चों की अपने भाई-बहनों को समझने की कला सिखाने में मदद करें.
8. संघर्ष से निपटें.
9. बच्चों से माता-पिता के अलग-अलग व्यवहार की जांच करें.

बांग्लादेश : रेफात अहमद ने ली प्रधान न्यायाधीश के रूप में शपथ

एजेंसी। ढाका

सैयद रेफात अहमद ने रविवार को बांग्लादेश के नए प्रधान न्यायाधीश के रूप में शपथ ली. इससे एक दिन पहले ओबैदुल हसन ने प्रधान न्यायाधीश के पद से इस्तीफा दे दिया था. न्यायमूर्ति हसन के अलावा शीर्ष अदालत की अपीलीय डिवीजन के पांच न्यायाधीशों ने भी पद से इस्तीफा दे दिया था. प्रधान न्यायाधीश (65) ने शनिवार को अपना निर्णय दोपहर करीब एक बजे उस समय घोषित किया, जब भेदभाव विरोधी छात्र आंदोलन के प्रदर्शनकारी अदालत परिसर में एकत्र हुए. प्रदर्शनकारी छात्रों ने हसन और अपीलीय डिवीजन के न्यायाधीशों को दोपहर एक बजे तक इस्तीफा देने का समय दिया था.

'डेली स्टार' समाचार पत्र की रिपोर्ट के अनुसार, अहमद ने स्थानीय समयानुसार दोपहर करीब 12 बजकर 45 मिनट पर राष्ट्रपति के

आधिकारिक आवास के दरबार हॉल में एक समारोह के दौरान देश के नए प्रधान न्यायाधीश के रूप में शपथ ली. रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने प्रधान न्यायाधीश को शपथ दिलाई. शेख हसीना के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख बने मोहम्मद यूनुस भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए. इससे पहले राष्ट्रपति शहाबुद्दीन ने शनिवार को न्यायमूर्ति अहमद को बांग्लादेश का 25वां प्रधान न्यायाधीश नियुक्त किया था.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)